news@group5.in group5news group5news

www.group5news.com

सदैव आपके साथ...

हिन्दी दैनिक

ग्रुप-5 समाचार

www.group5news.com/epaper

लखनऊ || सोमवार || 28 अप्रैल , 2025 वर्षः 17 || अंक : 128 || पृष्ठः 12 || मूल्यः 2/-

अंदर पढ़ें

» 07 बजाज आलियान्ज़ जनरल इंश्योरेंस ने...

» 08 सुरक्षा में आया खास हथियार, पहलगाम आतंकी ...

» 11 रकुल प्रीत ने कॉस्मेटिक सर्जरी को लेकर ...

आधार-पैन में अब एक साथ बदलेगा नाम और नंबर

● तीन दिन में अपडेट होंगे डॉक्यूमेंट, नहीं काटने होंगे कई दफ्तरों के चक्कर

सरकार की यूनिफाइड डिजिटल आईडेंटिटी सिस्टम लागू करने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आधार, पैन, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस आदि में नाम, पता, मोबाइल नंबर बदलवाने के लिए लोगों को अब अलग-अलग दफ्तरों में चक्कर नहीं काटने होंगे। केंद्र सरकार यूनिफाइड डिजिटल आईडेंटिटी सिस्टम लागू करने की तैयारी में है। इसके लिए बन रहे पोर्टल पर लोग एक ही जगह पता, नंबर आदि अपडेट कर सकेंगे। सभी जरूरी पहचान पत्रों में यह बदलाव ऑटोमैटिक अपडेट हो जाएगा। यह पोर्टल कैसे करेगा काम पोर्टल को इस तरह डिजाइन किया जा रहा है कि आधार, पैन, ड्राइविंग लाइसेंस और पासपोर्ट जैसे सभी पहचान पत्र एक साथ इंटीग्रेटेड रहें। अपडेट के लिए पोर्टल पर जाकर विकल्प चुनना होगा। जैसे- मोबाइल नंबर बदलने के लिए अलग विकल्प, पता बदलने के लिए अलग विकल्प। संबंधित दस्तावेज अपलोड करने होंगे। बदलाव तीन वर्किंग डेज में सभी दस्तावेजों में अपडेट हो जाएगा। बदलाव के साथ नया पहचान पत्र हासिल करने के लिए भी इस पोर्टल पर एक विकल्प होगा। इसके लिए पोर्टल पर शुल्क देने के साथ आवेदन करना होगा। 7 वर्किंग डेज में नए अपडेट के साथ पहचान पत्र डाक के जरिए लोगों के घरों तक पहुंच जाएगा। जो कार्यालय में जाकर पहचान पत्र हासिल करना चाहेंगे, उनके लिए भी विकल्प। अभी ट्रायल रन, जल्द शुरू होगा अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक अभी ट्रायल रन चल रहा है। कुछ तकनीकी और कानूनी दिक्कतें थीं, जिनका निराकरण अंतिम चरण में है। खासकर डेटा को सुरक्षित रखने के लिए एक फुल प्रूफ व्यवस्था बनाने की चुनौती थी, जिसे पूरा किया जा रहा है। अभी तक के जो ट्रायल रन किए गए हैं, उनमें 92 फीसदी से ज्यादा सटीकता हासिल हुई है। 98 फीसदी या उससे अधिक सटीकता हासिल करते ही इसे परीक्षण के लिए लागू किया जाएगा। उसके कुछ ही महीनों बाद इस पोर्टल की शुरुआत हो जाएगी।

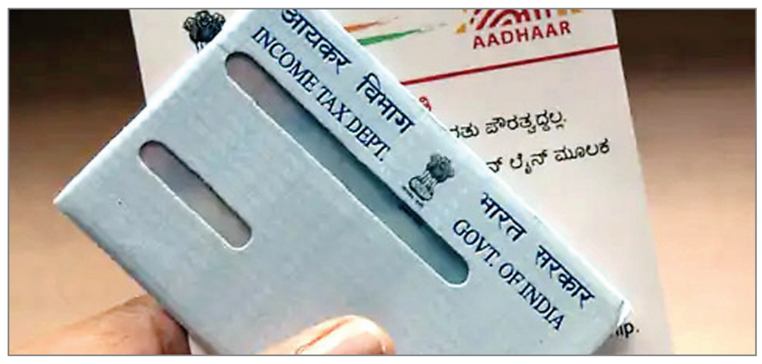

पहलगाम अटैक पर विवादित पोस्ट, 7 राज्यों में 28 गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सोशल मीडिया पर विवादित टिप्पणी करने पर 7 राज्यों से 28 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इन सभी गिरफ्तारियों में असम के विपक्षी पार्टी एडीयूएफ के विधायक, एक पत्रकार, एक वकील, 2 रिटायर्ड टीचर और 23 स्टूडेंट शामिल है। सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट करने पर उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, असम, मेघालय और त्रिपुरा में गिरफ्तारियां हुई हैं। सबसे अधिक 16 गिरफ्तारी असम से की गई है। पहलगाम हमले पर सोशल मीडिया पर विवादित टिप्पणी करने को लेकर पहली गिरफ्तारी 24 अप्रैल को असम के एक विधायक की हुई। गिरफ्तार विधायक अमीनुल इस्लाम असम की विपक्षी पार्टी एडीयूएफ से हैं। उन्होंने 2019 के पुलवामा हमले और 22 अप्रैल के पहलगाम हमले को 'सरकार की साजिश' बताया था। उन पर राजद्रोह का केस दर्ज हुआ और 25 अप्रैल को उन्हें चार दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया।

किश्तवाड़ में आर्मी यूनिफॉर्म की सिलाई-बिक्री पर रोक

पहलगाम (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में पहलगाम के बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को आतंकियों ने 26 पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसाकर हत्या कर दी थी। इसके बाद से घाटी में सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन जारी है। किश्तवाड़ में सेना की वर्दी की बिक्री, सिलाई और स्टॉक करने पर रोक लगा दी गई है। जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ में अब सेना की वर्दी की बिक्री, सिलाई और स्टॉक करने पर रोक लगा दी गई है। यह कदम इलाके की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। प्रशासन ने आदेश दिया है कि अब कोई भी व्यक्ति सेना की वर्दी नहीं बेच सकेगा, सिल नहीं सकेगा और न ही उसे रख सकेगा। यह नियम शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए लागू किया गया है। सुरक्षा एजेंसियां इस पर नजर रखेंगी। इस बीच सुरक्षाबलों ने कश्मीर घाटी में पिछले तीन दिनों में 10 आतंकियों के घर ब्लास्ट से उड़ा दिए हैं। कुपवाड़ा के कंडी खास में गुलाम रसूल मगरे की हत्या कर दी।

पहलगाम पीड़ितों को हर हाल में मिलेगा न्याय

● मोदी बोले-देश का खून खौल रहा है, दिया जाएगा कठोर जवाब

मन की बात में पीएम ने कहा-साजिश करने वाले भी नहीं बचेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने रेडियो शो 'मन की बात' के 121वें एपिसोड की शुरुआत पहलगाम में मारे गए लोगों को याद करते हुए की। उन्होंने कहा- इस आतंकी हमले के बाद पूरा देश एक स्वर में बोल रहा है। पूरे विश्व ने संवेदना प्रकट की है। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले से देश के लोगों का खून खौल रहा है। पीड़ित परिजनों को न्याय जरूर मिलेगा। मोदी ने कहा- कश्मीर में शांति लौट रही थी, स्कूल-कॉलेज अच्छे से चल रहे थे, निर्माण कार्यों में अभूतपूर्व गति आई थी, लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो रही थी, लोगों की कमाई बढ़ रही थी, युवाओं के लिए नए अवसर तैयार हो रहे थे, लेकिन जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को ये रास नहीं आया। पीएम ने पीड़ित परिवारों को न्याय का भरोसा दिया। कहा- इस हमले के दोषियों और साजिश रचने वालों को कठोर जवाब दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि पीड़ित परिवारों के प्रति हर भारतीय के मन में गहरी संवेदना है। भले वह किसी भी राज्य का हो, वह कोई भी भाषा बोलता हो, लेकिन वह उन लोगों के दर्द को महसूस कर रहा है, जिन्होंने इस हमले में अपने परिजनों को खोया है। मुझे अहसास है कि हर भारतीय का खून आतंकी हमले की तस्वीरों को देखकर खौल रहा है। सरपरस्तों की हताशा को दिखाता है।

● भारत के युवाओं ने दुनिया का नजरिया बदला

मोदी ने भारत के युवाओं की प्रतिभा की बात करते हुए कहा- भारत के युवाओं ने भारत के प्रति दुनिया का नजरिया बदल दिया है। भारत का युवा, साइंस और इनोवेशन की ओर बढ़ रहा है। ऐसे इलाके, जिनकी पहचान पहले पिछड़ेपन और दूसरे कारणों से होती थी, वहां भी युवाओं ने ऐसे उदाहरण प्रस्तुत किये हैं, जो हमें, नया विश्वास देते हैं। स्पेस सेक्टर को प्राइवेट सेक्टर के लिए भी खोला- मोदी बोले भारत ने अपने स्पेस सेक्टर को प्राइवेट सेक्टर के लिए भी खोल दिया है। आज बहुत से युवा स्पेस स्टार्टअप में नए झंडे लहरा रहे हैं। 10 साल पहले इस क्षेत्र में सिर्फ एक कंपनी थी, लेकिन आज देश में, सवा तीन सौ से ज्यादा कंपनी काम कर रहे हैं। पिछले महीने म्यांमार में आए भूकंप को लेकर कहा- भूकंप की खौफनाक तस्वीरें आपने जरूर देखी होंगी। भूकंप से वहां बहुत बड़ी तबाही आई, मलबे में फंसे लोगों के लिए भारत सहारा बना।

1917 के 'चंपारण सत्याग्रह' को किया याद

चंपारण सत्याग्रह पर मोदी बोले ये बापू का भारत में पहला बड़ा प्रयोग था। बापू के सत्याग्रह से पूरी अंग्रेज हुकूमत हिल गई थी। मोदी ने इस सत्याग्रह में अहम भूमिका निभाने वाले डॉ राजेन्द्र प्रसाद को भी याद किया। मोदी ने युवाओं को डॉ राजेन्द्र प्रसाद की किताब 'सत्याग्रह इन चंपारण' पढ़ने की सलाह दी। दांडी यात्रा और जलियांवाला बाग नरसंहार की बात की। मोदी ने कर्नाटक के बागलकोट में रहने वाले श्री शैल तेली जी के मैदानों में सेब उगाने की तारीफ की। वायनाड में एरोपोनिक्स टैकनिक से केसर उगाने में और दक्षिण भारत में लीची उगाने को दूसरे किसानों के लिए प्रेरणादायक बताया।

सर्वदलीय बैठक में नहीं पहुंचे पीएम, बिहार में व्यस्त थे

पहलगाम आतंकी हमले पर पीएम मोदी नहीं हैं गंभीर : खड़गे

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को बेंगलुरु में कहा- पहलगाम हमले पर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में सभी राजनीतिक दलों के नेता मौजूद थे। प्रधानमंत्री मोदी को भी आना चाहिए था, लेकिन वे नहीं आए। हमने बैठक में सबसे पहले यही सवाल उठाया था। खड़गे ने कहा- जब देश में 26 लोगों मारे गए और कई घायल हों, तब भी पीएम का सर्वदलीय बैठक के प्रति रवैया ठीक नहीं है। उस वक्त मोदी बिहार में चुनावी रैली को संबोधित करने में व्यस्त थे। अगर वह बैठक में शामिल नहीं हो रहे हैं तो इसका मतलब है कि वह इसे लेकर गंभीर नहीं हैं। पहलगाम हमले को लेकर 24 अप्रैल को पार्लियामेंट एनेक्सी में 2 घंटे तक सर्वदलीय बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। अमित शाह, एस जयशंकर, मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी समेत कई नेता इसमें शामिल हुए। पहलगाम के नजदीक बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को आतंकियों ने 26 टूरिस्ट की हत्या कर दी थी। इनमें एक नेपाली नागरिक शामिल था। 10 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। केंद्र सरकार ने शनिवार को पहलगाम हमले की जांच नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी को सौंप दी।

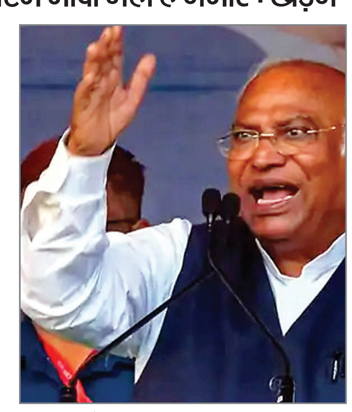

लव मैरिज से नाराज पिता ने बेटी-दामाद को गोली मारी

जलगांव में रिश्तेदार की शादी में की फायरिंग, बेटी की मौत

जलगांव (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव में लव मैरिज से नाराज पिता ने बेटी और दामाद को गोली मार दी। बेटी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दामाद गंभीर रूप से घायल है। घटना चोपड़ा शहर की है। घटना के बाद शादी में मौजूद लोगों ने किरण मंगले को पकड़ लिया और बुरी तरह पीटा। पुलिस ने किरण को हिरासत में ले लिया और इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया। आरोपी किरण मंगले सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स में रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर है। उसकी बेटी तृप्ति ने एक साल पहले अविनाश से शादी की थी। शादी के बाद से दोनों पुणे में रह रहे थे। रिश्तेदार की शादी में शामिल होने आया था। तृप्ति और अविनाश शादी में शामिल होने आए थे।

एमपी में कुएं में गिरी कार, 10 लोगों की मौत

● बचाने उतरे युवक की दम घुटने से गई जान

भोपाल (एजेंसी)। एमपी के मंदसौर जिले के नारायणगढ़ में एक दुखद घटना हुई। काचरिया चौपाटी पर एक कार कुएं में गिर गई। हादसे में बाइक सवार समेत 10 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में कार सवारों को बचाने के लिए कुएं में उतरा ग्रामीण मनोज सिंह भी शामिल है। 2 शव कुएं से निकाल लिए गए हैं। क्रेन से वैन को भी निकाला गया है। घायलों 3 साल की बच्ची समेत चार लोगों को रेस्क्यू करके मंदसौर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाइक सवार की पहचान आबाखेड़ी निवासी गोबर सिंह के तौर पर हुई है। बाकी की शिनाख्त कराई जा रही है। हादसा जिले के नारायणगढ़ थाना क्षेत्र में बूढ़ा-टकरावत फंटे में रविवार दोपहर करीब सवा एक बजे हुआ। वैन में 10 से ज्यादा लोग सवार थे, जो उज्जैन जिले के उन्हेल से नीमच जिले के मनासा क्षेत्र के आंतरी माता मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। एसडीओपी, थाना प्रभारी और एसडीएम सहित कई अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। तुरंत बचाव कार्य शुरू किया गया। क्रेन की मदद से लोगों को बाहर निकालने की कोशिश भी चल रही थी। कुएं में से एक महिला को जिंदा निकाला गया।

लॉरेंस मामले में पंजाब के 5 पुलिसकर्मियों का यूटर्न

इंटरव्यू मामले में लाई डिटेक्टर टेस्ट कराने से इनकार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब पुलिस के पांच कांस्टेबल सिमरनजीत सिंह, हरप्रीत सिंह, बलविंदर सिंह, सतनाम सिंह और अमृतपाल सिंह ने पुलिस हिरासत में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के फिल्माए गए इंटरव्यू की जांच के संबंध में लाई डिटेक्टर टेस्ट कराने से अपनी सहमति वापस ले ली है। उन्होंने दावा किया कि सहमति दबाव में ली गई थी। ये मामला गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के पुलिस हिरासत में इंटरव्यू रिकॉर्ड करने से जुड़ा है। पहले तो ये सब पॉलीग्राफ टेस्ट के लिए राजी हो गए थे। मोहाली की अदालत ने इजाजत भी दे दी थी।

पति को गोली मारने वाले आतंकी को पत्नी ने पहचाना

● सूरत की शीतलबेन बोलीं-करीब आकर गोली मारी, फिर दो-तीन मिनट तक देखता रहा

सूरत (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई। इसमें सूरत के शैलेश कलथिया भी शामिल थे। शैलेश परिवार के साथ छुट्टी मनाने पहलगाम पहुंचे थे। हमले में शैलेश की पत्नी और बेटा-बेटी बच गए। आतंकियों की तस्वीर सामने आने के बाद शीतलबेन ने उस आतंकी को पहचान लिया, जिसने उनकी और बच्चों के आंखों के सामने पति को गोली मारी थी। जिन चार आतंकवादियों की तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें से दाईं ओर से दूसरे आतंकी ने ही शैलेष के सीने में गोली मारी थी। इन आतंकियों के खिलाफ 20-20 लाख रुपए का इनाम रखा गया है। शीतलबेन ने बताया- जब वे भागने की कोशिश कर रहे थे, तब यही आतंकी दौड़कर उनके सामने आकर खड़ा हो गया था। इसके बाद उसने दो-तीन फीट की दूरी से शैलेष के सीने में गोली मार दी थी।

बीजापुर की पहाड़ियों में माओवादी के खिलाफ बड़ा अभियान

रायपुर (एजेंसी)। पिछले छह दिनों से सुरक्षा बलों ने बीजापुर की कर्रेगुट्टा पहाड़ियों को घेर रखा है और पूरी रणनीति के साथ उस पर चढ़ाई कर रहे हैं। यह पहाड़ियां करीब 700 मीटर ऊंची हैं और तेलंगाना-छत्तीसगढ़ सीमा पर लगभग 20 किलोमीटर तक फैली हुई हैं। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि इन पहाड़ियों में माओवादी नेतृत्व के प्रमुख सदस्य छिपे हुए हैं, जिन्हें पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) की सबसे खतरनाक इकाई, बटालियन-1 द्वारा सुरक्षा प्रदान की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि दंडकारण्य में यह अभियान 2024 में शुरू हुए नक्सल विरोधी अभियानों का सबसे बड़ा कदम हो सकता है, जिसमें अब तक 363 माओवादी मारे गए हैं और नेताओं को पहाड़ियों में खदेड़ दिया है।

हम तो लिबरल थे, पश्चिमी देश लेकर आए हैं जिहाद

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का कहना है कि उनके देश को कट्टरता के रास्ते पर धकेलने का काम अमेरिका और पश्चिम के देशों ने किया है। आसिफ का कहना है कि पाकिस्तान की लिबरल सोसायटी में जिहाद जैसी अवधारणा पश्चिम ने पैदा की। आसिफ ने 80 और 90 के दशक में अमेरिका की अफगानिस्तान में एंट्री को पूरे क्षेत्र में धार्मिक कट्टरता आने की वजह कहा है। आसिफ ने ये भी माना है कि पाकिस्तान में आतंक को शह मिलती रही है। पहलगाम हमले में पाकिस्तान की भूमिका पर उठे सवालों के बीच आसिफ ने ये कहा है। ख्वाजा आसिफ ने एक इंटरव्यू में पाकिस्तान में आतंक के सवाल पर कहा कि हमारे देश में तब तक कोई चरमपंथ नहीं था, जब तक वह जिहाद का समर्थन करने के लिए पश्चिमी गठबंधन में शामिल नहीं हुआ।

जम्मू-कश्मीर में 5 साल में 84 हजार करोड़ का निवेश

● पर्यटन से 18 हजार करोड़ कमाएं, 35 साल में आतंकवाद से 40 हजार मौतें

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में 2019 के बाद हालात तेजी से सुधर रहे हैं। राज्य की मौजूदा जीडीपी औसत 8.5 फीसदी दर से बढ़ रही है। पिछले 5 सालों में 84 हजार करोड़ का निवेश प्रस्ताव आया है। वहीं 2024 में राज्य को पर्यटन से 18 हजार करोड़ रुपए का रेवेन्यू मिला। जम्मू-कश्मीर करीब 35 सालों से आतंकवाद झेल रहा है। इसकी वजह से अब तक 40 हजार से ज्यादा लोगों को जान गंवानी पड़ी है। साथ ही लाखों लोगों को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा। इसकी वजह से राज्य की डेमोग्राफी बदल गई। राज्य में हुई हिंसा और अस्थिरता के माहौल का सबसे ज्यादा असर विकास पर पड़ा। 2019 में आर्टिकल 370 हटने के बाद राज्य के हालात सुधर रहे थे। लेकिन पहलगाम हमले की वजह राज्य का विकास लंबे समय बाद प्रभावित होता दिख रहा है। ज्यादातर पर्यटक वापस लौटने लगे हैं। वहीं करीब 90 फीसदी लोगों ने अपनी ट्रैवल बुकिंग कैंसिल कर दी है। 2019 से पहले आतंकवाद की वजह से कृषि और टूरिज्म तबाह जम्मू-कश्मीर की इकोनॉमी टूरिज्म, फलों का व्यापार और हैंडीक्राफ्ट पर टिकी है। 1995 के बाद 10 साल में ड्राई फ्रूट निर्यात 67.14 फीसदी तक गिर गया। 2007 के बाद हस्तशिल्प उत्पादन 80 फीसदी तक कम हो गया। सिर्फ इतना ही नहीं साढ़े 3 दशक से जारी आतंकवाद और हिंसा ने लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी काफी गहरा असर डाला है। अवसाद, चिंता, सदमा, आत्महत्या और नशे की प्रवृत्ति में इजाफा हुआ।

पर्यावरण के क्षेत्र में भी दुनिया का पथ प्रदर्शक बन रहा 'नया भारत'

उत्तर प्रदेश ने लगाए 36.81 करोड़ पौधे : मुख्यमंत्री

2024 में यूपी ने लगाए थे 36.81 करोड़ पौधे

उत्तर प्रदेश में पिछले आठ वर्ष में 204.92 करोड़ पौधरोपण किया गया है। इस वर्ष सीएम योगी के नेतृत्व में 36.81 करोड़ पौधरोपण हुआ। इस वर्ष भी इस अभियान को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार के नेतृत्व में वन विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इस साल भी वन विभाग की तरफ से प्रदेश भर में बड़े स्तर पर पौधरोपण कराया जाएगा।

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की चर्चा की। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर इस अभियान की सराहना की। मुख्यमंत्री ने लिखा कि आज 'नया भारत' पर्यावरण के क्षेत्र में भी दुनिया का पथप्रदर्शक बन रहा है। प्रधानमंत्री ने आगामी पांच जून 'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के एक वर्ष पूरा होने पर देशवासियों को इस अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान हर भारतवासी को प्रकृति से अपने रिश्ते को प्रगाढ़ करने का अवसर प्रदान करता है। पांच जून को 'विश्व पर्यावरण दिवस' पर इस अभियान में जुड़ना, एक वृक्ष लगाना और उसे अपनी मां के चरणों में समर्पित करना पुण्य कार्य है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार प्रकट करते हुए लिखा कि मां जीवन देती हैं, वृक्ष प्राणवायु देते हैं। दोनों के प्रति कृतज्ञता का यह अनुपम संगम प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि और संवेदनशील नेतृत्व का जीवंत प्रमाण है। आज 'नया भारत' पर्यावरण के क्षेत्र में भी दुनिया का पथप्रदर्शक बन रहा है।

नेपाल सीमा से सटे जिलों में अवैध कब्जों पर योगी सरकार का बड़ा एक्शन, कई जगहों पर अवैध मदरसे ढहाए

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने नेपाल सीमा से सटे जिलों में अवैध कब्जों और बिना मान्यता संचालित धार्मिक संस्थानों के खिलाफ जोरदार कार्रवाई शुरू कर दी है। 25 से 27 अप्रैल के बीच हुए विशेष अभियान में कई जिलों में तमाम अतिक्रमण हटाए गए। सरहद की बेशकीमती भूमि पर इन लोगों ने लंबे समय से अवैध रूप से कब्जा जमाया हुआ था। योगी सरकार ने स्पष्ट किया कि नेपाल सीमा के 10 किलोमीटर दायरे में किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे, धार्मिक या शैक्षणिक संस्थान के अवैध संचालन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि चिन्हित अतिक्रमणों को शीघ्रता से हटाया जाए और नियमित मॉनिटरिंग की जाए।

बहराइच में बड़े पैमाने पर कब्जे हटे

उत्तर प्रदेश सरकार के मीडिया चल के तरफ से बयान जारी कर बताया गया कि बहराइच की नानपारा तहसील के अंतर्गत भारत-नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा के 10 किलोमीटर क्षेत्र में सरकारी भूमि पर 227 अवैध अतिक्रमण के मामले चिन्हित किए गए थे। इनमें से पहले से हटाए गए 63 अतिक्रमणों के बाद 25 से 27 अप्रैल के बीच 26 और अतिक्रमण हटवाए गए। अब तक कुल 89 अवैध कब्जेदारों से सरकारी भूमि को मुक्त कराया जा चुका है। राहत की बात यह है कि किसी भी अतिक्रमित स्थल पर धार्मिक या शैक्षणिक संरचना नहीं पाई गई।

श्रावस्ती में अवैध मदरसों पर गिरी गाज

श्रावस्ती में बिना मान्यता के संचालित 17 मदरसों पर कार्रवाई की गई है। तहसील जमुनहा में सात और तहसील भिनगा में 10 मदरसों को वैध कागजात न होने के कारण बंद करवा दिया गया। इसके अलावा भारत-नेपाल सीमा से सटे 15 किलोमीटर तक के क्षेत्र में अस्थाई व स्थाई अवैध कब्जों के 119 मामलों में भी राजस्व संहिता की धारा-67 के तहत कार्रवाई जारी है।

बलरामपुर में बेदखली की कार्रवाई जारी

बलरामपुर में भी सरकारी भूमि पर कुल सात अवैध कब्जे चिन्हित किए गए हैं। इनमें से बलरामपुर तहसील में पांच और तुलसीपुर तहसील में दो अवैध कब्जे शामिल हैं। इनमें दो अवैध कब्जेदारों ने शासन की तरफ से चिन्हित किए जाने के बाद स्वतः कब्जा हटा लिया, जबकि शेष पर उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 67 के अंतर्गत बेदखली की कार्रवाई की जा रही है।

लखीमपुर खीरी में भी चला अभियान

लखीमपुर खीरी में भी अभियान चलाया गया। खसरा नंबर 222 कृष्णा नगर कॉलोनी तहसील पलिया में अनाधिकृत जगह पर नमाज पढ़ी जा रही थी। यहां मस्जिद बनाए जाने की योजना थी। इस अवैध निर्माण को हटा दिया गया है। इसके अलावा जिले के अन्य स्थानों पर भी चिन्हीकरण किया जा रहा है। जहां कहीं भी अवैध निर्माण मिलेगा, वहां कार्रवाई की जाएगी।

सिद्धार्थनगर और महाराजगंज में भी सख्ती

सिद्धार्थनगर जिले की नौगढ़ तहसील में नेपाल सीमा के 10 किलोमीटर अंदर पांच जगहों पर अवैध अतिक्रमण में मस्जिद और मदरसे के निर्माण की पुष्टि हुई है। फिलहाल उच्चाधिकारियों के निर्देश पर जांच और कार्रवाई जारी है। शोहरतगढ़ तहसील में छह स्थानों पर अवैध निर्माण चिन्हित हुए हैं। महाराजगंज में फरेंदा, नौतनवा और निचलौल तहसीलों में भी तीन, 10 और छह स्थानों पर सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण पाया गया है। एक मामला न्यायालय में विचाराधीन है और शेष सभी मामलों में धारा 67 (1) के तहत बेदखली की कार्रवाई या अवैध निर्माण को ध्वस्त किए जाने की कार्रवाई जारी है।

ट्रक में 7500 किलो अवैध रूप से कच्ची तंबाकू पकड़ी गई

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। राज्य कर विभाग की सचल दल टीम ने सरोजनीनगर इलाके में चेकिंग के दौरान एक ट्रक में 7500 किलो अवैध रूप से ले जायी जा रही कच्ची तंबाकू पकड़ी है। इस मामले में अपर आयुक्त ग्रेड - 1, राज्य कर, लखनऊ के वरिष्ठ सहायक कार्यालय मो. फिरोज द्वारा सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि चतुर्थ इकाई, राज्य कर की सचल दल टीम बीती 25 अप्रैल की रात 11:30 बजे नादरगंज - मोहान रोड स्थित टीएस मिश्रा कॉलेज के पास वाहनों की चेकिंग कर रही थी। तभी एक ट्रक को रोक कर जांच की गई। जांच के दौरान ट्रक में 250 बैग द्वितीय क्वालिटी की 7500 किलो कच्ची तंबाकू अवैध रूप से पाई गई। जांच के दौरान ट्रक चालक ने अपना नाम प्रतापगढ़ जिले के जोगीपुर निवासी शिवम पटेल बताया। उससे जब ट्रक में लोड माल के कागजात मांगे गए तो वह जीएसटी या अन्य टैक्स से संबंधित कोई मूल कागजात नहीं दिखा सका। बल्कि उसने माल की बिल्टी दिखाई, जो दिल्ली के मैसर्स एसएस इंटरप्राइजेज द्वारा भेजने और असम के गुवाहाटी स्थित मैसर्स एएस इंटरप्राइजेज को प्राप्त करने वाली फर्म की बिल्टी थी। जब चालक से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि उक्त कच्ची तंबाकू की लोडिंग दिल्ली के खेरा कला, नरेला से हुई और इसकी लोडिंग बाबू नानक व्यक्ति ने कराई। जिसने लखनऊ में हनुमान नामक व्यक्ति, जो कमला पसंद से संबंध रखता है, उसके यहां उतारने को कहा था। राज्य कर विभाग के मो. फिरोज का कहना है कि इस तरह ट्रक चालक चेकिंग के दौरान माल के टैक्स की इनवॉइस या कोई मूल वैध प्रपत्र नहीं दिखा सका। इससे साफ जाहिर है कि चालक, ट्रांसपोर्टर और माल स्वामी व माल प्राप्तकर्ता की मिली भगत से कर की चोरी की जा रही थी। यह जानकारी होने के बाद सहायक आयुक्त राज्य कर, सचल दल चतुर्थ इकई के निर्देश पर मो. फिरोज द्वारा सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। फिलहाल सरोजनीनगर पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मारपीट के दौरान पकड़ा आरक्षी का गिरेबान, मुकदमा दर्ज

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके में साईं दाता रोड तिराहा पर तैनात आरक्षी पंकज व हे0का0 अमरेन्द्र प्रसाद द्वारा शनिवार की रात दो पक्षों में लडाई झगडा एवं मारपीट के दौरान यातायात बाधित करने का मुकदमा दर्ज कराया गया। उपरोक्त ने पुलिस को बताया कि झगड़े के दौरान आवागमन विल्कुल रुक गया, आरक्षी और दीवान जी वीच बचाव करने गये तभी उसी भीड मे से एक व्यक्ति जिसका नाम पब्लिक द्वारा भगोले सिंह चौहान बताया जा रहा है व उसके साथ पांच छः अन्य व्यक्ति एक राय होकर मुझ आरक्षी से गाली गलौज करते हुए कहाँ हट यहां से, प्रशासन को मैं अपने जुते पर रखता हूँ। मेरे द्वारा विरोध करने पर मारपीट करने लगे तथा पब्लिक द्वारा हस्ताक्षेप करने पर जान से मारने की एवं वर्दी उतरवा देने की धमकी देते हुए चले गये घटना के दौरान भगोले सिंह के द्वारा मेरा गिरेवान पकड कर खिचा गया । जिससे मेरे गले में पड़ी सोने के चेन टूट कर गायब हो गई। इंस्पेक्टर अंजनी कुमार मिश्रा ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

नगराम में किसान के खेतों में लगी आग

फ़सल जलकर राख़, अफरा-तफरी

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। नगराम के बचन खेड़ा गांव में एक किसान के खेत में आग लगने से करीब 15 बिस्वा गेंहू फसल जलकर राख हो गई। जानकारी होते ही दमकल को सूचना देने के साथ ग्रामीण आग बुझाने में लगे गये। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। जिससे आस पास अन्य किसानों के खेतों की खड़ी फसल जलने से बच गयी। मौके पर पहुंचे लेखपाल आलोक वर्मा द्वारा क्षति का आकलन कर रिपोर्ट तहसील भेजी गयी। नगराम के अनैया खरगापुर का मजरा बचनखेड़ा गांव निवासी किसान काशी प्रसाद का गांव से दक्षिण तरफ खेत है जिसमें गेहूं की तैयार फसल कटी पड़ी थी। काशी प्रसाद ने बताया कि रविवार दोपहर बाद को गेंहू फसल काटकर जब वह घर चले आये इसी बीच उनके खेत में आग लग गई धुआं उठता देख दौड़े किसानों ने आग बुझाना शुरू किया पंपसेट चला कर आग बुझा ली गई। तब तक 15बिस्वा गेहूं जलकर राख हो गया।आग लगने का कारण पता नहीं चल सका।सूचना देने के बावजूद दमकल मौके पर नहीं पहुंची। क्षेत्रीय लेखपाल आलोक वर्मा ने बताया कि आग से हुई क्षति की आंकलन रिपोर्ट तहसील भेजी गई है।

विद्युत शार्ट सर्किट से लगी आग

लखनऊ। सरोजनीनगर में रविवार तड़के एक कनस्तर बनाने वाली कंपनी के अंदर विद्युत शार्ट सर्किट से आग लग गई। आग लगने से कंपनी में हड़कम्प मच गया। आनन फानन इसकी सूचना फायर कंट्रोल रूम को दी गई। सूचना के बाद पहुंची दो दमकल गाड़ियों ने करीब घंटे भर की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताते हैं कि सरोजनी नगर के अमौसी औद्योगिक क्षेत्र (नादरगंज) स्थित कनस्तर बनाने वाली मेटल सीम कंपनी में रविवार तड़के मजदूर काम कर रहे थे। तभी एक मशीन से अचानक विद्युत शार्ट सर्किट होने के कारण मशीन से तेज धुआं के साथ आग की लपटें उठने लगी। इस पर वहां काम कर रहे मजदूरों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। कंपनी के पिछले हिस्से में मशीन में आग लगने से पूरी कंपनी के अंदर भारी तादाद में धुआं भर गया। इसके बाद आग की तेज लपटें उठती देख फायर कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। सूचना के बाद सरोजनी नगर फायर स्टेशन से एफएसओ सुमित प्रताप सिंह के नेतृत्व में पहुंची दो दमकल गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत कर करीब 1 घंटे में आग पर काबू पाया। एफएसओ के मुताबिक इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और ना ही कोई विशेष नुकसान हुआ है।

गेहूं बेचने के लिए 42 दिन में चार लाख से ज्यादा किसानों ने कराया पंजीकरण

अब तक हुई 6.50 लाख मीट्रिक टन खरीद

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में किसान सरकारी बिक्री की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं। सरकारी क्रय केंद्रों पर गेहूं बिक्री के लिए 42 दिन में 4,20, 837 किसानों ने पंजीकरण करा लिया है। सत्र 2025-26 में औसतन प्रतिदिन एक हजार से अधिक किसानों ने गेहूं बिक्री के लिए पंजीकरण कराया है। अब तक 1.17 लाख से अधिक किसानों से लगभग 6.50 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद भी की जा चुकी है। राज्य सरकार की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक 17 मार्च से गेहूं खरीद शुरू हुई थी जो 15 जून तक चलेगी। योगी सरकार के निर्देश पर रविवार को अवकाश के दिन भी खाद्य एवं रसद विभाग के अधिकारियों ने गांव-गांव पहुंचकर किसानों से संपर्क स्थापित किया।

औसतन एक हजार किसानों ने प्रतिदिन कराया पंजीकरण

17 मार्च से 27 अप्रैल तक (42 दिन) में 4,20, 837 किसानों ने गेहूं बिक्री के लिए पंजीकरण कराया है। यह आंकड़े बताते हैं कि योगी सरकार की नीतियों से सहमत होकर प्रतिदिन एक हजार किसानों से गेहूं खरीद हो रही हैं। योगी सरकार के निर्देश पर क्रय केंद्रों पर किसानों के लिए शुद्ध पेयजल समेत सभी व्यवस्थाएं की गई हैं।

ऐसे करा सकते हैं पंजीकरण

जिन किसानों ने गेहूं बिक्री के लिए अभी तक पंजीकरण या नवीनीकरण नहीं कराया है, वे fcs.up.gov.in या UP KISAN MITRA पर पंजीकरण-नवीनीकरण करा सकते हैं। गेहूं बिक्री के लिए इस पोर्टल/मोबाइल ऐप पर पंजीकरण अनिवार्य है। किसान अपनी समस्या 18001800150 पर भी अंकित करा रहे हैं, जिसका निस्तारण अधिकारी कर रहे हैं।

अवकाश पर भी फील्ड में रहे अधिकारी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एक तरफ जहां सुबह आठ बजे से रात आठ बजे तक रोजाना क्रय केंद्र खुले हैं, वहीं अवकाश में भी अफसर गांव-गांव पहुंचकर किसानों से संपर्क स्थापित कर रहे हैं। रविवार को अवकाश के दिन भी खाद्य व रसद विभाग के अधिकारियों ने किसानों से बात करते हुए मोबाइल क्रय केंद्र के जरिए गेहूं खरीद कराई।

गेहूं खरीद के अब तक के आंकड़े

- गेहूं खरीद के लिए पंजीकृत किसान- 4,20,837
- गेहूं क्रय करने वाले किसानों की संख्या- 1,17,213
- किसानों से हुई सरकारी खरीद- 6.45355लाख मीट्रिक टन
- गेहूं क्रय केंद्रों की संख्या- 5849
- न्यूनतम समर्थन मूल्य- 2425 रुपये प्रति कुंतल
- उतराई, छनाई व सफाई के लिए दिए जा रहे-अतिरिक्त 20 रुपये

दो हजार से अधिक सेंटर्स पर होगी समीक्षा अधिकारी और सहायक समीक्षा अधिकारी की परीक्षा, 10 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी लेंगे हिस्सा

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार 27 जुलाई को समीक्षा अधिकारी और सहायक समीक्षा अधिकारी की परीक्षा कराने जा रही है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने और शुचिता, पारदर्शिता बनाए रखने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। सीएम ने निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था इतनी पुख्ता हो कि कोई परिंदा भी पर न मार सके। प्रदेश भर में परीक्षा को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। प्रदेश के 75 जिलों में आयोजित होने वाली परीक्षा में करीब 10 लाख 76 हजार चार अभ्यर्थी हिस्सा लेंगे। इसके लिए प्रदेशभर में दो हजार से अधिक परीक्षा केंद्र बनाए जा रहे हैं।

शुरू की जा रहीं विशेष तैयारियां

राज्य सरकार के मीडिया सेल की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक परीक्षा केंद्रों के चयन और निर्धारण के लिए मानक निर्धारित किए गए हैं। इसके लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है, जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अपर जिलाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, तकनीकी शिक्षा अधिकारी समेत अन्य जिम्मेदार अधिकारी शामिल हैं। समिति के माध्यम से परीक्षा केंद्रों का निर्धारण दो श्रेणियों में किया गया है। इसमें श्रेणी 'ए' में सरकारी या राजकीय सहायता प्राप्त उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजकीय महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, पॉलिटेक्निक संस्थान और राजकीय मेडिकल कॉलेज सम्मिलित किए जाएंगे। श्रेणी 'बी' में पूर्व से परीक्षाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिष्ठित निजी संस्थानों का चयन किया जाएगा।

योगी खुद करेंगे समीक्षा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ परीक्षा को प्रदेश में सुशासन और प्रशासनिक पारदर्शिता बनाने के उद्देश्य से खुद इसकी नियमित समीक्षा करेंगे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी निगरानी, फ्लाइंग स्क्वॉड और गोपनीय जांच टीमें तैनात की जाएंगी। परीक्षा केंद्रों के आसपास निषेधाज्ञा लागू रहेगी और किसी भी अव्यवस्था या अनुचित गतिविधि पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और कोषागार से 10 किमी की परिधि में होंगे परीक्षा केंद्र

परीक्षा के लिए कुल 2,242 केंद्र 480 अभ्यर्थियों की बैठने की क्षमता वाले और 2,803 केंद्र 384 अभ्यर्थियों की बैठने की क्षमता वाले चिन्हित किए गए हैं। अब तक 75 में से 63 जनपदों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 1,750 केंद्रों के माध्यम से 7,63,532 अभ्यर्थियों की बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित हुई है, जबकि शेष 3,12,472 अभ्यर्थियों के लिए केंद्र चिन्हित किये जा रहे हैं। मानक के अनुसार परीक्षा केंद्र बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन या कोषागार से 10 किलोमीटर की परिधि में होंगे। केंद्र का चयन नगरीय क्षेत्र में ही होगा जिससे अभ्यर्थियों को परिवहन और मूलभूत सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हो सकें. एक पॉली में अधिकतम पांच लाख अभ्यर्थियों तक की सीमा रखी गई है जिससे परीक्षा का संचालन सुगमता से हो सके। अगर किसी जिले में परीक्षार्थियों की संख्या बहुत अधिक होती है, तो परीक्षा को दो पालियों में आयोजित किया जाएगा।

घर से निकला किसान संदिग्ध परिस्तिथियों में लापता

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। नगराम थानाक्षेत्र के पटवा खेड़ा गाँव निवासी किसान परागी बिना परिजनों को कुछ बताये शनिवार की सुबह लगभग 10 बजे घर से निकले थे देर शाम तक वापस न आने पर परिजनों ने नगराम थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। नगराम थानाप्रभारी विवेक चौधरी ने बताया की मामले मुकदमा दर्ज कर कार्याव्ही की जा रही है। नगराम के पटवाखेड़ा गाँव निवासी महिला किसान पराना ने नगराम थाने तहरीर देते हुए बताया की उनके पति परागी (55) शनिवार की सुबह 10 बजे बिना किसी से कुछ कहे घर से निकल गए थे। देर शमा के बाद तक वापस न लौटने पर परिजनों ने काफी खोजबीन की नाते रिस्तेदारियों में भी पता लगाया लेकिन किसी प्रकार की जानकारी न मिलने पर पत्नी द्वारा नगराम थाने पर पहुंचकर मामले की लिखित शिकायत की। किसान का कद 5फुट है उसने चेकदार शर्त, हल्की हरे रंग की पैंट और पैरो में हवाई चप्पल पहन रखे है। नगराम थाना प्रभारी विवेक कुमार चौधरी ने बताया की महिला द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, पुलिस किसान को ढूढने में जुट गयी है।

अखिलेश यादव ने साधा निशाना

भाजपा अपनी नाकामी छिपाने के लिए दूसरों को बदनाम करती

- भाजपा सरकार ने संस्थाओं को कमजोर किया
- गरीबों के साथ अन्याय, अत्याचार हो रहा है

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा अपनी नाकामी छिपाने के लिए दूसरों को बदनाम करती है। इस सरकार में भ्रष्टाचार, महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। गरीबों के साथ अन्याय, अत्याचार हो रहा है। किसी को न्याय नहीं मिल रहा है। समाजवादी पार्टी, प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में आयोजित प्रेस कांफ्रेस में अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने संस्थाओं को कमजोर किया है। संस्थाओं में बैठे भ्रष्ट अधिकारियों पर दबाव बनाकर भाजपा के लोग अन्याय करा रहे है। भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश में बाहर के दूसरे राज्यों के अधिकारी लगाये हुए है। ये सब उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार कर दूसरे प्रदेश में इन्वेस्टमेंट कर रहे हैं। अधिकारी यहां का पैसा ले जाकर अपने राज्यों में निवेश कर रहे हैं। पिछले दिनों पता चला था कि उत्तराखण्ड में कई सौ करोड़ रूपया पकड़ा गया था। एक अधिकारी जिन्हें इन्सेंटिव देना था वह भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी के आरोप में लापता है। वह सिर्फ कमीशन का ही नहीं भ्रष्टाचार के पैसे के बंटवारे का भी झगड़ा था। बंटवारे के झगड़े में बात खुल गयी। भाजपा सरकार में इतना भ्रष्टाचार है कि पानी की टंकी भ्रष्टाचार का भार नहीं सह पायी और फट गयी। मुख्यमंत्री जी को इस भ्रष्टाचार की जानकारी ही नही है। अखिलेश यादव ने जम्मे-कश्मीर में आतंकी घटना को लेकर कहा कि देश जानना चाहता है कि आतंकी यहां कैसे पहुंचे। उन्होंने मांग की है कि सरकार आतंकी घटना में शहीद परिवारों को दस-दस करोड़ रूपये देकर उनकी मदद करें। परिवार के लोगों में सरकारी नौकरी दी जाय। उन्होंने कहा कि इस देश का बच्चा-बच्चा जान गया है सरकार की नाकामी से जम्मू-कश्मीर में इतनी बड़ी घटना हुई है। इंटेलीजेंस फेलियर था। सरकार ने पर्यटकों की सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए थे। घटना के बाद घायलों को समय से मदद नहीं मिली। अब तो जनता पहलगाम के साथ-साथ पुलवामा की भी चर्चा कर रही है।

पीडीए की राणनीति ने भाजपा को लोकसभा चुनाव में बहुमत से रोका

समाजवादी पार्टी, प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में रविवार को पार्टी के युवा संगठन मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड की राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक हुई। बैठक को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सम्बोधित किया। बैठक में मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को पीडीए संकल्प दिलाया गया। उन्होंने कहा है कि समाजवादी पार्टी के नौजवान गांव-गांव जाकर भाजपा के झूठ का पर्दाफाश करेंगे और जनता को पीडीए का संकल्प बताएंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए की राणनीति ने भाजपा को लोकसभा चुनाव में बहुमत से रोका है। भाजपा सरकार में अराजकता चरम पर है। सभी ने देखा कि सश्रा के संरक्षण में आगरा में तलवारें लहरायीं गयीं। अगर भाजपा लोकसभा चुनाव में चार सौ सीटें जीत जाती तो सड़कों पर तलवारें दिखाई देती। जनता का जीना मुश्किल हो जाता। अखिलेश यादव ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से कहा कि आस-पास कोई भी घटना हो, जनता के दुःख-दर्द में शामिल हों। जनता को समाजवादी पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों की जानकारी दें। लोगों को पार्टी से जोड़े और वोट बढ़ायें। समाजवादी पार्टी के पास युवाओं का मजबूत संगठन है। युवा समाजवादी पार्टी की सरकार बनाएंगे। युवा अपना बूथ मजबूत करें। जमीन पर काम करें। चुनाव में बूथ जिताएं। 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने जा रही है।

अदब के शहर में दरिंदगी

13 साल की मासूम के साथ गैंगरेप

» दरिंदों ने पिकप में ले जाकर की हैवानियत
» देर रात कार्यक्रम में शामिल होने गई थी पीड़िता
» तीनों आरोपी दबोचे गए, साक्ष्य एकत्र कर रही फारेंसिक टीम

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। गोसाईंगंज थाना क्षेत्र में शनिवार रात एक कार्यक्रम में शामिल होने गई एक नाबालिग् किशोरी के साथ उसी गाँव के तीन लोगों ने गैंगरेप जैसी घिनौनी घटना को अंजाम दिया। किशोरी ने घर पहुँचकर परिजनों को आप बीती बताई पीड़िता की मां ने रविवार सुबह पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि तीनों आरोपियों को गिरफ्तार करके वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। फारेंसिक टीम साक्ष्य एकत्र कर रही है। स्थानीय पुलिस ने भी साक्ष्य जुटाए हैं। राजधानी से 13 साल की मासूम के साथ दरिंदगी का मामला सामने आया है गोसाईगज थाना क्षेत्र के एक गांव में शनिवार रात एक कार्यक्रम चल रहा था। पीड़िता उसमें शामिल होने गई थी। आरोप है कि जौखंड़ी के रहने वाले मुस्ताक, एहसान और साहिल रात में ढाई बजे पीड़िता को पकड़ लिया। उसे एक पिकप में ले गए। वहां पर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता किसी तरह से उनके चंगुल से बचकर घर पहुंची। पीड़िता ने परिजनों को इसकी जानकारी दी। पीड़िता की मां ने मामले की थाने में लिखित तहरीर दी। इंस्पेक्टर गोसाईगंज बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया तीनों आरोपियों को गिरफ़्तार कर लिया है।

क्या कहते हैं डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल

डीसीपी निपुण अग्रवाल ने कहा है कि बीते देररात्री एक अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़ी किशोरी के साथ तीन अल्पसंख्यक युवकों ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। साक्ष्य इकट्ठा कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। तीनों आरोपियों के खिलाफ सख्त कानून कार्यवाही जाएगी।

पीड़िता की मां ने दर्ज कराया मुकदमा

पीड़िता की मां ने रविवार को थाने में शिकायत दर्ज कराई है। घटना शनिवार की रात करीब ढाई बजे की है। एक कार्यक्रम के दौरान जौखंडी के रहने वाले मुस्ताक, एहसान और साहिल ने पीड़िता की नाबालिक बेटी को पिकअप में ले जाकर दुष्कर्म किया। इंस्पेक्टर गोसाईंगंज बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया की गहनता से घटना को लेकर जांच की जा रही। इसमें अन्य लोग भी शामिल होंगे तो उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दर्दनाक हादसा: पानी भरे गड्ढे में डूबने से दो मासूमों की मौत

» ईंट भट्ठे के गड्ढे में नहर का पानी भर गया था, इसी कारण हुआ हादसा
» गोसाईगंज इलाके की घटना
» परिवार में मचा कोहराम

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। गोसाईगंज क्षेत्र के मोहम्मदपुर गढ़ी गांव में स्थित एक ईंट भट्ठे में मिट्टी खुदाई से हुए गड्ढे में नहर का पानी भर जाने से उसमें डूबकर दो बच्चों की मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार ग्राम -खानपुर मजरा शेखपुर थाना हरगॉव जिला सीतापुर का रहने वाला दीपक कुमार मोहम्मदपुर गढ़ी गांव में स्थित कंचन ब्रिक फील्ड (ईंट भट्ठे) पर ईट पथाई का काम करता है। दीपक पत्नी व तीन बच्चों के साथ उसी भट्ठे पर बनी झोपड़ी में ही रहता है। अक्सर दीपक ईंट पथाई का काम करता रहता था और बच्चे वहीं आसपास खेलते रहते थे। रविवार को दीपक अपने काम पर लग गया और उसके दो बच्चे रवि 8 व रोहित 6 झोपड़ी से निकल गए थे। जबकि तीसरी 5 वर्षीय बेटी माँ के साथ झोपड़ी पर ही थी। लगभग 12 बजे के झोपड़ी से निकले दोनों बच्चे काफी देर तक वापस नही आये तो दीपक व उसकी पत्नी ने सोंचा बच्चे कहीं खेल रहे होंगे।

बच्चों के शवों को देख माँ पिता हुए बदहवास

मासूमों के पिता दीपक और उसकी पत्नी ने जब अपने दोनों बच्चों के शवों को देखा तो वह बदहवास हो गए। जिन्हें भट्ठे पर काम करने वाले अन्य लोगों ने किसी तरह से संभाला और घटना की जानकारी पुलिस को दी। भट्ठों पर ईंट पथाई के लिए लोग अक्सर गड्ढे बना कर पानी भर लेते है जिससे ईंट पथाई में आसानी रहती है। इसी तरह कंचन ब्रिक फ़ील्ड् भट्ठे पर भी गड्ढा बना हुआ था। वहीं भट्ठे के पास से नहर निकली हुई है। शनिवार की रात अचानक नहर कट गई थी जिसके चलते भट्ठे में स्थित गड्ढे में काफी ज्यादा पानी भर गया था। आशंका जताई जा रही है कि उसी में डूबने से दोनो बच्चों की मौत हो गई।

परिवार चलाने के लिए रह रहे थे घर से दूर

सीतापुर जिले का रहने वाला दीपक घर छोंड़कर पत्नी व बच्चों के साथ भट्ठे पर झोपड़ी में रहकर यह सोचकर मेहनत से मजदूरी कर रहा था पैसे कमा लेंगे तो परिवार अच्छे से चलेगा लेकिन उसे क्या मालूम था कि उसके दो दो बच्चे उसे छोंड़कर हमेशा के लिए चले जायेंगे। इंस्पेक्टर गोसाईगंज ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

खाना खिलाने के लिए ढूंढा तो मिले दोनों के शव

रविवार को काफी देर तक दोनों बच्चे वापस नही आये। इधर माँ ने खाना तैयार कर लिया जब खाने का समय हुआ तो उसने बच्चों को आवाज लगाई लेकिन बच्चे नही आये। तब उसने दीपक से बच्चों को खोजने के लिए कहा। इस पर दीपक बच्चों को ढूंढते हुए भट्ठे में बने गड्ढे के पास पहुंचा जिसमें नहर कटने से पानी भर गया था। वहां पहुंचा तो दीपक को गड्ढे से एक बच्चे का हाथ दिखाई दिया जब पास गया तो दोनों बच्चे उसी में डूबे थे। दीपक ने तुरंत दोनों को निकाला लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी।

बिना बताए निकले थे घर से

दोपहर में बिना बताए घर से निकले दोनों बच्चो की नहर के पास बने गड्ढे में डूबने से दो मासूमों की मौत हो गई। पिता दीपक कुमार मोहम्मदपुर गढ़ी स्थित कंचन ब्रिक फील्ड में पथाई का काम करते हैं। सीतापुर जिले के हरगांव थाना क्षेत्र के खानपुर मजरा शेखपुर गांव के रहने वाले हैं। दोनों बच्चे बिना बताए घर से दोपहर 12 बजे निकले थे। जब काफी देर तक वापस नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान पास की नहर के किनारे बने गड्ढे में दोनों बच्चों के शव उतराते मिले मृतक बच्चों की पहचान रवि (8) और सोहित (6) के रूप में हुई है बच्चों के शव जिस गड्ढे में उतराते मिले, वह नहर के कटाव के कारण बना है। पुलिस ने बताया कि नहर का पानी कटकर गड्ढे में आने से वह भरा था। उसी में दोनों बच्चे डूब गए। परिजनों ने शव लाकर भट्ठे में अपनी झोपड़ी के पास रखा था।

पहलगाम हमले पर टिप्पणी को लेकर गायिका नेहा सिंह राठौर पर मुकदमा

» देशविरोधी पोस्ट करने का आरोप
» हजरतगंज कोतवाली में एफआईआर दर्ज

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर लोक गायिका अम्बेडकरनगर की नेहा सिंह राठौर पर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक कमेंट पोस्ट करने का आरोप लगा है। इस प्रकरण में रविवार को गुडम्बा वुडलैंड पैराडाइज निवासी कवि अभय प्रताप सिंह उर्फ अभय सिंह निर्भीक ने नेहा के खिलाफ हजरतगंज कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराया है। एसीपी हजरतगंज विकास जायसवाल ने बताया कि शिकायतकर्ता ने तहरीर में आरोप लगाया है कि नेहा सिंह ने आपत्तिजनक पोस्ट कर राष्ट्रीय अखंडता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने, धर्म जाति के आधार पर एक दूसरे समुदाय के खिलाफ अपराधकारित करने के लिए उकसाने का काम किया है। इतना ही नहीं सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए नेहा ने इस आतंकी हमले में मारे गए निर्देशों पर सवाल उठाए और दो समुदाय के खिलाफ आपसी सौहार्द बिगाड़ने व शांति व्यवस्था को भंग करने के लिए देशविरोधी बातें कर रही हैं।

पाकिस्तान में नेहा सिंह की हो रही प्रशंसा

नेहा सिंह राठौर के भारत विरोधी बयान लगातार पाकिस्तान में खूब वायरल हो रहे हैं और पाकिस्तान में नेहा सिंह राठौर की प्रशंसा हो रही है। नेहा सिंह राठौर के सभी देश विरोधी बयान पाकिस्तान की मीडिया में भारत के खिलाफ प्रयोग किए जा रहे हैं। दुश्मन देश भारत पर प्रश्नचिन्ह लगा रहा है। संकट की ऐसी स्थिति में नेहा सिंह राठौर के लगातार भारत के खिलाफ बयानबाजी के कारण देश के कवि समाज के साथ-साथ पूरे भारत देश के मान और सम्मान का हनन हो रहा है। एसीपी ने बताया कि इस मामले में आईटी एक्ट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। साथ ही जल्द ही नेहा सिंह राठौर को नोटिस देकर पूछताछ की जाएगी।

आश्रम के लिए जमीन दिलाने के नाम पर तीन लाख की ठगी

» गुरु वासुदेवाचार्य के लिए बनना था आश्रम
» मुकदमा दर्ज, तफ्तीश शुरू

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। राजधानी के पारा में एक आश्रम के लिए जमीन दिलाने का दावा कर तीन लोगों ने तीन लाख की ठगी कर ली अयोध्या में कटरा निवासी पीड़ित प्रदीप कुमार मिश्रा ने पारा थाने में धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस का कहना है साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। सीतापुर लहरपुर निवासी प्रदीप अयोध्या में अपने गुरु वासुदेवाचार्य विद्या भास्कर स्वामी के आश्रम कौशलेश सदन कैकई घाट में रहते हैं। प्रदीप ने बताया कि वह गुरु के लिए लखनऊ में आश्रम बनवाना चाहते थे। जमीन के लिए पारा के देवपुर निवासी शिशुपाल और वीरेंद्र सिंह से हुई थी। बताया कि उन लोगों ने पारा में एक जमीन दिखाई। जमीन पसंद आने पर मालिक वीरेंद्र को तीन लाख रुपए एडवांस दे दिए। प्रदीप का आरोप है कि शिशुपाल ने उन्हें जमीन पर 18 लाख का लोन दिलाने की बात भी कही थी। आरोप है कि लोन पास होने पर जब प्रदीप जमीन की सफाई कराने पहुंचे। जहां दो लोगों ने अपनी जमीन बताकर विरोध किया। जांच करने पर पता चला कि शिशुपाल ने साथियों के साथ मिलकर धोखाधड़ी की है। साथ ही लोन के लिए दस्तावेज भी बैंक में फर्जी लगाए थे। इंस्पेक्टर सुरेश सिंह के मुताबिक मामले की विवेचना चल रही है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नए कानून को वक्फ सुधार अभियान के तहत बताया

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। जिला अध्यक्ष विजय मौर्य ने जिला कार्यालय पर आयोजित वक्फ सुधार जन जागरण अभियान कार्यक्रम के तहत कहा कि 2013 के संशोधन में वक्फ बोर्ड पर राज्य सरकार के अधिकार को प्रतिबंधित कर दिया गया था। संशोधन अधिनियम 2025 के अंतर्गत धारा 40 को हटाकर वक्फ बोर्ड की मनमानी शक्तियों को समाप्त करने के साथ संपत्ति को एक तरफा तरीके से वक्फ़ घोषित करने की अनुमति नहीं देना है साथ ही इसमें यह प्रावधान किया गया कि वक्त पंजीकरण के लिए भूमि रिकॉर्ड में बदलाव करने से पहले समाचार पत्रों में 90 दिन की सार्वजनिक सूचना प्रकाशित करना अनिवार्य है। वर्तमान अधिनियम में सरकार को ऐसी सभी सरकारी संपत्तियों को पुनः प्राप्त करने का अधिकार है। जिन पर मूल अधिनियम से पहले या बाद में वक्फ़ के रूप में दावा किया गया था। इस अवसर पर विधायक मलिहाबाद जय देवी। विधायक मोहनलालगंज अमरीश रावत उपस्थित रहे।

लखनऊ यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर ने विवादित पोस्ट कर की टिप्पणी

» धर्म देखकर गोली मारना आतंकवाद, तो बुलडोजर चलाना भी आतंकवाद
» विरोध में छात्र संगठन एबीवीपी सड़क पर उतरी
» पाकिस्तानी हैंडल से शेयर हो रहा वीडियो
» हसनगंज थाने में दी तहरीर

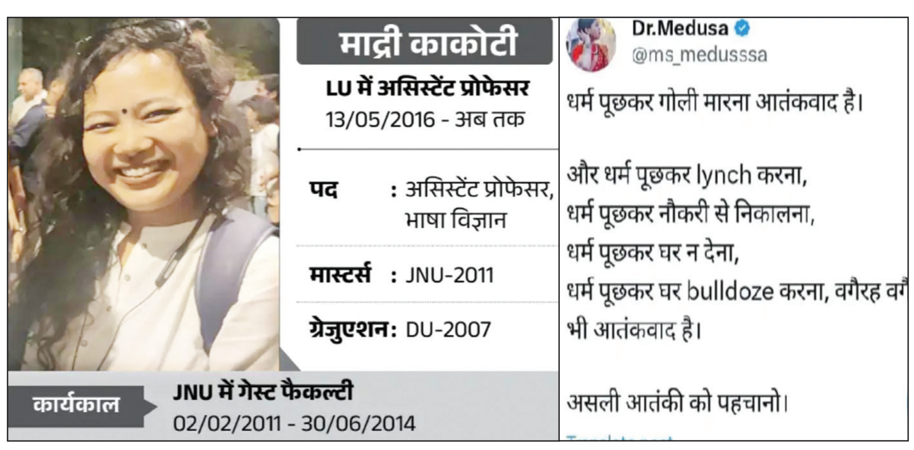

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। लखनऊ यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर का पहलगाम आतंकी हमले के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा था- धर्म देखकर बुलडोजर चलाना भी आतंकवाद है प्रोफेसर का पोस्ट पाकिस्तानी हैंडल्स से जमकर शेयर हो रहा। पाकिस्तानी इसके जरिए भारतीयों पर निशाना साध रहे। वहीं भारत में इसे लोग देश-विरोधी करार दे रहे। इसके विरोध में शनिवार को छात्र संगठन एबीवीपी सड़क पर उतरी है लखनऊ यूनिवर्सिटी में जमकर हंगामा किया। प्रशासनिक भवनों का घेराव किया। छात्र संगठन ने लिंग्विस्टिक विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. माद्री काकोटी के खिलाफ हसनगंज थाने में शिकायत भी दी है। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि मामला संज्ञान में है। जरूरत पड़ने पर आगे विधिक कार्रवाई की जाएगी। जिसमें वह कह रही हैं कि- कश्मीर के पहलगाम में 27 लोग मर गए। इनमें आप जैसे, मुझ जैसे दिखने वाले आम हिंदुस्तानी। 27 लोगों की जान चली गई और मीडिया उनकी लाशों पर टीआरपी बटोरने में लगी है। इसके जिम्मेदारों से कोई वाजिब सवाल नहीं पूछा। इंटरनल सिक्योरिटी में इतनी बड़ी चूक हो गई और होम मिनिस्टर को पता तक नहीं चला। पाकिस्तान के 'पिटाई प्रमोशन' नाम के 'एक्स' हैंडल से असिस्टेंट प्रोफेसर का वीडियो री-पोस्ट किया गया प्रोफेसर बोल रही हैं कि अगर सरकार इन सब की जिम्मेदार नहीं है तो वह करती क्या है? सोशल मीडिया पर भौंकने वाले भारत के कुत्ते जो 2 रुपए पर कमेंट के हिसाब से अपने नफरत की रोटी सेंकते हैं। वो भी इस अटैक को अपनी गंदी राजनीति का एजेंडा बनाने में लगे हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि शिक्षिका के खिलाफ एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को ज्ञापन दिया है। मामला संज्ञान में है। जरूरत पड़ने पर आगे विधिक कार्रवाई की जाएगी। छात्र संगठन ने हसनगंज थाने में शिकायत भी की है।

ड्रीम-11 में निवेश के नाम पर युवक से ठगी

» पैसा लगाने के बाद भी नहीं आया रिटर्न
» अलीगंज इलाके की घटना
» एफआईआर दर्ज, पुलिस जांच-पड़ताल में लगी

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। अलीगंज इलाके में ड्रीम-11 में निवेश कर पैसा कमाने के नाम पर युवक से ठगी हुई है। पुलिस मांमले में एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल कर रही है। पुलिस मोबाइल नंबर के आधार पर साइबर ठगों का पता लगा रही है। मूलरूप से हरदोई टडियांवा निवासी अक्षय कुमार अलीगंज त्रिवेणीनगर में किराए पर रहते हैं। उन्होंने बताया कि 28 मार्च को उनके मोबाइल पर एक मैसेज आया। उसमें ड्रीम-11 में पैसा निवेश करने पर भारी मुनाफा देने का दावा किया गया। कहा गया कि एक से चार के बीच रैंक न आने पर पैसा रिटर्न हो जाएगा। उन लोगों के कहने पर 1,999 रुपए जमा कर प्राइम मेंबर बन गया। फिर बुकिंग के नाम पर 6 हजार रुपए जमा किए। जिसके बाद एक पीडीएफ में टीम की जानकारी दी गई। उसके बाद टीम पर 3,999 रुपए और जमा कर दिए। उसके बाद भी कोई पैसा नहीं आया। संपर्क करने पर मोबाइल बंद कर लिया। पुलिस मोबाइल नंबर के आधार पर साइबर ठगों का पता लगा रही है।

33 केवी लाइन ब्रेकडाउन होने से छह घण्टे ठप रही आपूर्ति

स्टाप के अभाव में पेट्रोलिंग देर से शुरू हुई

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। बछरावां से निगोहां विधुत सबस्टेशन आने वाली हाईटेंशन लाइन के पोल बीती रात तेज हवाओं के चलते टेढ़े होकर पेड़ की डालो में टकराने से ब्रेकडाउन हो गई। जिसके कारण निगोहा क्षेत्र की आपूर्ति रविवार मध्य रात से सुबह 9 बजे ठप तक ठप रही वही लगभग 50 हजार आबादी को बिना बिजली के रात गुजारनी पड़ी। उपभोक्ताओं का आरोप है कि सबस्टेशन पर तैनात लेसा अधिकारियों व कर्मियों के आभाव में देर से पेट्रोलिंग शुरू की गई जिसके बाद लगभग 9 बजे आपूर्ति बहाल हो सकी। उपखण्ड अधिकारी मोहनलालगंज आशुतोष वर्मा ने बताया कि रविवार रात लगभग 2 बजे निगोहा सबस्टेशन की हाईटेंशन लाइन ब्रेकडाउन होने से आपूर्ति ठप हुई।जिसके बाद लेसा की टीम ने निगोहा से लेकर बछरावां तक पेट्रोलिंग की जहाँ देर रात चली तेज हवाओं के चलते हाईटेंशन लाइन के पोल झुककर पेड़ो से टकराने की वजह से हाईटेंशन लाइन ब्रेकडाउन हुई थी जिसके कारण विधुत आपूर्ति ठप हुई । जिसके बाद लेसा कर्मियों के द्वारा टेढ़े पोलो को ठीक कराने के बाद लगभग 9 बजे निगोहा सबस्टेशन की आपूर्ति बहाल हुई। दूसरी ओर भीषण गर्मी में आपूर्ति ठप होने से लगभग 50 हजार की आबादी को रात भर जाग कर काटना पड़ा वही रविवार सुबह बिना बिजली के लोगो को पानी के लिए घण्टो इंतजार करना पड़ा उपभोक्ता सोशल मीडिया पर आपूर्ति के लिए एक दूसरे से पूछते रहे। वही उपभोक्ताओं का आरोप है कि मोहनलालगंज डिविजन के अधिशासी अभियंता को वैकल्पिक व्यवस्था के तहत विधुत आपूर्ति करनी चाहिए उपभोक्ताओं ने बताया कि कोई भी अधिकारी रात में सीयूजी फोन तक नही उठाया।

डीसीपी के आदेश पर प्लाटिंग कम्पनी के डायरेक्टर पर मुकदमा दर्ज

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। मकबूलगंज के जूरियन टोला निवासी अमित गुप्ता ने डीसीपी दक्षिणी निपुण अग्रवाल से उनके कार्यालय में मिलकर लिखित शिकायत करते हुये बताया था मोहनलालगंज तहसील क्षेत्र में 2015 में रियल्टी इन्वेस्टमेंटस सल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर बलवीर सिंह निवासी रेलनगर थाना आशियाना से 500वर्ग फिट प्लाट खरीदा था जिसके बाद बलवीर सिंह ने जल्द ही प्लाट पर कब्जा देने की बात कही थी लेकिन 10साल बीत जाने के बाद भी कब्जा नही दिया ओर फोन भी उठाना बंद कर दिया। डीसीपी निपुण अग्रवाल ने पीड़ित की शिकायत की जांच कराने के बाद मोहनलालगंज पुलिस को प्लाटिंग कम्पनी के डायरेक्टर पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही के निर्देश दियें। इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह ने बताया पीड़ित की तहरीर के आधार पर आरोपी के विरूद्ध पैसे हड़पने की धारा में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है।

सात साल से फरार चल रहे 50 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

» पुलिस से बचने के लिए नाम और धर्म बदलकर की थी शादी
» पहचान छिपाने के लिए बेच रहा था सब्जी

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। यूपी एसटीएफ़ व कानपुर देहात की गजनेर पुलिस की टीम ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है टीम ने जिठरौली तिराहे से सात साल से फरार चल रहे गैंगस्टर एक्ट के आरोपी संदीप पासी को गिरफ्तार किया है आरोपी पर पहले 25 हजार का इनाम था। बाद में इसे बढ़ाकर 50 हजार रुपए कर दिया गया पुलिस से बचने के लिए उसने अपना नाम इब्राहिम उर्फ इमरान रख लिया था। इसके बाद वहां की रहने वाली सहीदुन्निशा से शादी कर ली। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है। जहां से आरोपी जेल भेज दिया गया है।

नाम और धर्म बदलकर की थी शादी

संदीप पासी (35) फतेहपुर के बिंदकी थाना क्षेत्र के दरवेशाबाद में रह रहा था वहरायबरेली के लालगंज थाना क्षेत्र के खजूर गांव का रहने वाला है। पुलिस से बचने के लिए उसने अपना नाम इब्राहिम उर्फ इमरान रख लिया था। इसके बाद वहां की रहने वाली सहीदुन्निशा से शादी कर ली। पहचान छिपाने के लिए वह सब्जी बेचने का काम कर रहा था।

करता था शराब की तस्करी, गैंगस्टर एक्ट लगने के बाद से था फरार

पूछताछ में संदीप ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ शराब की तस्करी करता था। उसके साथी हैं- कानपुर के किदवई नगर का सुशील कुमार गुप्ता, बाराबंकी का अल्ताफ, कानपुर देहात के शिवली का छोटे गौतम उर्फ नंदकिशोर और कानपुर नगर के बिधनू का सुशील गौतम। गिरोह पकड़े जाने के बाद सभी जेल गए थे। जमानत पर छूटने के बाद संदीप को पता चला कि उस पर गैंगस्टर एक्ट लगा दिया गया है। इसके बाद वह फरार हो गया था।

मछुआ समुदाय के आर्थिक विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है प्रदेश सरकार : डॉ. निषाद

सम्मानित किये गये मेधावी छात्र-छात्राएं

ग्रुप 5 संवाददाता

बहराइच । विधानसभा क्षेत्र बलहा अन्तर्गत कौआभारी स्थित ड्रीम इण्टरनेशनल पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रदेश के मंत्री, मत्स्य डॉ. संजय कुमार निषाद ने कहा कि प्रदेश के मत्स्य पालकों/मछुआ समुदाय (परम्परागत मत्स्य आखेटक केवट, मल्लाह, निषाद, बिन्द, धीमर, कश्यप, बाथम, रैकवार, मांझी, गोडिया, कहार, तुरैहा, तुराहा अथवा कोई अन्य व्यक्ति जो एक वर्ष अथवा उससे अधिक अवधि से मत्स्य पालन या मात्स्यिकी क्रिया-कलापो से सक्रिय रूप से जुड़कर अपना जीविकोपार्जन करने वाले व्यक्ति उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याण कोष योजना का लाभ प्राप्त कर अपना जीवन स्तर सुधार सकते हैं। वार्षिकोत्सव के अवसर पर मा. मुख्य अतिथि डॉ. निषाद ने कालेज के मेधावी छात्र-छात्राओं को साइकिल, लंचबाक्स, रिडिंग टेबुल इत्यादि भेंटकर सम्मानित किया। डॉ. निषाद ने मत्स्य पालकों का आहवान किया कि निःशुल्क मछुआ सामूहिक दुर्घटना बीमा योजना का भरपूर लाभ उठायें। बीमा योजना अन्तर्गत मत्स्य गतिविधियों में सक्रिय 18 से 70 वर्ष के महिला/पुरुष मत्स्य पालक को दुर्घटनाजनित मृत्युः अथवा पूर्ण पूर्ण स्थायी निःशक्तता की दशा में रू. 5.0 लाख, स्थायी आंशिक निःशक्तता की दशा रू. 2.5 लाख एवं आकस्मिक अस्पताल खर्च वं हेतु रू. 25,000 तक आर्थिक सहायता का प्राविधान है। इसके लिए पीड़ित पक्ष को 90 दिनों में दुर्घटना की सूचना देनी होगी। मत्स्य मंत्री डॉ. निषाद ने बताया कि देश के प्रधानमंत्रीनरेन्द्र मोदी जी व प्रदेश के मुख्यमंत्री मछुआ समुदाय के आथिक विकास के दृढ़ संकल्पित है। केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा मछुआ समुदाय के लिए अनेकों योजनाएं संचालित की जा रही है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने, किसानों की आय में वृद्धि एवं स्व-रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्राम सभा एवं अन्य पट्टे के तालाबों में निवेश एवं मत्स्य बीज बैंक की स्थापना हेतु राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के तहत दो परियोजनाएं संचालित है। योजना में सभी वर्ग को 40 प्रतिशत अनुदान अनुमन्य है मंत्री डॉ. निषाद ने बताया कि प्रदेश में मत्स्य पालको एवं मछुआरा समुदाय के व्यक्तियों को मत्स्याखेट एवं नदियों/जलाशयों में मत्स्य प्रबंधन व संरक्षण के माध्यम से रोजगार एवं आजीविका के लिए जलाशयों, तालाबों, नदियों एवं अन्य जल स्त्रोतों में मछली पकड़ने हेतु बिना इंजन की नाव (नॉन मोटोराइज्ड), जाल, लाइफ जैकेट एवं आइसबाक्स आदि पर 40 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध कराये जाने हेतु निषादराज बोट सब्सिडी योजना संचालित की जा रही है। मत्स्य पालक मछुआरा बाहुल्य ग्रामों में अवसंरचनात्मक सुविधाओं का निर्माण, चिकित्सा सहायता, मत्स्य पालकों, मछुआरों का प्रशिक्षण, भ्रमण, किसान क्रेडिट कार्ड, मछुआ आवास निर्माण सहायता, दैवीय आपदाओं से हुई क्षति में वित्तीय सहायता के साथ साथ मत्स्य गतिविधियों हेतु बैंक के माध्यम से 4 प्रतिशत ब्याज की दर पर रू. 1.60 लाख तक जमानत रहित क्रेडिट ऋण सुविधा प्रदान की जा रही है। इस अवसर पर सहायक निदेशक मत्स्य जितेंद्र तिवारी, तहसीलदार नानपारा अम्बिका चौधरी, निषाद पार्टी के जिला अध्यक्ष मनोज कुमार निषाद, उपाध्यक्ष महेन्द्र निषाद, रवीन्द्र मणि निषाद, बाबूराम निषाद, राजितराम निषाद व अन्य संबंधित अधिकारी, पार्टी पदाधिकारी व बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

भाजपा नेता समेत तीन लोगों के खिलाफ आयुध अधिनियम के तहत मामला दर्ज

संभल। जिले की असमोली पुलिस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पश्चिम क्षेत्र के उपाध्यक्ष राजेश सिंघल समेत तीन लोगों के खिलाफ आयुध अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) राजीव कुमार मलिक ने बताया कि हेड कांस्टेबल जवाहर सिंह की शिकायत के बाद गांव बुकनाला के निवासी मोहम्मद फैजी तथा वसीउल और मोहल्ला कोट पूर्वी निवासी राजेश सिंघल के खिलाफ आयुध अधिनियम की सुसंगत धाराओं में शनिवार को मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हुई जिसमें राजेश सिंघल के निजी सुरक्षाकर्मी उनका रिवॉल्वर लिए नजर आ रहे हैं। मलिक के अनुसार शिकायत में कहा गया कि रिवॉल्वर वाली तस्वीर फैजी व वसीउल द्वारा फेसबुक पर पोस्ट की गई जो राजेश सिंघल के निजी सुरक्षा कर्मी है। उन्होंने बताया कि तस्वीर में नजर आ रही रिवॉल्वर राजेश सिंघल की है। असमोली के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) कुलदीप सिंह ने बताया कि इस मामले में शनिवार को मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इस बीच, राजेश सिंघल ने मीडिया में बयान जारी कर अपना पक्ष रखा और अपने खिलाफ दर्ज मुकदमे को झूठा और निराधार बताया। उन्होंने कहा, इसमें मेरी राजनीतिक एवं सामाजिक छवि को खराब करने की साजिश नजर आती है। मैंने कभी किसी को अपना लाइसेंसी रिवॉल्वर नहीं दिया। राजेश सिंघल पूर्व में भाजपा की संभल इकाई के अध्यक्ष और संभल विधानसभा से भाजपा के उम्मीदवार भी रह चुके हैं।(**भाषा**)

नवनिर्मित पंचायत भवन व बारात घर का एमएलसी ने किया लोकार्पण

अम्बेडकरनगर, (ग्रुप 5 सं.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से एवं नगर विकास मंत्री अरविन्द कुमार शर्मा के कुशल नेतृत्व में सदस्य विधान परिषद हरिओम पांडेय के कर कमलों द्वारा जनपद अंबेडकर नगर की नवसृजित नगर पंचायत राजेसुल्तानपुर में 4.72 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित कार्यालय भवन एवं कल्याण मण्डप, विवाह घर का लोकार्पण किया गया। नगरवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। इस अवसर पर पूर्व विधायक त्रिवेणीराम, पूर्व विधायक अनीता कमल, पूर्व जिलाध्यक्ष जमुना प्रसाद चतुर्वेदी, वरिष्ठ नेता योगेंद्र त्रिपाठी, मंडल अध्यक्ष कन्हैया सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष विनोद प्रजापति सहित नगर वासियों की उपस्थिति रही।

इंटरमीडिएट की मेधावी छात्रा को किया गया सम्मानित

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। चिरैन्धापुरवा मजरे खजुरिहा मे रहने वाली सुंदरलाल दीक्षित इंटर कॉलेज औरेला सैदनपुर स्कूल की छात्रा दीपांशी वर्मा ने यूपी बोर्ड की इंटरमीडिएट परीक्षा में जिले में दसवां स्थान प्राप्त कर एक नई मिसाल पेश की है। दीपांशी ने 500 मे से 451 अंक प्राप्त किए, जो कि 90.2 प्रतिशत बनते है। इस सफलता के बाद, भाजपा नेता नीरज वर्मा और प्रहलाद कुमार विमल छात्रा के घर पहुंचे और उसे फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया। इस मौके पर दीपांशी के उज्जवल भविष्य की कामना की गई। छात्रा ने इससे पहले 2023 में हाई स्कूल परीक्षा में जिले में चौथा स्थान प्राप्त किया था। कार्यक्रम में भाजपा जिला प्रतिनिधि प्रहलाद कनौजिया और सचिन गुप्ता भी मौजूद थे।इस अवसर पर दीपांशी के पिता राकेश कुमार वर्मा,भाई और अन्य पारिवारिक सदस्य भी उपस्थित थे।

भदोही में सड़क हादसे में दो लोगों की मौत, चार अन्य घायल

भदोही। शहर में सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हादसा शनिवार रात दस बजे शहर कोतवाली इलाके में सियरहा नई बस्ती के पास हुआ जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से आ रही मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अशोक कुमार मिश्रा ने बताया कि इस बीच पीछे से आ रही एक और मोटरसाइकिल ट्रक से टकरा गई। उन्होंने बताया कि हादसे में उमेश यादव (24) और करन कन्नौजिया (28) की मौके पर मौत हो गई तथा समरजीत (22), यश राज (20), रणजीत (28) और राम अधार (25) गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायलों को महाराजा बलवंत सिंह राजकीय अस्पताल ले जाया गया जहां से आधी रात को चिकित्सकों ने उन्हें वाराणसी के बीएचयू ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। बताया जाता है कि दो की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस क्षेत्राधिकारी ने बताया कि इस घटना के बाद ट्रक का चालक और खलासी वाहन को छोड़कर फरार हो गए। (**भाषा**)

हत्या के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

बलरामपुर। जिले के नगर कोतवाली क्षेत्र में एक पुजारी की हत्या के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया और फरार एक आरोपी पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) विकास कुमार ने बताया कि बृहस्पतिवार को खलवा मोहल्ला निवासी पुजारी शत्रुघ्न द्विवेदी की गोली मार कर हत्या कर दी गई और शव को दीपवा बाग के पास फेंक दिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीम गठित की गई थीं। पुलिस टीम ने रविवार को दो आरोपी राघवेंद्र तिवारी तथा उसके सहयोगी मोहित वर्मा को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयोग अवैध तमंचा तथा मोटरसाइकिल बरामद कर ली। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस हत्या में शामिल एक अन्य आरोपी की तलाश की जा रही है और उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी राघवेंद्र तिवारी की बहन विवेक द्विवेदी के साथ कहीं चली गई थी जिससे वह आक्रोशित था। (**भाषा**)

संक्षिप्त समाचार

धन उगाही के लिए धर्मांतरण का झूठा मामला गढ़ने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर जिला मुख्यालय की कोतवाली पुलिस ने धर्म परिवर्तन और दुष्कर्म का झूठा मामला गढ़कर एक लाख रुपए से अधिक की उगाही करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के लाधोवाला इलाके की है, जहां एक महिला ने आरोप लगाया कि उसके साथ दुष्कर्म किया गया, खुद को हिंदू बताने वाले एक व्यक्ति ने जबरन उसका धर्म परिवर्तन कराया तथा शादी का झांसा देकर वीडियो भी बना लिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) राजू कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि जांच में पता चला है कि यह मामला गढ़ा गया है। सीओ ने कहा, आरोपी शाहनवाज, सदाकत और एक महिला, आरोपी बाबर उर्फ सोनू से एक लाख रुपए से अधिक की उगाही करने की साजिश में शामिल पाए गए। फिलहाल पुलिस उस महिला की तलाश कर रही है, जिसने झूठी प्राथमिकी दर्ज कराई थी। महिला की शिकायत पर बाबर उर्फ सोनू के खिलाफ 21 अप्रैल को मामला दर्ज किया गया था। महिला ने दुष्कर्म, धर्म परिवर्तन कराने और शादी का झांसा देकर वीडियो बनाने का आरोप लगाया था। सीओ ने बताया, जांच में पता चला कि शाहनवाज और सदाकत की मिलीभगत से झूठा मामला दर्ज कराया गया, जिसके तहत बाबर उर्फ सोनू से 1,25,000 रुपए ऐंठ लिए गए। शनिवार को शाहनवाज और सदाकत को गिरफ्तार कर लिया गया और उनसे 25,000 रुपए बरामद किए गए। महिला अभी भी फरार है। (**भाषा**)

दूसरी पत्नी की हत्या के आरोप में पति उसकी पहली पत्नी और बेटी गिरफ्तार

बस्ती। जिले की कोतवाली पुलिस ने एक व्यक्ति, उसकी पहली पत्नी और बेटी को उसकी दूसरी पत्नी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। सदर क्षेत्र के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) सतएंद्र भूषण तिवारी ने पत्रकारों को बताया कि भुवर निरंजनपुर निवासी रामबली कनौजिया ने प्राथमिकी दर्ज कराई है कि उसकी बहन सुनीता ने अपने पहले पति की मौत के बाद शादीशुदा नोहर चौधरी से मंदिर में दूसरी शादी कर ली थी। प्राथमिकी के अनुसार, 24 और 25 अप्रैल की दरमियानी रात को सुनीता नोहर के घर पर थी, तभी उसकी हत्या कर दी गई। तिवारी ने बताया कि नोहर, उसकी पहली पत्नी विद्यावती उर्फ संतोला और विवाहित बेटी लक्ष्मी को सुनीता की दुपट्टे से गला घोंटकर और डंडे से पीट-पीटकर हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। तिवारी के मुताबिक, पुलिस जांच में सामने आया है कि सुनीता बीमारी के इलाज के नाम पर नोहर से लगातार पैसे मांगती थी, जिससे तंग आकर उसने संतोला और लक्ष्मी के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि तीनों आरोपियों को शनिवार को गिरफ्तार कर विधिक प्रक्रिया पूरी कर जेल भेज दिया गया। (**भाषा**)

संदिग्ध परिस्थितियों में कार से युवक का शव मिला

झांसी। जिले के मऊरानीपुर क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव कार से बरामद किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। मऊरानीपुर के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) रामवीर सिंह ने बताया कि शनिवार की शाम खजुराहो मार्ग पर बरियाबैर चौराहे के निकट एक लावारिस कार के खड़े होने की सूचना मिली। उन्होंने कहा कि इसके बाद जब पुलिस टीम ने मौके जाकर देखा तो कार में करीब 30 वर्षीय युवक चालक सीट पर मृत अवस्था में पड़ा हुआ था और पास में शराब की खाली बोतल भी मिली। सीओ ने अंदेशा जताया कि युवक की बंद कार में दम घुटने से मौत हो गई। उन्होंने कहा कि कार के नंबर और छानबीन के जरिए युवक की पहचान जसप्रीत सिंह, निवासी डबरा (मध्य प्रदेश) के रूप में हुई और फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने परिजनों के हवाले से बताया कि पारिवारिक विवाद के चलते युवक नाराज होकर घर से निकला था, लेकिन वह अपने घर से करीब डेढ़ सौ किलोमीटर दूर यहां खजुराहो रोड पर कैसे पहुंचा, यह जांच के बाद पता चल सकेगा तथा मामले की जांच की जा रही है।(**भाषा**)

वाराणसी में विमान में बम की धमकी देने वाला कनाडा का नागरिक हिरासत में

वाराणसी। वाराणसी हवाई अड्डे पर उस समय हडकंप मच गया जब बेंगलुरु जाने वाली इंडिगो की उड़ान में सवार एक विदेशी नागरिक ने दावा किया कि उसके पास बम है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना शनिवार रात की है और अच्छी तरह से छानबीन के बाद विमान को गंतव्य के लिए रविवार सुबह रवाना किया गया। लालबहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय विमान तल, बाबतपुर के निर्देशक पुनीत गुप्ता ने बताया कि शनिवार रात वाराणसी से बेंगलुरू जा रहे इंडिगो के विमान में सवार एक यात्री ने अपने पास बम होने की सूचना दी जिसके बाद चालक दल ने हवाई यातायात नियंत्रक को इसकी जानकारी दी और चालक दल ने विमान को तुरंत आइसोलेशन वे पर लाकर खड़ा कर दिया। उन्होंने बताया कि हालांकि विमान की जांच करने पर कुछ नहीं मिला और पूरी तरह आश्वस्त होने के बाद विमान ने रविवार सुबह बेंगलुरू के लिए उड़ान भरी। पुलिस ने बताया कि बम की अफवाह फैलाने वाला युवक कनाडा का निवासी है और उसे हिरासत में लेकर विधिक कार्यवाही की जा रही है और मामले में सुरक्षा एजेंसियां उससे पूछताछ कर रही हैं।(**भाषा**)

श्रावस्ती जिले में अवैध रूप से संचालित 10 मदरसों को प्रशासन ने बंद कराया

श्रावस्ती। श्रावस्ती जिले में प्रशासन ने कथित तौर पर अवैध रूप से संचालित 10 मदरसों को बंद करा दिया। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी देवेंद्र राम ने बताया, श्रावस्ती में कुल 297 मदरसे हैं, जिनमें 192 गैर मान्यता प्राप्त हैं। शनिवार को नेपाल सीमा की 15 किलोमीटर परिधि में भारतीय क्षेत्र में 10 मदरसों को बंद कराया गया। इनमें कई तरह की अनियमितताएं पाई गई हैं। उन्होंने कहा, इनमें से अधिकांश चोरी छिपे संचालित किए जा रहे थे, कुछ अवैध तौर पर किराए के मकानों या घरों में और कुछ अर्धनिर्मित भवनों में संचालित किए जा रहे थे। (**भाषा**)

तीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेला सम्पन्न

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। सीएचसी सिरौलीगौसपुर के अधीक्षक डॉ. संतोष सिंह के नेतृत्व में तीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रो पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। बदोसराय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर डॉ संतोष कुमार शुक्ला की टीम ने 34 मरीजों की जांच की। महमूदाबाद केंद्र में डॉ अन्विता पांडे की टीम ने 23 मरीजों को देखा। सैदनपुर केंद्र में डॉ जगदीश की टीम ने 55 मरीजों की जांच की। सभी मरीजों को सर्दी, जुकाम और बुखार की दवाएं दी गई। सीएचसी अधीक्षक डॉ. संतोष सिंह ने मौसम बदलाव को देखते हुए लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहाकि साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें और उबला हुआ पानी पिएं। बार-बार बुखार आने पर तुरंत जांच कराएं।

संवैधानिक संस्थाओं के दुरूपयोग और संविधान की रक्षा के लिए संविधान बचाओ रैली : मनोज

अम्बेडकरनगर, (ग्रुप 5 सं.)। केंद्र सरकार की नीतियों और संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग के विरुद्ध आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है उक्त बातें उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नि महासचिव /मण्डल प्रभारी मनोज गौतम ने कही। उन्होंने कहा उसी क्रम में 28 अप्रैल को बस्ती जनपद में पूर्वांचल जोन की संविधान बचाओ रैली का आयोजन होगा। केंद्र सरकार लगातार संविधान को कमजोर कर रही है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया जा रहा है और संसद की प्रक्रियाओं को नजरअंदाज किया जा रहा है, इसी के विरोध में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने 28 अप्रैल को बस्ती में एक बड़ी 'संविधान बचाओ रैली' करने का ऐलान किया है जिसे सफल बनाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। केंद्र सरकार राजनीतिक द्वेष के तहत संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है।पूर्व जिला अध्यक्ष राम कुमार पाल, सै मेराजुद्दीन किछौछवी, द्विजेन्द्र.नारायण.शुक्ल, गुलाम रसूल छोटू, श्रीकांत वर्मा, मो जियाउद्दीन अंसारी, नि मीडिया इंचार्ज अवधेश कुमार मिश्र बबलू ने कहा हम गांधी के अनुयायी हैं गांधीवादी तरीके से सरकार के संविधान विरोधी कार्यो का प्रतिरोध करेंगे। अम्बेडकरनगर जनपद से 500 कांग्रेसजन बस्ती के संविधान बचाओ रैली में शामिल होंगे। कांग्रेस मीडिया इंचार्ज अवधेश कुमार मिश्र बबलू ने बताया आगामी 28 अप्रैल को बस्ती में होने वाली संविधान बचाओ रैली की तैयारी बैठक जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव मनोज गौतम जी मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव विशाल वर्मा ने किया। तैयारी बैठक को प्रमुख रूप से एआईसीसी सदस्य सै मेराजुद्दीन किछौछवी, पूर्व ज़िला अध्यक्ष राम कुमार पाल, पूर्व सभासद द्विजेन्द्र नारायण शुक्ल, नि कांग्रेस मीडिया इंचार्ज अवधेश कुमार मिश्र बबलू, जिला उपाध्यक्ष गुलाम रसूल छोटू, श्रीकांत वर्मा, युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव विशाल वर्मा, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव मो जियाउद्दीन अंसारी, बब्लू यादव समेत अनेक कांग्रेसजनों ने सम्बोधित किया।

प्रदेश सरकार में दलितों एवं महिलाओं पर बढ़े है अत्याचार : गौरव रावत

» इंटरलाकिंग सड़क का विधायक ने किया शिलान्यास

ग्रुप 5 संवाददाता

मसौली बाराबंकी। पूर्वांचल विकास निधि से ग्राम बहादुरपुर मे बनने जा रही इंटरलाकिंग सड़क का शिलान्यास क्षेत्रीय विधायक गौरव रावत ने किया तथा लोगो से कहाकि प्रदेश सरकार मे दलितों एव महिलाओ पर अत्याचार बढ़े है और प्रदेश की जनता जंगलराज से परेशान है। मौजूद ग्रामीणों से रूबरू होते हुए सपा विधायक गौरव रावत ने कहाकि भाजपा मूलतः पारंपरिक प्रभुत्ववादियों की पार्टी है तथा भाजपा की सोच सामंतवादी है, जिसमें गरीब, वंचित, दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक, महिलाएं और आदिवासी हमेशा अपमानित और उपेक्षित किये जा रहे है। क्योंकि भाजपा के नेताओं की मानसिकता आजादी से पहले वाली सोच पर टिकी हुई है और यही कारण है कि वे संविधान की मूल भावना के भी खिलाफ है।उन्होने आरोप लगाया कि भाजपा संगठन और सरकार मे उच्च पदो पर हमेशा कुछ चुनिंदा वर्ग के लोग ही काबिज रहते हैं,जबकि दलित और पिछड़े वर्ग के नेताओं को केवल पदनाम दिया जाता है, अधिकार नहीं। इस मौके पर ग्राम प्रधान कक्की यादव, शरीफ कुरैशी, किसान यूनियन नेता रिंकू वर्मा, विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद रिजवान संजय, विधानसभा पिछड़ा प्रकोष्ठ अध्यक्ष कौशल यादव, रामशरण यादव, भोला यादव, केशव रावत (पूर्व प्रधान), अजय वर्मा, सुशील रावत, गुलाम इस्लाम, सुरेश यादव, विवेक वर्मा, रामू वर्मा, मोहित यादव, चित्रांश यादव और मो इनाम सहित बड़ी संख्या मे ग्रामीण मौजूद रहे।

चाकूबाजी में छात्र घायल मुकदमा दर्ज, स्कूल की व्यवस्था पर लगा सवालिया निशान

अम्बेडकरनगर, (ग्रुप 5 सं.)। जिले के प्रतिष्ठित विद्यालय सेंटपिटर्स स्कूल में चाकू बाजी की खबर सामने आई है एक 10 वीं का छात्र चाकू लगने से घायल हुआ है। पिता की तहरीर पर हंजला और साजिद के खिलाफ गंभीर धाराओं में अकबरपुर कोतवाली में मुकदमा दर्ज हुआ है। आरोप है कि पीड़ित का पुत्र कक्षा दसवीं का क्लास मॉनिटर है शिक्षक की अनुपस्थिति में निर्देशानुसार कार्य कर रहा था। लेकिन आरोपी हंजला और साजिद बार-बार निर्देशों का उलंघन कर रहे थे मना करने पर गाली गलौज करने लगे और चाकू से पीड़ित के पुत्र पर हमला कर दिए जिस दौरान वह घायल हो गया। अब सवाल यह है कि विद्यालय में शार्प वेपन पहुंचा कैसे और क्या विद्यालय में अनुशासन के लिए कोई स्थान नहीं है या विद्यालय प्रशासन लापरवाह है। हालांकि अभिभावकों में इस कृत्य को लेकर भय व्याप्त है और सेंटपिटर्स स्कूल को सुरक्षित नहीं माना जा रहा है।

घर के बाहर सो रहे भाई-बहन को बदमाशों ने गोली मारी, हालत गंभीर

मथुरा। जिले के मगोरा थाना क्षेत्र के एक गांव में कार सवार बदमाशों ने घर के बाहर सो रहे भाई-बहन को गोली मार दी जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि अहमल निवासी चंद्रपाल सिंह अपने मकान का पुनःनिर्माण करा रहे हैं इसीलिए उनका बेटा विश्वेंद्र सिंह तथा बेटी शालू घर के बाहर चबूतरे पर चरपाई डालकर सो रहे थे। उन्होंने बताया कि शनिवार रात करीब साढ़े दस बजे सौंख की तरफ से सफेद कार में आए बदमाशों ने किसी से चंद्रपाल के घर का पता पूछा और मकान के सामने पहुंचते ही गोलियां बरसा दी। थाना प्रभारी ने बताया कि एक गोली विश्वेंद्र के पैर को भेदती हुई दूसरी चारपाई पर सो रही उसकी बहन शालू के पेट में जा लगी। उन्होंने कहा कि दोनों को तरंत ही जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही है और इस वारदात के मकसद को जानने का प्रयास कर रही है। (**भाषा**)

संक्षिप्त समाचार

खसरा नंबरों का परीक्षण कर विवरण तैयार करें : जिलाधिकारी

पौड़ी, एजेंसी। डीएम डॉ. आशीष चौहान ने एनआईसी कक्ष में नीलकंठ रोपवे परियोजना को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि परियोजना की गति को बनाए रखने के लिए भूमि से संबंधित खसरा संख्याओं को सही करना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए उन्होंने तहसीलदार यमकेश्वर को सभी खसरा नंबरों का परीक्षण कर त्रुटिरहित विवरण तैयार करने के निर्देश दिए हैं। नीलकंठ के लिए 4.5 किमी लंबा रोपवे लगभग 450 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित किया जाएगा। यह रोपवे भविष्य में तीर्थयात्रियों को बेहतर, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि परियोजना की कार्रवाई अभी प्रारंभिक चरण में है और फिलहाल भूमि चिह्निकरण व अभिलेखीय सुधार का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तहसीलदार को खसरा संख्याओं को सही करने को कहा। उन्होंने उपजिलाधिकारी को कहा कि नीलकंठ क्षेत्र में जहां अतिक्रमण है उसे चिह्नित कर जल्द हटाया जाए। बैठक में उपजिलाधिकारी यमकेश्वर अनिल चन्याल, तहसीलदार साक्षी उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

चारधाम यात्रा पंजीकरण...115 कर्मचारी करेंगे काउंटर पर तीर्थयात्रियों का पंजीकरण

ऋषिकेश, एजेंसी। पिछले साल कुल 18 काउंटरों से पंजीकरण किया गया था। इनमें से ट्रांजिट कैंप में 12 काउंटर और आईएसबीटी में 6 काउंटर थे। लेकिन इस बार ट्रांजिट कैंप में 24 काउंटर और आईएसबीटी में छह काउंटरों पर पंजीकरण होगा। इस बार यह काउंटर तीन शिफ्ट में खुले रहेंगे। ट्रांजिट कैंप में कुल 115 कर्मचारी काउंटर पर तीर्थयात्रियों का पंजीकरण करेंगे। इन कर्मचारियों की तैनाती कर दी गई है। 30 काउंटरों पर 90 कर्मचारी काम करेंगे। जबकि 25 कर्मचारी पीओएस मशीन से फील्ड में पंजीकरण करेंगे। एजेंसी की ओर से सभी कर्मचारियों को प्रशिक्षण देकर पंजीकरण करने के लिए दक्ष बनाया गया है। चारधाम यात्रा के लिए इस बार शासन की ओर से पंजीकरण काउंटरों की संख्या में वृद्धि की गई है। पिछले साल कुल 18 काउंटरों से पंजीकरण किया गया था। इनमें से ट्रांजिट कैंप में 12 काउंटर और आईएसबीटी में 6 काउंटर थे। लेकिन इस बार ट्रांजिट कैंप में 24 काउंटर और आईएसबीटी में छह काउंटरों पर पंजीकरण होगा। इस बार यह काउंटर तीन शिफ्ट में खुले रहेंगे। साथ ही धर्मशालाओं और होटलों में रहने वाले यात्रियों के समूहों का पीओएस मशीन से पंजीकरण किया जाएगा। शुक्रवार को ट्रांजिट कैंप में सभी कर्मचारी उपस्थित रहे। एजेंसी की ओर से उन्हें प्रशिक्षण देने के बाद यात्रियों से शालीनता से पेश आने, अतिथि देवो भव की तर्ज पर तीर्थयात्रियों से बात करने के लिए कहा गया।

छप्पर में आग लगने से घरेलू सामान जला, पशु भी जले

सुल्तानपुर, एजेंसी। भोगपुर गांव स्थित एक महिला के छप्पर में आग लग गई। मौके पर आए ग्रामीणों ने किसी तरह पानी डालकर आग पर काबू पाया। तब तक घर में रखे खाने9पीने का सामान, कपड़े, चारपाई, बिस्तर आदि जल गए और छप्पर के पास बंधे दो पशु भी झुलस गए। सूचना पर मौके पर पहुंची भिक्कमपुर पुलिस ने मामले की जानकारी ली। साथ ही पशु चिकित्सक भी झुलसे हुए पशुओं का उपचार कर रहे हैं। भोगपुर गांव निवासी खातून छप्पर के घर में रहती है और घर के पास में ही पशु पाल रखा है। जिससे वह अपना पालन-पोषण करती है। शुक्रवार करीब 11~30 बजे खातून के घर के छप्पर में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। घर में आग लगी देख किसी ग्रामीण ने शोर मचा दिया। शोर सुनकर कई ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर किसी तरह पानी डालकर आग पर काबू पाया। तब तक छप्पर में रखे खाने-पीने के सामान, कपड़े, चारपाई और बिस्तर आदि जल गए। इसके साथ घर के पास बंधी एक भैंस और एक कटिया आग में झुलस गई। मौके पर पहुंचे ग्राम प्रधान प्रतिनिधि आशीष कश्यप ने मामले की सूचना भिक्कमपुर पुलिस, पशु चिकित्सक और हलका लेखपाल को दी। उन्होंने बताया कि मामले की सूचना पर भिक्कमपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जानकारी ली। साथ ही पशु चिकित्सक भी मौके पर पहुंचकर आग में जले पशुओं का उपचार कर रहे हैं।

फर्जी मजार का बढ़ता रहा आकार, हर गुरुवार लगती थी लोगों की कतार

देहरादून, एजेंसी।
दून अस्पताल परिसर में फर्जी मजार कब बनी, किसने बनवाई, इसके चढ़ावे से कौन फला-फूला। इन प्रश्नों के उत्तर अभी तक की प्रशासनिक जांच में नहीं मिले हैं। हो सकता है भविष्य में यह कुहासा छंटे, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह कि मजार का दिनों-दिन आकार बढ़ता रहा, फिर जिम्मेदार क्यों सोते रहे।

विशेषकर स्वास्थ्य विभाग की उदासीनता चिंता का विषय है। जिस जगह यह फर्जी मजार बनी थी, वहां पर चौबीसों घंटे चहल-पहल रहती है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी रोजाना इसी मजार के आगे से गुजरते रहे हैं। ऐसे में प्रश्न यह भी उठता है कि उन्हें वाकई में मजार बनती नहीं दिखी या उन्होंने इसे देखना नहीं चाहा। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के बाद कुछ इसी तरह के प्रश्न अब स्वास्थ्य विभाग की तरफ उठ रहे हैं।

प्रशासनिक जांच में स्वास्थ्य विभाग ने यह बात आसानी से कह दी कि उनके रिकार्ड में इस स्थान पर कभी मजार थी ही नहीं। लेकिन, यह बात उनसे किसी ने नहीं पूछी कि जब यहां पर मजार नहीं थी तो यह कब बन गई और विभाग को इसका पता क्यों नहीं चला।

लगभग 50 साल पहले इसका आकार काफी छोटा था, इसके बाद के वक्फे में इसका फैलाव बढ़ता गया। कुछ सालों पहले इसे भव्य रूप दिया गया। बाकायदा महीनों इस पर काम चला, पर स्वास्थ्य विभाग को तब भी यह नहीं दिखा। यह दीगर बात है कि इन प्रश्नों के उत्तर में स्वास्थ्य विभाग के वर्तमान अधिकारियों में से कोई कुछ बोलने को तैयार नहीं है, हां वह इतना जरूर स्वीकार करते हैं कि यह मजार स्वास्थ्य विभाग की जमीन पर अवैध रूप से बनी थी।

दून अस्पताल की शुरुआत वर्ष 1854 में नगर पालिका के अधीन डिस्पेंसरी के रूप में हुई थी। इससे समझा जा सकता है कि अस्पताल का इतिहास कितना पुराना है। ऐसे में जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देश पर सिटी मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह ने अस्पताल प्रशासन को पत्र भेजकर मजार के अभिलेख मांगे तो उत्तर में अस्पताल ने स्पष्ट किया था कि उनके रिकार्ड में मजार का जिक्र नहीं है।

मजार के अभिलेख देखने के लिए अस्पताल के अधिकारियों ने पुरानी ड्राइंग का भी परीक्षण किया। यहां भी मजार का अस्तित्व नहीं पाया गया। इससे साफ है कि मजार बाद भी कभी बनाई गई होगी। लिहाजा, अस्पताल प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को करीब चार वर्ष पहले शिकायत के संज्ञान में आते ही इसे हटाने की कार्रवाई शुरू कर देनी चाहिए थी। यदि ऐसा कर लिया जाता तो अस्पताल प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की भूमिका पर अब सवाल खड़े नहीं होते।

अस्पताल परिसर में फर्जी मजार की मौजूदगी से मरीजों को भी परेशानी होती थी। आवाजाही में भी दिक्कत आती थी। मरीज और उनके तीमारदार अक्सर आरोप लगाते थे कि मजार का खादिम वार्डों में जाकर स्वस्थ होने के लिए मजार में मत्था टेकने को कहता था। बावजूद इसके स्वास्थ्य विभाग ने कभी मजार को हटाने की पहल की।

दून अस्पताल परिसर में बनी फर्जी मजार में प्रतिदिन बड़ी संख्या में चादर व चढ़ावा चढ़ाया जाता था। आरोप है कि फर्जी मजार का खादिम वार्डों में जाकर तीमारदारों से मिलता था और मरीजों के स्वस्थ होने के लिए यहां मत्था टेकने को कहता था। परेशान मरीजों के तीमारदार स्वास्थ्य की चिंता को देखते हुए फर्जी मजार में मत्था टेकने के लिए पहुंचते थे। बताया जा रहा है कि कुछ लोग अपनी श्रद्धा से चढ़ावा चढ़ाते थे, जबकि कुछ लोगों को इरादतन फर्जी मजार का रुख कराया जाता था। फर्जी मजार में चादर व चढ़ावा चढ़ाने और अगरबत्ती जलाने वालों में सभी धर्मों के लोग शामिल थे। हर गुरुवार को मरीजों के साथ बाहर से आने वाले लोग भी कतार में लगकर मत्था टेकते थे। फर्जी मजार के कारण दून अस्पताल के बाहर अवैध तरीके से चादर व अन्य सामान बेचने वालों की ठेलियां भी लगी रहती थीं। नगर निगम की टीम ने कई बार इन पर कार्रवाई भी की।

श्रद्धालुओं का सहयोगी बनकर यात्रा को सफल बनाएं : धामी

ऋषिकेश, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ट्रांजिट कैंप का औचक निरीक्षण किया। अधिकारियों व कर्मचरियों से कहा कि श्रद्धालुओं का सहयोगी बनकर चारधाम यात्रा को सफल बनाना है। ट्रांजिट कैंप में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से यात्रियों के लिए भजन, रामायण, महाभारत, चारधाम यात्रा संबंधी कहानियों एवं आरतियों को दिखाने व मौसम संबंधित जानकारियां देने के निर्देश दिए।

शुक्रवार को सीएम धामी नगर निगम में आयोजित कार्यक्रम के लिए ऋषिकेश पहुंचे थे। शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होने से पहले सीएम धामी चारधाम यात्रा ट्रांजिट कैंप में पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया।परिसर में घूमकर व्यवस्थाएं देखी। सभी कामों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। ट्रांजिट कैंप में बंद कमरे में अधिकारियों से बात की। अधिकारियों को चारधाम यात्रा की तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए।

सीएम धामी ने कहा कि आगामी चारधाम यात्रा से पहले ट्रांजिट कैंप में रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था को 24 घंटे चालू रखी जाए। ट्रांजिट कैंप में पुलिस, परिवहन, नगर निगम, स्वास्थ्य, जल, पर्यटन, विद्युत आदि विभागों का संयुक्त हेल्प डेस्क सिंगल विंडो सिस्टम के रूप में बनाया जाए, जिससे लोगों को एक ही स्थान पर सारी सुविधाएं उपलब्ध हो।

उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं का सहयोगी बनकर यात्रा को सफल बनाना है, जिससे हर श्रद्धालु की यात्रा सकुशल सम्पन्न हो एवं वे उत्तराखंड से यात्रा के अच्छे अनुभव लेकर जाएं।

सीएम धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ट्रांजिट कैंप में श्रद्धालुओं के ठहरने की पर्याप्त व्यवस्था हो एवं गर्मी से बचाव के लिए कूलर, स्वच्छ पेयजल, टीन शेड, कुर्सियों की व्यवस्था की जाए। कहा, ट्रांजिट कैंप स्थित अस्पताल में सभी प्रकार की दवाइयों की व्यवस्था और चिकित्सकों की तैनाती हो। भीड़ प्रबंधन एवं ट्रैफिक व्यवस्था पर विशेष तौर पर एक्शन प्लान बनाकर प्राथमिकता से कार्य हो।

सीएम धामी ने अधिकारियों को ट्रांजिट कैंप में चारधाम यात्रा प्रचार सामग्री उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। कहा कि श्रद्धालुओं को चारधाम के साथ ही अन्य स्थलों के बारे में भी जानकारी दी जाए। उन्होंने ट्रांजिट परिसर में स्थापित खोया-पाया केंद्र को संपूर्ण यात्रा मार्गों से समन्वय बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा ट्रांजिट कैंप परिसर में उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों की बिक्री के लिए अलग से स्थान हो। कैंप परिसर का चारधाम से संबंधित सभी जिलों में परस्पर समन्वय हो।

स्थानीय विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने सीएम पुष्कर सिंह धामी को चारधाम यात्रा ट्रांजिट कैंप में यात्रा से संबंधित सुझाव दिए।

नैनीताल जिले में 24 घंटे में .90 हेक्टेयर जंगल जला, हनुमानगढ़ के पास वन में धधकी आग

नैनीताल, एजेंसी।
नैनीताल के हनुमान गढ़ में आग से जंगल जल गए। धुआं फैलने से लोग परेशान हैं।पहली सूचना फतेहपुर रेंज के कल्सिया बीट को मिली। क्रू स्टेशन व स्टाफ तत्काल ही जंगल की ओर निकले। प्रयास के बाद आग पर काबू तो पा लिया लेकिन .50 हेक्टेयर जंगल जल गया।

फतेहपुर रेंज में तीन जगहों पर वनाग्नि से .90 हेक्टेयर जंगल जल गया। हालांकि नजदीकी टीम ने सभी घटनाओं पर काबू पा लिया। वहीं, नैनीताल के हनुमान गढ़ में आग से जंगल जल गए। धुआं फैलने से लोग परेशान हैं।पहली सूचना फतेहपुर रेंज के कल्सिया बीट को मिली। क्रू स्टेशन व स्टाफ तत्काल ही जंगल की ओर निकले। प्रयास के बाद आग पर काबू तो पा लिया लेकिन .50 हेक्टेयर जंगल जल गया।

इसी रेंज में दूसरी आग की घटना हुई। इसमें भी .40 हेक्टेयर जंगल जला। तीसरा मामला इसी रेंज के हैड़ाखान का रहा। यहां आग पर काबू पा लिया गया। लेकिन कितना जंगल जला इसका आंकड़ा वनाधिकारी एकत्र करने में जुटे हैं। उधर कांग्रेस नेता राजेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा कि काठगोदाम व दमुवाढूंगा क्षेत्र में जंगल जल रहा है और वन विभाग के पास संसाधनों की स्थिति खराब है।

वहीं, नैनीताल से लगे हनुमानगढ़ क्षेत्र के जंगल में मनोरा जाने वाले पैदल मार्ग की ओर से अराजक तत्वों ने आग लगा दी। हनुमानगढ़ मंदिर की ओर आग फैलने पर लोगों ने वन विभाग को सूचित किया। विभाग की टीम ने आग बुझाना शुरू किया लेकिन खड़ी पहाड़ी और चीड़ का जंगल होने की वजह से आग पर काबू नहीं पाया जा सका। आग बुझाने के लिए टीम ने चारों ओर से लाइन काट दी। रेंजर त्रिलोक बोरा ने बताया कि अराजकतत्वों ने जंगल में आग लगा दी है। आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा।

ऋषिकेश को बनाएंगे आदर्श शहर : धामी

ऋषिकेश, एजेंसी।
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि ऋषिकेश व उसके आसपास के क्षेत्र को विकसित बनाने के साथ ही वैश्विक पर्यटन के मानचित्र पर एक प्रमुख नगर के रूप में स्थापित करने के लक्ष्य को लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। पुरातन नगरी ऋषिकेश को आदर्श शहर बनाने के लिए कार्य किया जा रहा है।

शुक्रवार को नगर निगम परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री धामी ने बहुमंजिला कार पार्किंग और कार्यालय भवन निर्माण व ऋषिकेश राफ्टिंग बेस स्टेशन का शिलान्यास व भूमि पूजन किया। कहा कि ऋषिकेश में राफ्टिंग के लिए वैश्विक स्तर की सुविधाएं होंगी। कांच के पुल का रोमांच होगा, रोपवे की बेहतरीन सुविधा होगी, शटल सेवाएं होंगी, ट्रैफिक जाम की कोई समस्या नहीं होगी। पुरातन नगरी ऋषिकेश विश्व भर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करेगी। उन्होंने ऋषिकेश व आसपास के क्षेत्र (नरेंद्र नगर, यमकेश्वर) के विकास का खाका सबके सामने रखा। सीएम ने कहा कि हमारी ट्रिपल इंजन की सरकार ऋषिकेश के समग्र विकास के लिए संकल्परत है। ऋषिकेश शहर को आदर्श शहर बनाने के लिए कार्य किया जा रहा है। यहां 1600 करोड़ की लागत से क्षेत्र के बुनियादों ढांचों को सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है। शहर व आसपास की सड़कों को बेहतर बनाने का कार्य किया है। आने वाले 50 सालों की चुनौतियों को ध्यान में रख कर योजनाओं का नियोजन किया जा रहा है।

सीएम ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों को बेहतर यात्री सुविधाओं, बेहतर यातायात परिसंचरण, उन्नत साइन बोर्ड के साथ आधुनिक केंद्रों में बदलना है। प्रधानमंत्री ने रेलवे स्टेशनों के विकास और पुनर्विकास के लिए 6 अगस्त, 2023 को अमृत भारत स्टेशन योजना का शुभारंभ किया था। कहा कि ऋषिकेश के योगनगरी रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किया जा रहा है। स्टेशन पर विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलेंगी।

कैलाश मानसरोवर यात्रा पर महंगाई का वार~अब चुकाने होंगे 56 हजार, तिब्बत सीमा में अलग से उठाना होगा खर्च

नैनीताल, एजेंसी।
कैलाश मानसरोवर यात्रा पर भी महंगाई की मार पड़ेगी। इस बार श्रद्धालुओं को कुमाऊं मंडल विकास निगम (केएमवीएन) को 35,000 की जगह 56 हजार रुपये चुकाने पड़ेंगे। केएमवीएन इस धनराशि से यात्रियों के आने-जाने, ठहरने और भोजन आदि का प्रबंध करेगा।

पांच साल बाद शुरू हो रही कैलाश मानसरोवर यात्रा पर भी महंगाई की मार पड़ेगी। इस बार श्रद्धालुओं को कुमाऊं मंडल विकास निगम (केएमवीएन) को 35,000 की जगह 56 हजार रुपये चुकाने पड़ेंगे। केएमवीएन इस धनराशि से यात्रियों के आने-जाने, ठहरने और भोजन आदि का प्रबंध करेगा। इसके अलावा, मेडिकल जांच, चीन का वीजा, कुली, तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र और चीन सीमा में अलग से खर्च करना पड़ेगा।

कुमाऊं मंडल विकास निगम लिपुलेख दर्रे के रास्ते कैलाश मानसरोवर यात्रा का प्रबंध करता है। वर्ष 2019 के बाद इस बार 30 जून से यात्रा शुरू होगी। 50-50 श्रद्धालुओं के पांच जत्थे यात्रा पर जाएंगे। इस बार पंजीकरण के साथ श्रद्धालुओं को भोजन, आने-जाने और ठहरने के लिए केएमवीएन को 56000 रुपये देने होंगे।

इसके अलावा दिल्ली के हार्ट एंड लंग इंस्टीट्यूट में जांच, स्ट्रेस ईको, चीन का वीजा, भारतीय सीमा में कुली खर्च, टट्टू, उसके चालक का खर्च, सामूहिक कार्यकलापों में अंशदान, जत्थे के लिए रसोइया भाड़े पर लेने, अलग से खाद्य पदार्थ खरीदने, मेहनताना, तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र और चीन सीमा में अलग से खर्च करना पड़ेगा। यह खर्च विदेश मंत्रालय की गाइड लाइन के अनुसार होगा।

पहला जत्था दिल्ली से 30 जून 2025, दूसरा चार जुलाई, तीसरा आठ जुलाई, चौथा दल 31 जुलाई और अंतिम जत्था दिल्ली से चार अगस्त 2025 को रवाना होगा। यात्रा का पहला पड़ाव टनकपुर होगा। यहां से रात्रि विश्राम के बाद धारचूला जाएगा। यहां दो दिन यात्री ठहरेंगे।

किसी ने नहीं दिया साथ...वीडियो बनाने में थे लोग, जिंदा जले दो युवक; चीखने की आवाज से गूंजा इलाका

नैनीताल, एजेंसी।
कालाढूंगी में दो बाइकों की आमने-सामने हुई टक्कर के बाद दोनों में आग लग गई। हादसे में एक बाइक पर सवार दो लोगों की जलकर मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी बाइक सवार दंपति और वहां से गुजर रहे दोपहिया वाहन सवार दो अन्य व्यक्ति झुलस गए।

कालाढूंगी हाईवे पर बाइकों की भिड़ंत के बाद आग लगी तो लोगों को कुछ समझ नहीं आया। टक्कर इतनी भीषण थी कि चंद पलों में केटीएम बाइक सवार दोनों शख्स आग की लपटों में घिर गए। मदद के लिए उनके चीखने-चिल्लाने की आवाज से इलाका गूंज उठा। चीत्कार से लोगों की रूह कांप गई। किसी की भी उनके करीब तक जाने की हिम्मत नहीं हुई। हालांकि इस बीच कुछ लोग मोबाइल से वीडियो बनाते नजर आए। अंत में दोनों के जीवन की उम्मीद ने दम तोड़ दिया।

हादसे के दौरान ट्रैफिक भी थम गया और दुर्घटनास्थल के दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई। करीब डेढ़ घंटे तक हाईवे पर जाम लगा रहा। आग की लपटें जंगल की ओर बढ़ने लगीं। हादसे के दौरान ट्रैफिक भी थम गया और दुर्घटनास्थल के दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई। करीब डेढ़ घंटे तक हाईवे पर जाम लगा रहा। आग की लपटें जंगल की ओर बढ़ने लगीं। तब कुछ लोगों ने पेड़ों की टहनियां तोड़कर जंगल की आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन इतनी विकराल आग पर सिर्फ टहनियों से काबू पाना संभव नहीं था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रैफिक खुलवाकर फायर ब्रिगेड को भी घटना की सूचना दी। करीब दो घंटे बाद पहुंची दमकल की टीम ने पानी की बौछार कर जंगल की आग पर काबू पाया।

तहसीलदार कालाढूंगी डॉ. ललित मोहन तिवारी व पुलिस क्षेत्राधिकारी सुमित पांडे ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया। देर रात दोनों लोगों के शव मोर्चरी भेज दिए गए।

दुर्घटना इतनी भयावह थी कि मृतक दो व्यक्तियों को देखने की भी कोई हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। आग से वह बुरी तरह जल चुके थे। बाइकें जलकर ऐसी हो गई थीं कि उनकी नंबर प्लेट का भी पता नहीं लग पा रहा था।

दुर्घटना के बाद जो बातें सामने आ रही हैं उसके मुताबिक एक बाइक पहले ट्रैक्टर ट्रॉली से टकराई। टकराने के बाद नीचे गिरी तो दूसरी दिशा से आ रही बाइक सड़क पर गिरी बाइक से टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइकों में आग लग गई। आशंका है कि पेट्रोल की टंकी फटने के बाद पेट्रोल की आग शरीर से लिपटी तो दोनों व्यक्ति कुछ करने की स्थिति में भी नहीं थे।

यात्रा और होगी आसान...पिथौरागढ़-दून रूट पर दिन में दो बार उड़ेगा विमान

पिथौरागढ़, एजेंसी।
अब पिथौरागढ़ और देहरादून के बीच सफर और भी आसान होगा। जल्द ही इस रूट पर संचालित 22 सीटर विमान एक दिन में पिथौरागढ़-दून के बीच दो फेरे लगाएगा। पर्यटक सीजन को देखते हुए सरकार ने इस रूट पर विमान के फेरे बढ़ाने का निर्णय लिया है।

अब पिथौरागढ़ और देहरादून के बीच सफर और भी आसान होगा। जल्द ही इस रूट पर संचालित 22 सीटर विमान एक दिन में पिथौरागढ़-दून के बीच दो फेरे लगाएगा। एक दिन में अधिकतम 88 यात्री पिथौरागढ़-दून के बीच हवाई यात्रा कर सकेंगे। यात्रियों की बढ़ती संख्या और पर्यटक सीजन को देखते हुए सरकार ने इस रूट पर विमान के फेरे बढ़ाने का निर्णय लिया है। जल्द ही नया शेड्यूल जारी किया जाएगा। नगर निगम की मेयर कल्पना देवलाल ने शनिवार को अपने कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता में यह जानकारी दी है।

मेयर ने कहा कि सीमांत जिले के लोगों का दिल्ली और देहरादून तक सफर आसान बनाने के लिए सरकार ने विमान सेवा संचालित की है। दिल्ली हवाई सेवा का किराया दो हजार रुपये कम करने से इस रूट पर सफर करने वाले यात्रियों को खासी राहत मिली है। अब सरकार ने देहरादून रूट पर आवाजाही करने वाले यात्रियों को भी राहत देने का सराहनीय निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि पिथौरागढ़-दून रूट पर संचालित विमान हर दिन एक उड़ान भर रहा है। फेरे कम होने से कई यात्रियों और पर्यटकों को हवाई सफर से वंचित रहना पड़ रहा है।

ऐसे में सरकार ने इस रूट पर विमान के फेरे बढ़ाने का निर्णय लिया है। बताया कि जल्द ही विमान पिथौरागढ़ और देहरादून के बीच हर दिन दो फेरे लगाएगा इसमें 88 यात्री एक ही दिन में इस रूट पर सफर कर सकेंगे। पर्यटक और यात्रा सीजन भी जल्द शुरू होगा। ऐसे में विमान के फेरे बढ़ने से इसका सीधा लाभ सीमांत के लोगों के साथ ही पर्यटकों को भी मिलेगा।

ईएसआईसी दफ्तर में नहीं बन रहे मरीजों के पर्चे

रुड़की, एजेंसी। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) रुड़की के दफ्तर में मरीजों का पर्चा बनवाने पहुंचे लोगों ने प्रदर्शन किया। आरोप लगाया कि चार दिनों से पर्चे नहीं बन पा रहे हैं। एक पर्चा बनवाने में आधा घंटा लग रहा है। जबकि लोगों के लिए दफ्तर में पानी और धूप में बैठने की भी व्यवस्था नहीं है। लोगों ने अधिकारियों से व्यवस्था में सुधार लाने की मांग की है।

रुड़की स्थित आवास-विकास में कर्मचारी राज्य बीमा निगम का दफ्तर बना है। यहां पर विभिन्न कंपनियों से जुड़े कर्मचारियों और उनके अभिभावकों के इलाज लिए पर्चे बनाए जाते हैं। इसके बाद मरीजों को अस्पतालों में पर्चे पर रेफर कर इलाज कराया जाता है। शुक्रवार को दफ्तर में बड़ी संख्या में कर्मचारी और उनके अभिभावक पहुंचे और प्रदर्शन किया।

लंढौरा निवासी साहिब ने आरोप लगाया कि वह चार दिन से पर्चा बनवाने के लिए दफ्तर के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन पर्चा नहीं बन पा रहा है। बताया कि दफ्तर में एक महिला कर्मचारी तैनात है। पर्चा बनवाने में महिला कर्मचारी आधे घंटे समय लेती है। जिससे लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। सुनीता, विकास, आदेश आदि ने बताया कि इतनी गर्मी में दफ्तर में न ही पानी की व्यवस्था और न ही धूप से बचने की। ऐसे में उन्हें धूप में खड़े होकर पर्चा बनवाने पर मजबूर होना पड़ रहा है। जबकि पानी के लिए बाहर से बोतल खरीदकर लानी पड़ रही है। उन्होंने ईएसआईसी के अधिकारियों से व्यवस्था में सुधार लाने की मांग की।

अब मरीजों को दो जगह रजिस्ट्रेशन करवाना पड़ता है, यह केंद्र सरकार का नियम हाल ही में आया है। जिसकी वजह से पर्चा बनने में देरी हो रही है। जबकि पहले एक जगह ही रजिस्ट्रेशन होता था और पर्चा जल्दी बन जाता था।

सम्पादकीय

सिंधु संधि का वज्र प्रहार

सैयद अहमर हसनैन

कश्मीर घाटी के पहलगाम आतंकी हमले की प्रतिक्रिया में भारत की मोदी सरकार ने पाकिस्तान पर वज्र-प्रहार किए हैं। राजनयिक संबंध लगभग तोड़ दिए गए हैं और 1960 की ऐतिहासिक सिंधु जल संधि तुरंत प्रभाव से स्थगित कर दी गई है। यह संधि विश्व बैंक की मध्यस्थता से हुई थी। अब पाकिस्तान वालों को भारत आने का, किसी भी तरह का, वीजा नहीं दिया जाएगा। सार्क देश होने के कारण जो छूट थी, उसे भी रद्द कर दिया गया है। इस संधि के टूटने से पाकिस्तान पर बहुत गहरा असर पड़ेगा। कृषि आधारित उसकी अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा जाएगी। पहले से ही कई तरह की आंतरिक समस्याओं में उलझा पाकिस्तान इस झटके को सहन करने की स्थिति में नहीं है। पाकिस्तान ने शायद सोचा ही नहीं था कि भारतीय नेतृत्व कभी इस हद तक जा सकता है। तीन युद्धों के पश्चात भी इस संधि के न टूटने को पाकिस्तान ने इसे भारतीय नेतृत्व की कमजोरी मान लिया था और शायद यही कारण रहा होगा कि वह वर्तमान सरकार के निर्णय लेने की क्षमता का आकलन करने में गलत साबित हुआ। अब वह इसे लेकर अपनी आदत के अनुरूप हाय-तौबा तो जरूर मचाएगा, पर होगा वही जो भारत चाहेगा। इस संधि का भविष्य क्या होगा, यह तो आने वाला समय ही तय करेगा, पर इतना निश्चित है कि अगर भारत सरकार चाहे तो आतंकवाद समेत कई बड़ी समस्याओं का निराकरण इस संधि के सहारे पाकिस्तान की गर्दन दबाकर कर सकता है।

भारत को होने वाले लाभ को अगर हम एक तरफ कर दें और केवल हिमाचल की दृष्टि से इस संधि के टूटने से होने वाले प्रभावों का आकलन करें तो भविष्य में सबसे ज्यादा लाभ हिमाचल को होने वाला है। हिमाचल प्रदेश सरकार चाहे तो इस संधि के टूटने के बाद की परिस्थितियों का लाभ उठाकर स्वयं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कदम बढ़ा सकती है। बेशक जल संधि रोकने से तुरंत प्रभाव नहीं पड़ेगा। पानी निर्बाध होता है और भारत से बहुत सा पानी बहकर पाकिस्तान को जाता रहा है। यदि अब उसे रोकना है, तो भारत सरकार को कुछ छोटे बांध बनाने होंगे और पनबिजली परियोजनाएं भी शुरू कर पानी को बांधा जा सकता है। फिलहाल गर्मी के बाद मॉनसून के मौसम में बारिश से जल-संकट इतना महसूस न हो, लेकिन दिसंबर के सर्द मौसम से अप्रैल तक पाकिस्तान में पानी के लिए हाहाकार मच सकता है। वहां की खेती, बिजली और उद्योग सिंधु जल प्रणाली के भरोसे ही हैं। लाहौर, कराची, मुल्तान जैसे प्रमुख शहर सिंधु जल पर ही आश्रित हैं। पानी को रोक देने से 23 करोड़ से अधिक लोगों के सामने भरण-पोषण और खाद्य-संकट गहरा सकते हैं। बहरहाल मोदी सरकार ने इस बार आतंकी हमले का प्रतिशोध इस तरह लिया है, जिससे पाकिस्तान की अवाम सीधे तौर पर प्रभावी हो। इस बार भारत पराकाष्ठा की मुद्रा में है। सुरक्षा संबंधी कैबिनेट कमेटी ने पाकिस्तान पर जो प्रतिघात किए हैं, उनकी स्पष्ट व्याख्या यह है कि खून के साथ जल नहीं बह सकता। जिस तरह आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते, उसी तरह आतंकिस्तान के साथ जल साझा नहीं किया जा सकता। बहरहाल पाकिस्तान पर यही पाबंदियां ही पर्याप्त नहीं हैं। भारत जीवन बचाने वाली दवाओं की आपूर्ति करता रहा है। उस पर भी तुरंत प्रभाव से रोक लगा देनी चाहिए। इसके अलावा, जो विदेशी कंपनियां पाकिस्तान में निवेश करती हैं, भारत उन्हें साफ कहे कि यदि भारत के साथ कारोबार करना है, तो वे कंपनियां भारत में ही निवेश करें। दलील आतंकवाद की दी जा सकती है। इस बार आतंकियों के ये अड्डे नहीं, बल्कि पाकिस्तानी फौज के केंद्रों पर हमले कर उन्हें विकलांग बना देना चाहिए। बेशक पाकिस्तान भी पलटवार कर सकता है, लेकिन उसकी आर्थिक हालत इतनी पतली है कि वह छोटा-सा टकराव झेल नहीं सकता। युद्ध तो बहुत दूर की कौड़ी है। यह विश्लेषण हमारा नहीं, उन रक्षा विशेषज्ञों का है, जो कश्मीर के मोर्चे पर सालों तक तैनात रहे और लड़ाइयों का नेतृत्व भी किया। वे पहलगाम हमले का प्रत्यक्ष साजिशकार पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर को मानते हैं, जिन्होंने बीते दिनों एक बेहद भड़काऊ संबोधन दिया था। वह आईएसआई के प्रमुख भी रहे हैं और कट्टरपंथी जमात से आते हैं। बहरहाल देश को अभी निर्णायक आघात का इंतजार है।

पर्यटकों की निर्मम हत्या

आतंकवाद मानवता का सबसे बड़ा दुश्मन

राजेश माहेश्वरी

पहलगाम आतंकी हमले से हुई जनहानि तमाम सवालों को जन्म देती है। हर किसी संवेदनशील मन में घटनाक्रम को लेकर अनेक प्रश्न उभरते हैं। आम विमर्श में यह मुद्दा उठता रहा है कि जम्मू-कश्मीर के इस संवेदनशील क्षेत्र में सेना की उपस्थिति क्यों नहीं थी। आखिर इस हमले की भनक हमारे खुफिया तंत्र को क्यों नहीं लगी। जम्मू-कश्मीर देश का सीमावर्ती व संवेदनशील क्षेत्र है। दशकों की आतंकी घटनाओं के चलते इस क्षेत्र में सेना, केंद्रीय सुरक्षा बलों, खुफिया एजेंसियों तथा स्थानीय पुलिस की उपस्थिति देश के अन्य राज्यों के मुकाबले काफी ज्यादा रहती है। ऐसे तमाम सवाल हमारे नीति-नियंताओं से पारदर्शी जवाब मांग रहे हैं। ऐसे में सिर्फ सार्वजनिक रूप से बयान देने से काम चलने वाला नहीं है। हमें सुरक्षा व्यवस्था व खुफिया तंत्र की उन तमाम खामियों को दूर करना होगा, जिनके अभाव में आतंकवादी अपने खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने में सफल हो सके। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद ताबड़तोड़ एक्शन जारी है। सुरक्षाबलों की ओर से चुन-चुन कर आतंकवादियों को उसकी औकात दिखाई जा रही है। कश्मीर घाटी में आतंक के खिलाफ ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। अब तक 8 आतंकवादियों के घर को जमींदोज कर दिया गया है...

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में बीती 22 अप्रैल को पर्यटकों के लिए किसी दुःस्वपन से कम नहीं था। पहलगाम में हुए एक आतंकवादी हमले में कुल 26 पर्यटक मारे गए। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और उसमें पाकिस्तान की भूमिका को लेकर देशभर में आक्रोश है। इसमें दो राय नहीं कि पहलगाम के भीषण आतंकी हमले ने देश के अंतर्मन पर गहरे जख्म छोड़े हैं। निस्संदेह, निर्दोष पर्यटकों की निर्मम हत्या कई सवाल हमारे सामने छोड़ गई है। दुर्भाग्य से आतंकवादियों ने उस क्षेत्र को अपने आतंक का निशान बनाया, जो जम्मू-कश्मीर के अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाने वाले क्षेत्रों में शामिल था। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस हमले को लेकर कोई खुफिया अलर्ट क्यों नहीं मिल पाया, जिससे लोगों में रोष व्याप्त हुआ है। दरअसल, सुरक्षा चूक की ऐसी घटनाएं सिस्टम की तैयारियों के प्रति जनता के भरोसे को प्रभावित करती हैं। पहलगाम हमला पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के इस बयान के एक सप्ताह बाद हुआ है कि कश्मीर इस्लामाबाद की गले की नस है। अतीत में अपमानजनक हार का सामना करने और दुनिया के सामने अपनी कुटिल योजनाओं का पर्दाफाश होने के बावजूद, पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान भारत के खिलाफ आतंकवाद को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की अपनी पुरानी रणनीति पर दांव लगाना जारी रखता है। इसमें दो राय नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मामले में त्वरित हस्तक्षेप किया। इस संकटपूर्ण स्थिति में उन्होंने अपनी विदेश यात्रा को बीच में ही रोकना प्राथमिकता समझा।

वहीं दूसरी ओर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह तुरंत जम्मू-कश्मीर पहुंचे। वहीं शाह का तुरंत घायलों से मिलने अस्पताल पहुंचना दुर्भाग्यपूर्ण घटना की गंभीरता को ही रेखांकित करता है। अब चाहे ये प्रयास कितने भी तात्कालिक व ईमानदार क्यों न हों, वे प्रणालीगत सुधार के विकल्प नहीं हो सकते। वहीं दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आश्वासन दिया है कि हर अपराधी को पकड़ने के लिये सरकार कृतसंकल्प है। लेकिन इस तरह के आश्वासन केवल अल्पकालिक आवश्यकता को पूरा करते हैं। बेहतर होता कि हम पहले ही ऐसी चाक-चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित करते कि परिंदा भी पर न मार सकता। निश्चित रूप से इस तरह के आतंकी हमले का व्यापक परिदृश्य हमें आत्ममंथन को विवश करता है। बहरहाल, पहलगाम आतंकी हमले से हुई जनहानि तमाम सवालों को जन्म देती है। हर किसी संवेदनशील मन में घटनाक्रम को लेकर अनेक प्रश्न उभरते हैं। आम विमर्श में यह मुद्दा उठता रहा है कि जम्मू-कश्मीर के इस संवेदनशील क्षेत्र में सेना की उपस्थिति क्यों नहीं थी। आखिर इस हमले की भनक हमारे खुफिया तंत्र को क्यों नहीं लगी। जम्मू-कश्मीर देश का सीमावर्ती व संवेदनशील क्षेत्र है। दशकों की आतंकी घटनाओं के चलते इस क्षेत्र में सेना, केंद्रीय सुरक्षा बलों, खुफिया एजेंसियों तथा स्थानीय पुलिस की उपस्थिति देश के अन्य राज्यों के मुकाबले काफी ज्यादा रहती है। ऐसे तमाम सवाल हमारे नीति-नियंताओं से पारदर्शी जवाब मांग रहे हैं। ऐसे में सिर्फ सार्वजनिक रूप से बयान देने से काम चलने वाला नहीं है। हमें सुरक्षा व्यवस्था व खुफिया तंत्र की उन तमाम खामियों को दूर करना होगा, जिनके अभाव में आतंकवादी अपने खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने में सफल हो सके। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद ताबड़तोड़ एक्शन जारी है। सुरक्षाबलों की ओर से चुन-चुन कर आतंकवादियों को उसकी औकात दिखाई जा रही है। कश्मीर घाटी में आतंक के खिलाफ ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। अब तक 8 आतंकवादियों के घर को जमींदोज कर दिया गया है। साथ ही आतंकियों के कई ठिकानों पर छापेमारी की गई और पूछताछ के लिए बड़ी संख्या में आतंकियों के मददगारों को हिरासत में लिया गया। पहलगाम आतंकी हमले के बाद बीते शुक्रवार को सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कश्मीर का दौरा किया। उस आतंकी हमले के बाद जिसमें छब्बीस लोग मारे गए थे। निस्संदेह, उनका यह दौरा हमारे इस सैन्य संकल्प की अभिव्यक्ति है कि हमारी सेना आम जन की सुरक्षा के लिये प्रतिबद्ध है। एक ऐसे क्षेत्र में जहां लोगों ने दशकों

आतंक की त्रासदी झेली है, वहां प्रतीकात्मक जवाबदेही से आगे ठोस रणनीति बनाने की जरूरत है। निस्संदेह, कश्मीर यात्रा के दौरान सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने सुरक्षाबलों के बीच ऑपरेशनल समन्वय की समीक्षा की। लेकिन राष्ट्र और कश्मीरी सिर्फ प्रोटोकॉल को सख्त करने से कहीं अधिक चाहते हैं। पहलगाम आतंकी हमले के आलोक में खुफिया जानकारी साझा करने के तंत्र को सक्षम बनाने, तेज प्रतिक्रिया ढांचे के निर्माण और सुरक्षा तंत्र की मजबूती को मूर्त रूप देने की जरूरत है। कश्मीर को लेकर हमारे दांव हमेशा ऊंचे होते हैं, अब चाहे वे सैन्य, भावनात्मक और राजनीतिक रूप से हों। मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने एक बार फिर से पहलगाम हमले को लेकर दुख जताया और साथ ही पहलगाम के दोषियों को कड़ी सजा देने की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि इस जघन्य तरीके से किए गए आतंकी हमले की सभी ने कठोर निंदा की है। पूरा विश्व आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में देश के साथ खड़ा है। मैं पीड़ित परिवारों को भरोसा देता हूं उन्हें न्याय मिलेगा...और न्याय मिलकर रहेगा। इस हमले के दोषियों को कठोरतम जवाब दिया जाएगा। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते गुरुवार को बिहार की एक जनसभा में भी पहलगाम हमले के दोषियों को चेतावनी देते हुए कहा था कि– भारत इन लोगों की पहचान करेगा, उन्हें ढूंढेगा और हर आतंकी तथा उनकी मदद करने वालों को सजा देगा। हम उन्हें पृथ्वी के अंतिम छोर तक खदेड़ देंगे। इसमें कोई दो राय नहीं है कि पाकिस्तान ने फिर एक बार कायराना हरकत की है, जिसकी पूरे देश और विश्व ने निंदा की है। अब वक्त आ गया है कि उसे सबक सिखाया जाए।

धार्मिक पर्यटन : जहां आस्था बनाती है अर्थव्यवस्था एवं विकास का आधार

भारत के पवित्र तीर्थ

डॉ. मनमोहन प्रकाश

गुरुद्वारा बंगला साहिब (दिल्ली): यह गुरू हरकृष्ण साहिब जी की याद में बनवाया गया, जिन्होंने दिल्ली में प्लेग के दौरान लोगों की सेवा की थी। **गुरुद्वारा हेमकुंड साहिब (उत्तराखंड):** यह गुरु गोबिंद सिंह से जुड़ा और सिक्ख धर्म का एक प्रमुख तीर्थ स्थल है। यह सबसे ऊंचे तीर्थस्थलों में से एक है। **गुरुद्वारा दमदमा साहिब (तलवंडी साबो, पंजाब):** यह सिक्ख धर्म का पांचवां तख्त है, जहां गुरु गोबिंद सिंह ने गुरु ग्रंथ साहिब को अंतिम रूप दिया था। इसके अतिरिक्त भी सिक्ख धर्म के कई छोटे और बड़े धार्मिक स्थल हैं, जो श्रद्धालुओं को आकर्षित करते हैं।

बौद्ध धर्म के प्रमुख स्थल:
बौद्ध धर्म के इतिहास, संस्कृति और परंपराओं से जुड़े कुछ प्रमुख स्थल निम्नानुसार हैं, जहां हर वर्ष लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं: **महाबोधि मंदिर (बोधगया, बिहार):** यहां बोधि वृक्ष स्थित है, जिसके नीचे बैठकर भगवान बुद्ध ने ध्यान लगाया था। यही वह स्थान है, जहां भगवान बुद्ध को ज्ञान (निर्वाण) प्राप्त हुआ था। **सारनाथ (वाराणसी, उत्तर प्रदेश):** यह स्थान प्रसिद्ध धमेक स्तूप, मूलगंध कुटी विहार और अशोक स्तंभ के लिए जाना जाता है। माना जाता है कि यही वह स्थान है जहां भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश (धर्मचक्र प्रवर्तन) दिया था। **कुशीनगर (उत्तर प्रदेश):** यह भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली है। यहां महापरिनिर्वाण स्तूप और रामाभार स्तूप स्थित हैं। **राजगीर (बिहार):** यह स्थल भगवान बुद्ध की तपोभूमि और उपदेश भूमि था। यहां प्रसिद्ध वसुमति गुफा और वेणुवन विहार स्थित हैं।

श्रावस्ती (उत्तर प्रदेश): यह स्थान भगवान बुद्ध के जीवन के महत्वपूर्ण 24 वर्षों का स्थल माना जाता है। यहां जेतवन विहार और आनंद बोधि वृक्ष प्रमुख स्थल हैं।

संकिसा (उत्तर प्रदेश): बौद्ध अनुयायियों का विश्वास है कि यही वह स्थान है जहां भगवान बुद्ध स्वर्ग से धरती पर लौटे थे। यहां अशोक का ऐतिहासिक स्तंभ स्थित है।

अजन्ता और एलोरा गुफाएँ (महाराष्ट्र): ये गुफाएँ महायान और हीनयान दोनों परंपराओं से संबंधित हैं और यहां सुंदर भित्तिचित्र और मूर्तियाँ उकेरी गई हैं। **नागार्जुनकोंडा (आंध्र प्रदेश):** यह स्थान बौद्ध विद्वान नागार्जुन से जुड़ा है, जहां बौद्ध मठों, स्तूपों और विहारों के खंडहर पाए जाते हैं।

कौशांबी (उत्तर प्रदेश): इसे भी भगवान बुद्ध की उपदेश स्थली के रूप में माना जाता है और यह गहोई स्तूप और अशोक स्तंभ के लिए प्रसिद्ध है। **तवांग मठ (अरुणाचल प्रदेश):** यह महायान बौद्ध धर्म के अनुयायियों का प्रमुख केंद्र है और भारत का सबसे बड़ा तथा दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बौद्ध मठ माना जाता है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर से जुड़े पंच तीर्थ :
जन्म भूमि (डॉ. अंबेडकर नगर, मध्य प्रदेश): यह डॉ. अंबेडकर की जन्मस्थली है और दलित समाज के प्रेरणा केंद्र के रूप में प्रसिद्ध है। यहां उनका स्मारक और प्रतिमा है, जहां प्रति वर्ष 14 अप्रैल को हजारों अनुयायी पहुंचते हैं। **दीक्षाभूमि (नागपुर, महाराष्ट्र):** यह वह स्थान है जहां 14 अक्टूबर 1956 को डॉ. अंबेडकर ने बौद्ध धर्म की दीक्षा ली थी। यहां विशाल स्तूप भी है और यह बौद्ध अनुयायियों के लिए एक पवित्र तीर्थ स्थल है। **चैत्यभूमि (मुंबई, महाराष्ट्र):** यह डॉ. अंबेडकर का समाधि स्थल है, जहां प्रति वर्ष 6 दिसंबर को लाखों अनुयायी पहुंचते हैं। **अंबेडकर भवन (दिल्ली):** यहां बाबा साहेब के जीवन से जुड़ी वस्तुएं और ऐतिहासिक दस्तावेज रखे गए हैं, और इसे सामाजिक न्याय और समानता के विचारों का प्रतीक माना जाता है। **भीमजन भूमि (अलीपुर, दिल्ली):** यह वह स्थान है जहां बाबा साहेब ने संविधान का अंतिम मसौदा तैयार किया था। इसे भारत के संविधान और सामाजिक न्याय

के विचारों का केंद्र माना जाता है।

ईसाई धर्म के प्रमुख धार्मिक स्थल: भारत में ईसाई धर्म को सामान्यतः अंग्रेज़ों के शासनकाल से जोड़ा जाता है, लेकिन असल में ईसाई धर्म का आगमन भारत में अंग्रेज़ों से पहले हो चुका था। उस समय के कुछ धार्मिक स्थल आज भी भारत में मौजूद हैं। ऐसे प्रसिद्ध ईसाई धार्मिक स्थल, जिनका उपनिवेशवाद से कोई संबंध नहीं रहा, उनका विकास ईसाई धर्मावलंबियों के लिए एक आकर्षण हो सकता है। इन स्थलों पर क्रिसमस, गुड फ्राइडे, ईस्टर, पाम संडे, एश वेडनसडे, पेंटेकोस्ट और एडवेंट जैसे धार्मिक अवसरों पर हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। कुछ प्रमुख स्थलों में शामिल हैं: **सेंट थॉमस कैथेड्रल (चेन्नई):** यह चर्च विश्व धरोहर स्थल के रूप में प्रसिद्ध है और ईसाई धर्म के प्रारंभिक प्रचारकों में से एक, सेंट थॉमस के नाम पर स्थापित किया गया है। माना जाता है कि सेंट थॉमस ने इस चर्च का निर्माण किया था। इसका स्थापत्य केरल के मंदिरों की शैली से प्रभावित है। **बासिलिका ऑफ बॉम जीसस (गोवा):** यह चर्च यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है, और यहां सेंट फ्रांसिस जेवियर के अवशेष रखे गए हैं। **वेलंकन्नी चर्च (तमिलनाडु):** यह चर्च स्वास्थ्य और चमत्कारी उपचार के लिए प्रसिद्ध है और इसे लॉर ऑफ हेल्थ भी कहा जाता है। यहां लाखों श्रद्धालु प्रतिवर्ष पहुंचते हैं, और यह ईस्ट का लॉर्ड्स के रूप में भी जाना जाता है। **माउंट मैरी चर्च (मुंबई):** यह चर्च मुंबई के बांद्रा इलाके में स्थित है और इसे प्रार्थना व चमत्कारी घटनाओं के लिए प्रसिद्धि प्राप्त है। **मदर हाउस (कोलकाता):** यह मदर टेरेसा द्वारा 1950 में स्थापित मिशनरीज ऑफ चैरिटी का मुख्यालय है। यहां मदर टेरेसा की समाधि और उनकी यादों से जुड़ी वस्तुएं रखी गई हैं।

सेंट मैरीज सीरियन ऑर्थोडॉक्स चर्च (कणिपुरम, केरल): यह चर्च 4वीं सदी का माना जाता है और सिरियन क्रिश्चियन परंपरा से संबंधित है। **थिरुविथमकूडु सीरियन चर्च (तमिलनाडु):** यह चर्च प्राचीन सिरियन क्रिश्चियन परंपरा से जुड़ा है और इसका कोई संबंध पुर्तगालियों या अंग्रेजों से नहीं है। **नज़रानी समाज के पारंपरिक पूजा स्थल:** ये स्थल मंदिरों जैसी संरचना रखते हैं और स्थानीय परंपराओं से प्रभावित पूजा शैली का पालन करते हैं। इन स्थलों में न तो अंग्रेज़ी चर्चों जैसी वास्तुकला होती है, और न ही उपनिवेशवादी छवि।

इस्लामिक धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन स्थल: भारत में इस्लाम का आगमन अक्सर आक्रांताओं से जुड़ा हुआ देखा जाता है, लेकिन यह दृष्टिकोण अधूरा है। इस्लाम का एक और पक्ष है आध्यात्मिकता, सेवा और समरसता। भारत की सूफी परंपरा हमें यह सिखाती है कि धर्म का उद्देश्य मनुष्य को ऊँचा उठाना है, न कि किसी अन्य को नीचा दिखाना। सूफी परंपरा के माध्यम से इस्लाम ने भारत में न केवल धर्म बल्कि सांस्कृतिक सह-अस्तित्व का भी बीजारोपण किया। ऐसे स्थल आज भी इंसानियत की आवाज बनकर खड़े हैं, जिन्हें और अधिक विकसित करने की आवश्यकता है, जैसे: **चेरामन जुम्मा मस्जिद (केरल):** इसे इस्लाम का शांतिपूर्ण प्रवेशद्वार कहा जाता है और यह भारत की सबसे पुरानी मस्जिद मानी जाती है, जिसकी स्थापना 629 ईस्वी में हुई थी। यह मस्जिद एक हिन्दू राजा चेरामन पेरुमल द्वारा दी गई भूमि पर बनाई गई थी, जिन्होंने इस्लाम स्वीकार किया था। इसका स्थापत्य स्थानीय मंदिरों की शैली पर आधारित है, और यह भारत में इस्लाम के शांतिपूर्ण प्रवेश का प्रतीक है।

सूफी संतों की दरगाहें: हज़रत निज़ामुद्दीन औलिया (दिल्ली) और ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती (अजमेर शरीफ) की दरगाहें इस्लाम की उस परंपरा की प्रतीक हैं जो मानवता को प्राथमिकता देती है। ये स्थल हर धर्म के लोगों के लिए श्रद्धा का केंद्र बने हुए हैं। इसके अलावा हाजी अली दरगाह (मुंबई) भी एक प्रसिद्ध सूफी स्थल है।

पहलगाम में क्रूरता

शायद 1965 भूल गया पाकिस्तान

प्रेम शर्मा

पहलगाम में जो हुआ वह मानवता के साथ क्रूरता और आतंकियों नीचता, कायरता की पराकष्ठा थी। कश्मीर में अन्दरूनी और बाहरी रूप से जो देश विरोधी गतिविधिया लम्बे अरसे से चल रही है। राजनीति के चक्कर में जिसकी अनदेखी स्थानीय और केन्द्र सरकार कर रही है यह उसी का परिणाम है। भारत के अन्दर देश का अन्न पानी खाकर आतंकियों के समर्थक इस देश को अन्दर अन्दर खोखला कर रहे है। देश का सिर कश्मीर लम्बे अरसे से खून-खच्चर हो रहा है। यही वजह थी कि 1965 का भारत-पाक युद्ध, जिसे कश्मीर का दूसरा युद्ध भी कहा जाता है, 1965 में हुआ था। यह युद्ध जम्मू और कश्मीर राज्य के लिए था और पाकिस्तान ने इसे शुरू किया था जब उसने जम्मू और कश्मीर में ऑपरेशन जिब्राल्टर के तहत सैनिक घुसपैठ की. यह युद्ध 23 सितंबर 1965 को समाप्त हुआ जब दोनों देशों ने संयुक्त राष्ट्र के आह्वान पर युद्धविराम की घोषणा की थी। एक बार फिर पाक की नापाक हरकत ने हमें 1965 की याद दिलाई है जिसमें वह मुंह की खा चुका है। लेकिन अब समय बदल चुका है। अगर अब 1965 वाली नौबत आई तो निश्चित तौर से पाकिस्तान तबाह होगा। बहरहाल देश की खुफिया एजेन्सी, बार्डर पुलिस, स्थानीय पुलिस को पहलगाम घटना पर मंथन अवश्य करना चाहिए। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ कई जवाबी कदम उठाए हैं। इनमें सिंधु जल संधि को निलंबित करना, अटारी-वाघा सीमा बंद करना, पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करना और रक्षा अटैचेज को पर्सोना नॉन ग्राटा घोषित करना शामिल है।इसके अलावा देश के हर राज्य की सरकारों ने अवैध रूप से भारत में रहने वाले पाकिस्तानी और बाग्लादेशियों को खदेड़ना शुरू कर दिया है। सिंधु जल समझौते को स्थगित करने की घोषणा ने पाकिस्तान को सबसे ज्यादा चिंतित किया है। यह बहुत बड़ी घोषणा है और इसके निहितार्थ दूर तक जाते हैं।

लेकिन भारत का मकसद भी यही है कि सब इस तथ्य को अच्छी तरह समझ लें कि ऐसे हमलों को रोकने के लिए वह किसी भी हद तक जा सकता है। आखिर, दशकों से सीमापार आतंकवाद को बंद करने की भारत की अपील को पाकिस्तान अनदेखा करता आया है। पहलगाम आतंकी हमले पर गुरुवार को हुई सर्वदलीय बैठक में भारतीय राजनीति का वह रूप दिखा, जिसकी जरूरत थी। सभी दलों ने एक स्वर में सरकार से कहा कि आतंक को मुंहतोड़ और निर्णायक जवाब देने के लिए जो भी जरूरी हो, किया जाए। इससे पहले जम्मू-कश्मीर, खासकर घाटी में जिस तरह से आम लोगों ने सड़कों पर निकलकर इस आतंकवादी हमले की भर्त्सना की, वह पूरी दुनिया के लिए स्पष्ट संदेश है। उरी में आतंकी हमले के बाद भारतीय पीएम ने कहा था कि सिंधु में जल और खून एक साथ नहीं बह सकते। इस बार सरकार इसी पर आगे बढ़ी है। हालांकि इतना काफी नहीं है। पुलवामा और पहलगाम जैसी घटनाओं से बचने के लिए ज्यादा निर्णायक और सटीक कदम उठाने की जरूरत है। सभी को याद होगा कि भारत ने पुलवामा का जवाब बालाकोट से दिया था। वह अप्रत्याशित और साहसिक कदम था। हालांकि इसके बाद भी सीमा पार आतंकवाद खत्म नहीं हुआ। इसकी वजह है आतंकियों तक पहुंचने वाली वह सप्लाई चेन, जिसे पाकिस्तान चालू रखे हुए है। वह पिछले कुछ साल से गंभीर आर्थिक संकट में फंसा हुआ है। उसकी गाड़ी आईएमएफ और कुछ सहयोगी देशों के कर्ज से किसी तरह चल रही है। इसके बाद भी वह आतंकवादी गतिविधियों के लिए फंडिंग का जुगाड़ कर लेता है। भारत को इसी फंडिंग को खत्म करना होगा। ज्ञात हो कि पाकिस्तान का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता चीन है। इस्लामाबाद अपने 81 प्रतिशत हथियार पेइचिंग से लेता है। दूसरे नंबर अमेरिका है । इन्हीं हथियारों का इस्तेमाल फिर भारत के खिलाफ किया जाता है। ऐसे में नई दिल्ली को इस बारे में दोनों देशों के साथ स्पष्ट बात करनी चाहिए। 2019 का उदाहरण भी दुनिया के सामने है, जब अमेरिकी रोक के बावजूद पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ एफ 16 का इस्तेमाल किया था। दुनिया को यह बताने की जरूरत है कि पाकिस्तानी सेना को दी गई एक भी गोली किसी टेरर कैंप में पहुंच सकती है।सभी जानते है कि अमेरिका और भारत के करीबी रिश्ते हैं। दूसरी ओर, चीन के साथ सीमा विवाद भले हो, लेकिन आर्थिक रिश्ते मजबूत हैं। 2024 में दोनों के बीच 118 अरब डॉलर से ज्यादा का व्यापार हुआ और इसमें पलड़ा चीन की तरफ झुका हुआ है। अमेरिका और चीन को भारत का बाजार चाहिए। भारत को अपनी इस मजबूत आर्थिक हैसियत का फायदा उठाते हुए साफ कर देना चाहिए कि पाकिस्तान को अब और आर्थिक मदद नहीं। इसी तरह की बातचीत यूएई और सऊदी अरब के साथ भी होनी चाहिए, जहां से इस्लामाबाद को आर्थिक मदद मिलती रहती है। दरअसल पाकिस्तान में आतंक के ढांचे को नेस्तनाबूद करने के खातिर निरंतर प्रयासों की जरूरत है। पाकिस्तान को अहसास दिलाना होगा कि आतंक को संरक्षण देने की नीति कहीं की नहीं छोड़ेगी। इसके बावजूद भारत सरकार द्वारा लिए गए निर्णय के उपरान्त जिस तरह से पाकिस्तान के मंत्री बयानबाज कर रहे है। अन्य राष्ट्रों प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तानी राजदूत गला काटने का इशारा कर रहे है वह इस बॉत का संकेत है कि पाकिस्तान 1965 को भूल गया है। लेकिन अबआतंकवादी हमले की घटना के बाद केंद्र सरकार ने जिस तरह से रिएक्ट किया, उससे साफ हो गया कि देश अब ऐसे हमलों को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है।

आस्था

प्रभु की भक्ति

एक सद्गुरु के शिष्य हैं। जैसे सड़क पर जब हम कोई वर्दी वाला सिपाही देखते हैं, तो हमें उसे देखते ही पुलिस स्टेशन का ध्यान आता है, किसी डाक्टर को देखते हैं तो अस्पताल का ध्यान आता है वैसे ही जब हम किसी निरंकारी महात्मा को देखते हैं तो हमें निरंकार प्रभु का ध्यान आ जाता है कि ये निरंकारी महात्मा निरंकार प्रभु को जानने वाले हैं। इसलिए आपस में नमस्कार करते हैं और धन निरंकार जी कहते हैं। एक कहता है निरंकार धन्य है, तो दूसरा भी आगे से यही कहता है कि निरंकार धन्य है। ऐसी एक-दूसरे के चरणों में झुकने की रीति निरंकार बाबा जी ने चलाई ताकि मनुष्य को पता चल सके कि निरंकार की शक्ति से हम सब इस संसार में चल रहे हैं, खा पी रहे हैं। सृष्टि में अनेक प्रकार के खाद्य पदार्थ, पेड़-पौधे, फल-फूल हैं, जो निरंकार ने हम जीवों के लिए उत्पन्न किए हुए हैं। दिन-रात बनते हैं, ऋतुएं समय-समय पर बदल कर जाती हैं, यह सब कुछ निरंकार की इच्छा से जीवों को सुख देने के लिए हो रहा है। **(क्रमशः)**

आज का राशिफल

मेषः आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। मेहनत का फल मिलेगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। थकान रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। भूमि, आवास की समस्या रह सकती है। संतान से कष्ट रहेगा।

वृषभः मान बढ़ेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। अपनी बुद्धिमत्ता से आप सही निर्णय लेने में सक्षम होंगे। विकास की योजनाएं बनेंगी। निजीजनों में असंतोष हो सकता है।

मिथुनः यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न लें। व्यावसायिक चिंता दूर हो सकेगी। स्वयं के सामर्थ्य से ही भाग्योन्नति के अवसर आएंगे। योजनाएं फलीभूत होंगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी।

कर्क : वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य पर व्यय होगा। विवाद न करें। यात्रा में अपनी वस्तुओं को संभालकर रखें। कर्म के प्रति पूर्ण समर्पण व उत्साह रखें। अधीनस्थों की ओर ध्यान दें। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंहः बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखते हुए कार्य करना चाहिए। व्यापार में कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। आर्थिक स्थिति मध्यम रहेगी।

कन्याः यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। व्यापार में नई योजनाओं पर कार्य नहीं होंगे। जीवनसाथी का ध्यान रखें। नए अनुबंध होंगे। झंझटों में न पड़ें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। कार्य की प्रवृत्ति में यथार्थता व व्यावहारिकता का समावेश आवश्यक है।

तुलाः वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुद्धि एवं तर्क से कार्य में सफलता के योग बनेंगे। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है। अतः उसका परित्याग करें। व्यापार लाभप्रद रहेगा। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। राजकीय बाधा दूर होगी।

वृश्चिक : दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। सकारात्मक विचारों के कारण प्रगति के योग आएंगे। समय ठीक नहीं है। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। लेन-देन में सावधानी रखें। विवाद न करें। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाए रखें।

धनुः व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। आर्थिक स्थिति में प्रगति की संभावना है। अचानक धन की प्राप्ति के योग हैं। राजकीय काम बनेंगे। चिंता रहेगी। संतान से मदद मिलेगी। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें।

मकरः प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। समाज में प्रसिद्धि के कारण सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। आजीविका में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। परिवार की समस्याओं को अनदेखा न करें।

कुंभ : व्यवसाय ठीक चलेगा। कामकाज में धैर्य रखने से सफलता मिल सकेगी। योजनाएं फलीभूत होंगी। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मित्रों में आपका वर्चस्व बढ़ेगा।

मीनः राजकीय सहयोग मिलेगा एवं इस क्षेत्र के व्यक्तियों से संबंध बढ़ेंगे। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। वाणी पर संयम रखें। दूसरों से अपेक्षा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। थकान रहेगी। जोखिम न लें। विवाद से बचें।

आज का पंचांग

28 अप्रैल को वैशाख शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि और सोमवार का दिन है। प्रतिपदा तिथि सोमवार रात 9 बजकर 11 मिनट तक रहेगी। 28 अप्रैल को रात 8 बजकर 2 मिनट तक आयुष्मान योग रहेगा। आयुष्यमान भवः एक आशीर्वाद है जिसे वरिष्ठ लोग छोटों को आयुष्यमान भवः कहकर आशीर्वाद देते हैं। यह आशीर्वाद लंबी आयु के लिए दिया जाता है। ठीक इसी प्रकार ज्योतिष में आयुष्मान योग है, जिसमें किए गए कार्य लंबे समय तक शुभ फल देते रहते हैं। जीवनभर इनका असर बने रहने के कारण इसे आयुष्मान योग कहा जाता है। साथ ही सोमवार रात 9 बजकर 38 मिनट तक भरणी नक्षत्र रहेगा। 28 अप्रैल 2025 का शुभ मुहूर्त

वैशाख शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि- 28 अप्रैल 2025 को रात 9 बजकर 11 मिनट तक

आयुष्मान योग- 28 अप्रैल को रात 8 बजकर 2 मिनट तक

भरणी नक्षत्र- 28 अप्रैल को रात 9 बजकर 38 मिनट तक

सूर्योदय-सूर्यास्त का समय

सूर्योदय- सुबह 5:42 बजे

सूर्यास्त- शाम 6:54 बजे

बजाज आलियान्ज़ जनरल इंश्योरेंस ने क्लाइमेटसेफ पेश किया

● पॉलिसी तुरंत जारी, पूरी तरह से डिजिटल ● ग्राहक साल में कई पॉलिसियां खरीद सकते हैं ● जोखिम अवधि एक दिन जितनी कम हो सकती है ● दावे ऑटोमैटिक से 7 दिनों के भीतर निपटाए जाते हैं

मौसम जनित जोखिमों के खिलाफ तुरंत क्लेम देने और मनमाफिक सुरक्षा देने वाला

पुणे। भारत की प्रमुख निजी जनरल इंश्योरेंस कंपनियों में से एक बजाज आलियान्ज़ जनरल इंश्योरेंस ने क्लाइमेटसेफ नामक एक नया बीमा प्रोडक्ट लॉन्च किया है। जलवायु परिवर्तन से जुड़ी घटनाओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए, यह प्रोडक्ट उन लोगों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है जो इसके प्रभावों से सबसे ज्यादा जद में आते हैं। यह बीमा विशेष रूप से खुदरा ग्राहकों, ऑफिस जाने वालों, ऑटो/टैक्सी चालकों, खुदरा दुकान मालिकों, डिलीवरी एजेंटों, घरेलू सेवा देने वाले प्रोफेशनल, गिग वर्कर्स, घरों में रहने वालों और कार्यक्रमों में भाग लेने वालों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जिन्हें ज्यादा गर्मी, ठंडी लहरों और भारी बारिश जैसी जलवायु घटनाओं के कारण इनकम में कमी या खर्चों में वृद्धि का सामना करना पड़ता है।

क्लाइमेटसेफ इंश्योरेंस में उन स्थितियों को कवर किया गया है जिनमें अत्यधिक गर्मी के कारण बढ़े हुए बिजली बिल, यात्रा में अप्रत्याशित खर्च, खराब मौसम के कारण ग्राहकों की संख्या में कमी से बिक्री में गिरावट, बाढ़ के कारण सप्लाई चेन में देरी, लंबे समय तक बारिश से होने वाले रिसाव, भारी बारिश के कारण दुर्घटनाएं, गंभीर मौसम के कारण डेली वेज वर्कर्स के इनकम में नुकसान, बाढ़ और गर्मी की लहरों से घरेलू सामानों की क्षति, और खराब मौसम के कारण प्रोग्राम का कैन्सल हो जाना शामिल हैं। क्लाइमेटसेफ एक नया और आसान बीमा प्रोडक्ट है, जिसे ग्राहक साल में कई बार खरीद सकते हैं। इसमें क्लेम बिना किसी ज्यादा सूचना और कम से कम डॉक्यूमेंट्स के साथ

ऑटोमैटिक सात दिनों के भीतर निपटा दिए जाते हैं। यह बीमा प्रोडक्ट वास्तविक समय के मौसम डेटा के आधार पर प्रीमियम और कवरेज प्रदान करता है। ग्राहक अपनी सुविधा के अनुसार जोखिम स्थान, जोखिम अवधि (1 दिन से 30 दिन तक), मौसम जोखिम (अत्यधिक बारिश, कम तापमान, उच्च तापमान) और बीमित राशि का चयन कर सकते हैं।

क्लाइमेटसेफ की घोषणा पर बोलते हुए बजाज आलियान्ज़ जनरल इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक और सीईओ डॉ. तपन सिंघल ने कहा, जलवायु परिवर्तन से हर किसी का सामना होता राहत है। बेशक यह हमारे रोजमर्रा के जीवन को अक्सर मुश्किल भरे तरीकों से प्रभावित करता है। मौसम में उतार चढ़ाव के कारण फ्लाइट के कैन्सल होने से लेकर लॉजिस्टिक्स, सप्लाई चेन और दैनिक यात्राओं में देरी तक, और जलवायु से संबंधित घटनाओं का फाइनैन्शल और ईमोशनल प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है। हम बजाज आलियान्ज़ जनरल इंश्योरेंस के लोग मानते हैं कि इससे निपटने के लिए निर्णायक कदम उठाने का समय आ गया है।

उन्होंने आगे कहा कि हमने हमारी कस्टमर-फर्स्ट के माइन्ड्सेट और नवाचार (द्बठ्ठठ्ठश1ड्डह्लद्बशठ्ठ) की विरासत के साथ, क्लाइमेटसेफ पेश किया है, जो भारत में अपनी तरह की पहली जलवायु जोखिम सुरक्षा नीति (ष्द्यद्बद्वड्डह्लद्ग ह्म्द्बह्यद्म श्चह्म्शह्लद्गष्ह्लद्बशठ्ठ श्चशद्यद्बष्4) है। यह प्रोडक्ट जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ती अनिश्चितता से आजीविकाओं की रक्षा करता है।

पीएनबी की जिस शाखा में हुआ अरबों का बैंक घोटाला

अब वहां ऑर्गेनिक कॉफी का मज़ा ले रहे लोग

मुंबई एजेंसी। मुंबई में पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की ब्रैडी हाउस शाखा एक समय देश के सबसे बड़े बैंक घोटालों में से एक की वजह से पूरे देश में चर्चा में रही थी, अब

वहां लोग आराम से बैठकर ऑर्गेनिक कॉफी का आनंद ले रहे हैं। दरअसल पीएनबी की यह शाखा अब एक कैफे में बदल चुकी है, जहां लोग आरामदायक सोफों पर बैठकर कॉफी का आनंद लेते हैं। बैकग्राउंड में बज रहा हल्का संगीत माहौल को और खुशनुमा बना देता है।

प्रतिबंध के बावजूद 10 अरब डॉलर का भारतीय सामान पहुंचा पाक

जीटीआरआई का बड़ा दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार काफी समय से बंद हैं, इसके बावजूद करीब 10 अरब डॉलर की कीमत का भारतीय सामान पाकिस्तान के बाजार में पहुंचा है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव ने यह दावा किया है। 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान से लगती अटारी सीमा पर स्थित एकीकृत चेक पोस्ट को भी बंद कर दिया है।

किस तरह से पाकिस्तान के बाजार में पहुंच रहा भारतीय सामान- जीटीआरआई ने दावा किया है कि कुछ फर्म दुबई, सिंगापुर और कोलंबो के बंदरगाह का इस्तेमाल कर भारतीय

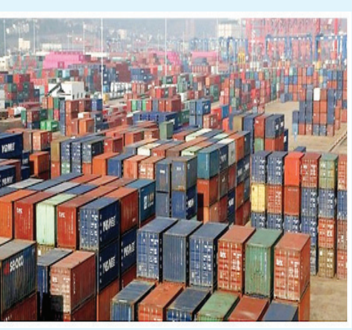

सामान को पाकिस्तान पहुंचा रही हैं। इसके चलते प्रतिबंध के बावजूद भारतीय सामान बदस्तूर पाकिस्तान पहुंच रहा है। जीटीआरआई ने दावा किया है कि इस रूट्स के जरिए सालाना 10 अरब डॉलर का सामान पाकिस्तान जा रहा है। जीटीआरआई ने बताया कि भारतीय फर्म इन बंदरगाहों पर अपना सामान भेजती हैं, जहां स्वतंत्र फर्म इस सामान को जहाजों से उतारकर बंदरगाह के गोदामों में स्टोर करती हैं। बंदरगाह के इन गोदामों में सामान के लेबल को बदला जाता है और उसे मेड इन यूएई या अन्य देश का लेबल चिपकाया जाता है। इसके बाद इस सामान को पाकिस्तान भेज दिया जाता है। इस तरीके से फर्म्स भारत-पाकिस्तान के बीच व्यापार प्रतिबंध के बावजूद सामान को पाकिस्तान भेजने में सफल रहती हैं। इस तरह से कंपनियां ज्यादा कीमत पर सामान बेच पाती हैं। उदाहरण के लिए एक भारतीय फर्म एक लाख डॉलर के ऑटो पार्ट्स दुबई भेजती है। वहां लेबल बदलने के बाद यही उत्पाद पाकिस्तान में एक लाख 30 हजार डॉलर में बेचे जाते हैं। इस अधिक कीमत में गोदाम, कागजी कार्रवाई का खर्च भी शामिल होता है।

ट्रंप टैरिफ के बाद टूट गया था टाटा मोटर्स का शेयर, अब चीन ने भी दिया झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा मोटर्स के शेयर आने वाले दिनों में फोकस में रह सकते हैं। कंपनी के शेयर ट्रंप टैरिफ के बाद से ही लगातार गिर रहे थे। इस बीच अब चीन ने एक और झटका दे दिया है। बता दें कि टाटा समूह के शेयर में बीते शुक्रवार को 3 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई और यह 654.15 रुपये पर बंद हुए। टाटा मोटर्स के शेयर इस साल अब तक करीबन 15 प्रतिशत तक गिर गए।

चीन ने दिया झटका

बता दें कि चीन द्वारा भारत को दुर्लभ पृथ्वी चुम्बकों की आपूर्ति रोक दिए जाने के बाद गुरुवार और शुक्रवार को टाटा मोटर्स लिमिटेड के शेयरों में गिरावट देखी गई। उद्योग सूत्रों के अनुसार, चीन से होने वाले पलायन के कारण भारतीय ईवी और कंपोनेंट निर्माताओं के लिए विनिर्माण संबंधी समस्याएं पैदा हो रही हैं। इस निर्णय के परिणामस्वरूप, वाहन और घटक निर्माताओं ने सरकार से सहायता मांगी है। सीएनबीसी टीवी 18 के सूत्रों के अनुसार, चीन ने 4 अप्रैल से भारत को दुर्लभ पृथ्वी चुम्बकों की आपूर्ति प्रतिबंधित कर दी है और अब आधिकारिक रूप से अधिकृत दुर्लभ पृथ्वी चुम्बकों की खेप जारी करने से पहले लास्ट यूजर्स सर्टिफिकेट का अनुरोध कर रहा है। पड़ोसी देश ने यह भी निर्दिष्ट किया है कि आयातकों को भारत के विदेश मंत्रालय और चीनी वाणिज्य दूतावास दोनों द्वारा हस्ताक्षरित अंतिम उपयोगकर्ता प्रमाणपत्र प्राप्त करना होगा। आयातकों को यह भी पुष्टि करनी होगी कि दुर्लभ पृथ्वी चुम्बकों का उपयोग हथियारों के निर्माण या तीसरे पक्ष को वितरित करने के लिए नहीं किया जाएगा। दुर्लभ पृथ्वी चुम्बक ट्रैक्शन मोटर्स और इलेक्ट्रिक वाहनों और कारों के अन्य कंपोनेंट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा, ऑटो और ऑटो पार्ट्स पर लगाए गए 25 प्रतिशत आयात शुल्क लगने के बाद पिछले तीन महीनों में टाटा मोटर्स के शेयरों में लगभग 27 प्रतिशत की गिरावट आई थी, जिसमें मार्च के अंत से लेकर अब तक 17 प्रतिशत की गिरावट शामिल है।

शेयरों के हाल

पैसेंजर और कमर्शियल व्हीकल निर्माता टाटा मोटर्स लिमिटेड के शेयरों में जनवरी-मार्च अवधि के दौरान रिटेल निवेशकों द्वारा लगातार खरीद जारी रही, जबकि शेयर ने जुलाई 2024 में अपने शिखर 1179.05 रुपये से लगभग 44 प्रतिशत गिर गए। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर कंपनी द्वारा साझा किए गए नवीनतम शेयरधारिता पैटर्न के अनुसार, टाटा मोटर्स में खुदरा शेयरधारिता, या 2 लाख तक की अधिकृत शेयर पूंजी वाले लोगों की हिस्सेदारी 17.35 प्रतिशत थी, जबकि दिसंबर तिमाही के अंत में उनके पास 16.83 प्रतिशत हिस्सेदारी थी (कुल मिलाकर, टाटा मोटर्स के शेयर रखने वाले रिटेल शेयरधारकों की संख्या दिसंबर के अंत में 63.4 लाख से बढ़कर मार्च के अंत में 66 लाख हो गई। वास्तव में, टाटा मोटर्स में रिटेल शेयरधारिता तब से ही बढ़ी है जब पिछले साल शेयर ने 1,179 का रिकॉर्ड उच्च स्तर बनाया और गिरना शुरू हुआ। सितंबर 2024 की तिमाही के अंत में, टाटा मोटर्स में रिटेल शेयरधारिता 14.73 प्रतिशत या 56.14 लाख थी।

भारत में लोगों की आय में ठहराव, मारुति-सुजुकी इंडिया के चेयरमैन की टिप्पणी का हवाला देकर बोले रमेश

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के केवल शीर्ष 12 प्रतिशत परिवार ही कार खरीद सकते हैं और इस स्थिति का मूल कारण भारत की बड़ी आबादी की आय में आई व्यापक स्थिरता है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शनिवार को यह बात कही। रमेश ने मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आरसी भार्गव की टिप्पणी का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने दावा किया कि भारत में कार खरीदना केवल 12 प्रतिशत परिवारों तक ही सीमित है। कांग्रेस नेता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पूरा देश अब भी गहरी पीड़ा और सदमे की स्थिति में है। पहलगाम में हुए

क्रूर आतंकवादी हमले ने हमारे जीवन पर गहरा असर डाला है। उन्होंने कहा, फिर भी, हम मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन द्वारा आज कही गई बातों पर ध्यान दिए बिना नहीं रह सकते, जिसका अर्थव्यवस्था पर बहुत प्रभाव पड़ता है। उन्होंने भार्गव के बयान का हवाला देते हुए कहा कि भारत में कार खरीदना मुख्य रूप से शीर्ष 12 प्रतिशत परिवारों तक ही सीमित है। जिनकी वार्षिक आय 12 लाख रुपये से अधिक है। रमेश ने बताया कि भार्गव के अनुसार, शेष 88 प्रतिशत परिवारों के लिए छोटी कारों के बारे में सोचना भी संभव नहीं है। मारुति के परिणामों के अनुसार कंपनी की बिक्री में लगभग 9 प्रतिशत की गिरावट आई है। 2023-2024 और 2024-25 के बीच कुल यात्री वाहनों की बिक्री में केवल 2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भार्गव ने कहा कि आगामी वर्ष में भी वृद्धि दर केवल 1-2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। रमेश ने अपने पोस्ट में दावा किया, इस स्थिरता का मूल कारण भारत के अधिकांश की वास्तविक आय में आया व्यापक ठहराव है।

ढीले पड़ गए चीन के तेवर!

अमेरिकी सामानों पर आयात शुल्क में दे सकता है छूट

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी टैरिफ को लेकर चीन के तेवर कुछ ढीले पड़ते नजर आ रहे हैं। चीन की सरकार अब ये सोच रही है कि क्या कुछ जरूरी सामानों को अमेरिकी चीजों पर लगाए गए 125 प्रतिशत के टैक्स से हटाया जाए या नहीं। ये बात चीन में मौजूद एक अमेरिकी बिजनेस ग्रुप के हेड ने कही है।

इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स इन चाइना के प्रेसिडेंट माइकल हार्ट ने बीजिंग में एक इवेंट में

बताया कि चीन के कॉमर्स मिनिस्ट्री के अधिकारियों ने चीन में कई बिजनेस से बात की। उन्होंने ये पता लगाने की कोशिश की कि अमेरिका से आने वाले कौन से सामान सप्लाई चेन के लिए बहुत जरूरी हैं। साथ ही उन सामानों पर चीन के नए टैक्स का क्या असर होगा, ये भी जानने की कोशिश की गई।

कारोबार को होगा नुकसान

हार्ट ने कहा, कुछ कंपनियों ने बताया है कि अगर लंबे समय तक टैक्स की लड़ाई चलती रही, तो उनका बिजनेस चीन में नहीं चल पाएगा और उन्हें यहां से निकलना पड़ेगा। हमने ये बात चीन की सरकार को बताई क्योंकि वे चाहते हैं कि विदेशी कंपनियां चीन में आकर इन्वेस्ट करें। हार्ट ने ये भी कहा कि जीवन बचाने वाली दवाइयां और हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स सबसे ज्यादा चिंता का विषय हैं। मतलब, इन चीजों पर टैक्स लगने से लोगों को परेशानी हो सकती है।

चीन के लिए बड़ी चुनौती

ये ट्रेड टेंशन चीन के आर्थिक विकास के लिए एक बड़ी चुनौती है। चीन का आर्थिक विकास एक्सपोर्ट पर बहुत ज्यादा निर्भर करता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस महीने चीन से अमेरिका में आने वाले आधे से ज्यादा सामानों पर टैक्स को 145 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है।

चीन के दक्षिणी हिस्से में कुछ फैक्ट्रियों ने इस महीने की शुरुआत से ही काम करना बंद कर दिया है। इससे ये डर है कि चीन में बेरोजगारी बढ़ सकती है। वहीं चीन के अधिकारियों ने अमेरिका से आने वाले सामानों पर भारी टैक्स लगाकर जवाब दिया है। साथ ही, वे लोगों को चीन में बने प्रोडक्ट्स खरीदने के लिए भी प्रोत्साहित कर रहे हैं।

रामराज कॉटन ने अभिनेत्री मीनाक्षी चौधरी को मृथु टॉवल के लिए ब्रांड एंबेसडर बनाया

● मृथु टॉवल बांस की कोमलता और कपास की शुद्धता को एक साथ लाता है, जो आराम, सुंदरता और दैनिक की विलासिता का एक प्रीमियम मिश्रण प्रदान करता है

मुंबई। पारंपरिक और एथनिक कपड़ों के लिए भारत के प्रमुख ब्रांड रामराज कॉटन ने अभिनेत्री मीनाक्षी चौधरी को अपने नए लॉन्च किया गया प्रीमियम टॉवल रेंज, मृथु टॉवल के लिए ब्रांड एंबेसडर के रूप में घोषित किया है। प्रीमियम होम टेक्सटाइल सेगमेंट में अपनी शुरुआत करता हुआ, मृथु टॉवल कलेक्शन में चार सोची-समझी श्रेणियों में 100त्न प्रीमियम कॉटन और बांस के रेशों से तैयार की गई विलासिता, कम्फर्ट और पर्यावरण के प्रति जागरूक डिज़ाइन का मिश्रण है। ब्रांड के पहले महिला के चेहरे के रूप में, मीनाक्षी चौधरी एक सुंदर और समकालीन आकर्षण लेकर आई हैं, जो नए ब्रांड के लिए नए अध्याय का प्रतीक है। यह घोषणा रामराज कॉटन के प्रबंध निदेशक श्री बी आर. अरुण ईश्वर ने की। मीनाक्षी चौधरी के द्वारा 360 - डिग्री अभियान जल्द

ही टेलीविजन, डिजिटल, प्रिंट और रीटेल प्लेटफार्मों पर लॉन्च किया जाएगा, जो ब्रांड के गुणवत्ता, कम्फोर्ट और सांस्कृतिक गौरव के कालातीत मूल्यों को उजागर करेगा।

मृथु टॉवल संग्रह में मॉर्डन लैफ़ स्टैल के अनुरूप चार सोच-समझकर डिज़ाइन की गई चार श्रेणियाँ हैं- सिग्नेचर संग्रह, इटालियन और जर्मन सौंदर्य शास्त्र से प्रेरित हैं, जिसमें 32 प्रीमियम कॉटन बुनाई पैटर्न प्रदर्शित किए गए हैं जो उच्च अवशोषण, रंग प्रतिधारण और कोई सिकुड़न नहीं होने का वादा करते हैं। द बेंबू टॉवल, यह 100त्न बांस के गूदे से बने टॉवल्स, बेहतर जल अवशोषण और जल्दी सूखने वाली विशेषताओं के साथ एक रेशमी - मुलायम स्पर्श प्रदान करते हैं। द प्लश टेरी टॉवल रेंज में कॉटन और बांस के मिश्रण है, जो स्नान के लिए, हाथ के लिए, दोपहर के भोजन के लिए, चेहरे और जूनिया टॉवल सहित विभिन्न प्रकार के टॉवल में उपलब्ध हैं। स्ट्रैप्ड और चेक्ड टॉवल्स रेंज को पूरा करते हुए, रंग स्थिरता, कोमलता और स्थायी गुणवत्ता के साथ दैनिक जरूरतों को पूरा करते हैं।

रामराज कॉटन के प्रबंध निदेशक श्री अरुण ईश्वर ने कहा, मृथु टॉवल का लॉन्च हमारे ग्राहकों के लिए असाधारण गुणवत्ता, अभिनव डिज़ाइन और संधारणीय विकल्प प्रदान करने के लिए रामराज कॉटन के अटूट समर्पण का उदाहरण है।

होम लोन पर 4 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी, मोदी सरकार की स्कीम से पूरा होगा घर का सपना

नई दिल्ली, एजेंसी। अपने घर का सपना हर कोई देखता है लेकिन इसे साकार करना इतना आसान नहीं होता है। आपके इस सपने को साकार करने में अब केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार भी मदद कर रही है। दरअसल, मोदी सरकार ने साल 2015 में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी की शुरुआत की थी। इस योजना के दूसरे एडिशन पीएमएवाय 2.0 की भी शुरुआत हो चुकी है। इसे शहरी क्षेत्रों में किफायती लागत पर घर बनाने, खरीदने या किराए पर लेने के लिए शहरी गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। लाभार्थी राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों/यूएलबी/पीएलआई की सहायता से या पीएमएवाई-यू 2.0 के एकीकृत वेब पोर्टल के

माध्यम से ऑनलाइन आवेदन जमा करके योजना के चार कैटेगरी में से किसी एक का चयन कर सकते हैं। हम आपको इन कैटेगरी में से एक- ब्याज सब्सिडी योजना के बारे में बता रहे हैं।

ब्याज सब्सिडी योजना- इसके तहत, ईडब्ल्यूएस/एलआईजी और एमआईजी परिवारों के लिए 25 लाख रुपये तक के होम लोन पर 4 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी प्रोवाइड की जाती है। यह सब्सिडी पांच वार्षिक किस्तों में प्रदान की जाएगी, जिसमें अधिकतम सब्सिडी 1.80 लाख रुपये होती है।

किस तरह के होंगे मकान- पीएमएवाई-यू 2.0 के अंतर्गत एक नए पक्के घर में कम से कम 2 कमरे, रसोईघर और एक शौचालय/स्नानघर होगा।

कमाई के हिसाब से कैटेगरी

योजना के तहत इडब्ल्यूएस कैटेगरी को 3 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले परिवारों के रूप में परिभाषित किया गया है। इडब्ल्यूएस से मतलब आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए है। वहीं, निम्न आय समूह को एलआईजी कैटेगरी में रखा गया है। इस कैटेगरी को 3 लाख रुपये से 6 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले परिवारों के रूप में पहचान है। मध्यम आय वर्ग को 6 लाख रुपये से 9 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले परिवारों के रूप में परिभाषित किया गया है।

श्रीलंका के खिलाफ मैच में काली पट्टी बांधकर क्यों उतरी भारतीय टीम?

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल (मंगलवार) को आतंकी हमला हुआ था. इस हमले में 26 पर्यटकों की मौत हुई थी और कुछ लोग घायल हुए थे. स्त्रद्ब आतंकी हमले के बाद पूरे देश में गम और गुस्से का माहौल है. क्रिकेट जगत के सितारे भी इस घटना पर दुख और आक्रोश जता रहे हैं और आतंकियों के विरुद्ध कड़ा एक्शन लेने की मांग कर रहे हैं.

अब भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी 27 अप्रैल (रविवार) को श्रीलंका के खिलाफ ट्राई सीरीज के ओपनिंग मैच में काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरीं. हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम ने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के प्रति सम्मान और एकजुटता दिखाने के लिए ऐसा किया. यह मुकाबला कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेला गया है.

टीम इंडिया से निकाले जाने के बाद अभिषेक नायर को मिली दूसरी नौकरी

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व असिस्टेंट कोच अभिषेक नायर अब टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा नहीं हैं. हाल ही में बीसीसीआई ने उन्हें नौकरी से निकाल दिया था. हालांकि, टीम से बाहर होने के बाद टी20 लीग में उनकी मांग बढ़ गई है. पहले नायर की IPL में वापसी हुई और वो अपनी पिछली फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स से जुड़े. इस बीच उन्हें अब दूसरी नौकरी भी मिल गई है. दरअसल, टी20 मुंबई लीग के तीसरे एडिशन के लिए मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स ने उन्हें अपना मेंटॉर बनाया है. यानि आईपीएल खत्म होने के बाद वो खाली नहीं बैठेंगे. टी20 मुंबई लीग में दो नई टीमों को शामिल किया गया है. मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स भी उनमें से एक है. आईपीएल 2025 खत्म होने के ठीक बाद 26 मई शुरू होने वाले इस लीग में नायर मेंटॉर की भूमिका में दिखेंगे. वो मुंबई के पूर्व तेज गेंदबाज और टीम के हेड कोच अमित दानी के साथ काम करेंगे. नायर की 7 मई को होने वाली नीलामी के दौरान टीम की मदद करेंगे. नायर 2024 में खिताब जीतने वाली कोलकाता के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे. फिर टीम के आईपीएल चैंपियन बनने के बाद मेंटॉर रहे गौतम गंभीर को टीम इंडिया का हेड कोच बनाया गया था. उनके साथ ही नायर को भी बतौर असिस्टेंट कोच टीम इंडिया में शामिल किया गया था. मगर 10 महीने से भी कम समय में उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया. नायर पर ये एक्शन जनवरी में हुई बीसीसीआई की रिव्यू मीटिंग के बाद हुआ था.

भारतीय खिलाड़ियों को नजरअंदाज कर रहे रिकी पॉन्टिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब किंग्स की गिनती सबसे कमजोर टीमों में होती थी. लेकिन हेड कोच रिकी पॉन्टिंग और श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में आईपीएल 2025 में पंजाब ने शानदार प्रदर्शन किया है. ये टीम 9 मैचों में 11 अंक हासिल कर चुकी है

और फिलहाल पॉइंट्स टेबल में चौथे नंबर पर मजबूत है. इस बार पंजाब किंग्स को चैंपियन बनने का बड़ा दावेदार भी बताया जा रहा है. इसके बावजूद पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा है कि वो ट्रॉफी जीतती हुई नहीं दिख रही है. इतना ही नहीं उन्होंने हेड कोच पॉन्टिंग की रणनीति पर सवाल भी खड़े किए हैं. साथ ही उन पर भारतीय खिलाड़ियों को नजरअंदाज करने का भी आरोप लगाया है.

मनोज तिवारी ने क्यों लगाया आरोप?

मनोज तिवारी ने ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स के मैच के आधार पर रिकी पॉन्टिंग पर आरोप लगाया.

आईपीएल 2025

मैच धुलने से पंजाब-कोलकाता की बढ़ी मुश्किलें...

आईपीएल प्लेऑफ का बिगड़ा गणित

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियन प्रीमियर 2025 में 26 अप्रैल (शनिवार) को कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स का मैच बारिश के चलते बेनतीजा रहा. ईडन गार्डन्स में आयोजित इस मुकाबले में पंजाब किंस ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए चार विकेट पर 201 बनाए थे.

जवाब में केकेआर ने एक ओवर में बिना किसी नुकसान के 7 रन बनाए, जिसके बाद बारिश के चलते खेल आगे नहीं हो पाया. मैच धुलने के चलते कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स दोनों को 1-1 अंक मिले. पंजाब किंग्स अब 9 मैचों में 11 अंकों के साथ अंकतालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई है. वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स के पास अब 9 मैचों में 7 अंक हैं और वो 7वें स्थान पर है. इस नतीजे के चलते पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स दोनों को नुकसान पहुंचा है. दोनों ही टीमें पूरे 2 अंक लेने के मकसद से इस मैच में उतरी थीं, लेकिन बारिश ने मजा किरकिरा कर दिया. पंजाब किंग्स को अब प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अपने बाकी पांच में से तीन मैच जीतने होंगे. यानी पंजाब की टीम पर प्रेशर बढ़ गया है. गुजरात टाइटन्स दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु जैसी टीमें 12 -12 अंकों के साथ पंजाब किंग्स से आगे है. पंजाब-कोलकाता का मैच धुलने से खासकर आरसीबी काफी खुश होगी. उधर कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए समीकरण थोड़ा और टफ हो गया है. कोलकाता नाइट राइडर्स को प्लेऑफ में आसानी से पहुंचने के लिए अब अपने शेष सभी पांच मैच जीतने होंगे. यदि केकेआर एक भी मैच गंवाती है तो उसका प्लेऑफ में पहुंचना बेहद मुश्किल हो जाएगा. लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस जैसी टीमें भी पॉइंट्स टेबल में केकेआर से आगे हैं.

आईपीएल 2025 की ताजा अंकतालिका: आमतौर पर प्लेऑफ में क्वालिफाई करने के लिए कम से कम 16 अंक चाहिए होते हैं. लेकिन कभी-कभी 14 अंकों पर भी टीमें क्वालिफाई कर जाती हैं, अगर उनका नेट रन रेट अच्छा हो. जैसे कि पिछले आईपीएल सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 14 अंकों के साथ प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया था. पिछले सीजन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु शुरुआती आठ मैचों में से केवल एक ही जीत पाई थी. लेकिन, उसने अपने आखिरी छह मैच जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाई.

अजिंक्य रहाणे की अगुवाई में कोलकाता नाइट राइडर्स अब मंगलवार (29 अप्रैल) को दिल्ली कैपिटल्स का उसके होमग्राउंड पर सामना करेगी. जबकि श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स 30 अप्रैल (बुधवार) को पांच बार की चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स से उसके घर पर भिड़ेगी.

प्रभसिमरन सिंह ने रचा इतिहास

● आईपीएल में ये खास रिकॉर्ड बनाने वाले पहले अनकैप्ड प्लेयर बने

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने शनिवार को खेले गए मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 49 गेंदों में 83 रनों की शानदार पारी खेली. उन्होंने प्रियांश आर्य के साथ पहले विकेट के लिए 120 रनों की पारी खेली. पहला विकेट टीम को प्रियांश आर्य के रूप में गिरा, जिन्होंने 35 गेंदों में 69 रन बनाए. इस पारी में उन्होंने 4 छक्के और 8 चौके जड़े. इसके बाद प्रभसिमरन सिंह अपने शतक से चूक गए, उन्होंने 49 गेंदों में 6 छक्कों और इतने ही चौकों की मदद से 83 रन बनाए. उन्हें वैभव अरोड़ा ने आउट किया, लेकिन इस पारी में प्रभसिमरन ने ऐसा कुछ किया जो आज तक पंजाब के लिए किसी अनकैप्ड प्लेयर ने नहीं किया.

सुरक्षा में आया खास हथियार, पहलगाम आतंकी हमले के बाद बड़ी पहल

नई दिल्ली, एजेंसी। 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया. इस हमले में निर्दोष लोगों की जान जाने के बाद देशभर में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है. इसका असर खेलों की दुनिया, खासतौर पर क्रिकेट पर भी पड़ा है, जो भारत में सिर्फ एक खेल नहीं बल्कि भावना है. इसी कड़ी में अब भारतीय प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के सभी मैचों में सुरक्षा को और मजबूत करने का फैसला लिया गया है. इस दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, हर स्टेडियम पर एयरस्पेस को सुरक्षित रखने के लिए अत्याधुनिक एंटी-ड्रोन सिस्टम वज्र सुपर शॉट की तैनाती की जा रही है.

डिजिटल प्रीमियम स्टोरी

कोलकाता में केकेआर बनाम पंजाब किंग्स के मैच से शुरू होकर, हर आईपीएल 2025 वेन्यू पर एंटी-ड्रोन सिस्टम तैनात किया गया. भारतीय एंटी-ड्रोन सिस्टम, जिसे ÷वज्र सुपर शॉट के नाम से जाना जाता है, आईपीएल 2025 के हर मैदान पर एयरस्पेस की सुरक्षा के लिए तैनात किया जाएगा. यह पहल एक निजी कंपनी द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से ली जा रही है, जो हाल ही में कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के मद्देनजर उठाया गया कदम है. यह एंटी-ड्रोन सिस्टम स्टेडियम के 4 किलोमीटर के दायरे में किसी भी ड्रोन की पहचान कर सकता है और उसके कम्युनिकेशन सिग्नल को बाधित कर संभावित खतरे को निष्क्रिय कर सकता है. कोलकाता के ईडन गार्डन्स में चल रहे कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के मैच से इसकी शुरुआत की गई है और इसे आईपीएल 2025 के शेष सभी मैचों में लागू किया जाएगा. 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद से क्रिकेट देश में एक बड़ा चर्चा का विषय बन गया है. पूर्व भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने भी पाकिस्तान के साथ सभी क्रिकेट संबंधों को समाप्त करने की वकालत की. गांगुली ने कहा, 100 प्रतिशत, भारत को पाकिस्तान से क्रिकेट संबंध तोड़ना चाहिए.

सख्त कदम उठाए जाने चाहिए. यह मजाक बन गया है कि हर साल इस तरह की घटनाएं होती हैं. आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता. बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने भी स्पष्ट किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट शुरू होने की कोई संभावना नहीं है. उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच 2012 के बाद से कोई सीरीज नहीं खेली गई है और आगे भी ऐसा नहीं होगा. इसके अलावा क्रिकेट जगत के सभी दिग्गजों ने इस पर आक्रोश जताया है. आईपीएल मैच के दौरान सभी टीमों ने काली पट्टी बांधकर अपने मैच खेले.

अजय जडेजा ने केकेआर पर की भविष्यवाणी

● उनके पास अभी भी खिताब को बचाने का मौका है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व ऑलराउंडर अजय जडेजा को लगता है कि अगर कोलकाता नाइट राइडर्स इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें संस्करण में अपने बचे हुए मुकाबलों में जीत दर्ज करती है तो उनके पास अभी भी अपने खिताब को बचाने की उम्मीद है। 9 मुकाबलों में सात अंक के साथ नाइट राइडर्स ग्रुप चरण में अपने खिताब की रक्षा के लिए संघर्ष कर रही है। कोलकाता जीत की लय हासिल करने के लिए अपनी टीम में बदलाव कर रही है क्योंकि ग्रुप चरण अपने अंतिम चरण की ओर बढ़ रहा है। केकेआर की दो मैचों की हार का सिलसिला उनके घरेलू मैदान ईडन गार्डन में लगातार बारिश के कारण खत्म हो गया और पंजाब किंग्स के खिलाफ उनका मुकाबला धुल गया।

जडेजा ने जियो हॉटस्टार पर कहा, मुझे लगता है कि अगर चयक्रचार में से तीन मैच जीत जाता है, तो उन्हें विश्वास होगा कि उनके पास अभी भी मौका है। मुझे लगता है कि कोई भी टीम ऐसा ही करेगी। जब चार में से चार मैच होते हैं, तो इस प्रारूप के कारण यह वास्तव में कठिन हो जाता है। अगर आप बेहतर टीम हैं या आप काफी अच्छा खेल रहे हैं, तो आपको जीतना चाहिए, लेकिन ऐसे दिन भी आते हैं जब कोई आकर आपको हरा देता है। अगर आप उस गेम को जीतना चाहते हैं, तो आपको अपना विश्वास बनाए रखना होगा।

आईपीएल 2025: अनिल कुंबले की है भविष्यवाणी

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 का रोमांच अपने चरम पर पहुंच चुका है। अंतिम चार यानी प्लेऑफ में पहुंचने की डेथ रेस शुरू हो चुकी है। टूर्नामेंट अभी इस मोड़ पर पहुंच चुका है कि एक जीत हार से किसी का भी समीकरण गड़बड़ हो सकता है। हालांकि, टॉप की चार टीमें कौन हो सकती है, इसके

लेकर अब बड़े-बड़े दिग्गजों ने भविष्यवाणियां शुरू कर दी है। इस क्रम में आईपीएल कमेंट्री पैनल के सदस्य अनिल कुंबले ने प्लेऑफ के लिए चार टीमों का नाम बताया है। अनिल कुंबले ने प्लेऑफ में पहुंचने के प्रबल दावेदार में सबसे ऊपर गुजरात टाइटंस को रखा है। गुजरात टाइटंस की इस सीजन में भले ही हार से शुरुआत हुई थी, लेकिन इसके बाद टीम ने जबरदस्त वापसी की और वह पॉइंट्स टेबल में 8 में से 6 जीत के साथ 12 अंक लेकर पहले स्थान पर है। कुंबले ने गुजरात टाइटंस के बाद दिल्ली कैपिटल्स को दूसरे स्थान पर रखा है। दिल्ली ने भी 8 में से 6 मैच जीते हैं, लेकिन रन रेट के मामले में वह गुजरात से कम है इस कारण वह पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है। अनिल कुंबले ने सबसे चौंकाने वाली भविष्यवाणी मुंबई इंडियंस को लेकर की है। सीजन के शुरुआत में मुंबई बुरी तरह से पिछड़ गई थी, लेकिन टीम ने दमदार वापसी करते हुए 10 अंक हासिल कर लिए हैं। मुंबई के पास अभी कुल 5 मैच बचे है। ऐसे में अगर वह तीन में भी जीत हासिल कर लेती है तो उसका प्लेऑफ में पहुंचना तय हो जाएगा। इस तरह अनिल कुंबले ने अपने लिस्ट में मुंबई इंडियंस को तीसरे स्थान पर रखा है।

मैड्रिड ओपन में बड़ा उलटफेर

जोकोविच अपने पहले मैच में अर्नाल्डी से हारे

नई दिल्ली, एजेंसी। 37 वर्षीय जोकोविच ने पेरिस ओलंपिक में पिछले साल अगस्त में अपना 99वां खिताब जीता था लेकिन इस सत्र में अभी तक एक भी खिताब नहीं जीत पाए हैं। अर्नाल्डी का सामना दामिर जुमहुर से होगा जिन्होंने सेबेस्टियन बाएज को 1-6, 6-1, 6-2 से मात दी।

सर्बियाई स्टार नोवाक जोकोविच शनिवार को यहां मैड्रिड ओपन के पहले दौर में इटली के माटियो अर्नाल्डी से हार गए जिससे 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता की रोलां गैरां से पहले क्लेकोर्ट पर संघर्ष जारी है। अर्नाल्डी ने जोकोविच को 6-3, 6-4 से हराया और उनके करियर का 100वां खिताब जीतने की मुहिम में विलंब किया। यह जोकोविच और 44वीं रैंकिंग के खिलाड़ी अर्नाल्डी के बीच पहली भिड़ंत थी। 37 वर्षीय जोकोविच ने पेरिस ओलंपिक में पिछले साल अगस्त में अपना 99वां खिताब जीता था लेकिन इस सत्र में अभी तक एक भी खिताब नहीं जीत पाए हैं। अर्नाल्डी का सामना दामिर जुमहुर से होगा जिन्होंने सेबेस्टियन बाएज को 1-6, 6-1, 6-2 से मात दी।

महाराष्ट्र ओपन ग्रैंड मास्टर शतरंज में नौ खिलाड़ी संयुक्त रूप से शीर्ष पर

महाराष्ट्र ओपन शतरंज टूर्नामेंट के तीसरे सत्र में शनिवार को आठवें दौर के बाद पांच भारतीयों सहित नौ खिलाड़ी शीर्ष पर है। इन नौ खिलाड़ियों में भारत के नितीश बेलुरकर, नीलाश साहा, अभिजीत गुप्ता, दीप सेनगुप्ता और आयुष शर्मा शामिल है। शीर्ष पर काबिज खिलाड़ियों में अर्मेनिया के पेट्रोसियन मैनुअल, रूस के बोरिस शेवचेंको, जॉर्जिया के टॉरनिके सानिकिडेज और लेवन पैंटुलाया का नाम भी है।

अंगद चीमा ने कपिल देव ग्रांट थॉर्नटन आमंत्रण गोल्फ टूर्नामेंट जीता

चंडीगढ़ के गोल्फर अंगद चीमा ने शनिवार को बंगलूरू में प्रेस्टीज गोल्फशर क्लब में कपिल देव ग्रांट थॉर्नटन आमंत्रण में छह अंडर 66 का कार्ड बनाकर अपना चौथा पेशेवर खिताब जीता। चीमा (66-64-66) के शानदार प्रयास ने उन्हें 54-होल के टूर्नामेंट में कुल 20 अंडर 196 का स्कोर बनाने में मदद की और उन्होंने दो स्ट्रोक के अंतर से पीजीटीआई मुख्य टूर पर अपनी तीसरी जीत दर्ज की। इस जीत के लिए 35 वर्षीय अंगद चीमा को 30 लाख रुपये का पुरस्कार मिला जिससे वह पीजीटीआई 'ऑर्डर ऑफ मेरिट' में 28वें स्थान से 10वें स्थान पर पहुंच गए। बंगलूरू के खालिन जोशी (65-67-66) ने अंतिम दौर में 66 का स्कोर बनाया और 18-अंडर 198 के कुल स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे। फरीदाबाद के अभिनव लोहान (66-65-70) ने तीसरे राउंड में 70 के स्कोर के बाद 15-अंडर 201 के स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। युवराज संधू 12-अंडर 204 के स्कोर के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर रहे और परिणामस्वरूप पीजीटीआई 'ऑर्डर ऑफ मेरिट' में तीसरे से पहले स्थान पर पहुंच गए। पीजीटीआई रैंकिंग लीडर युवराज की इस सत्र की कमाई अब 54,67,300 रुपये है।

साबले शियामेन डायमंड लीग के 3000 मीटर स्टीपलचेज में 13वें स्थान पर रहे

भारत के 3000 मीटर स्टीपलचेज धावक अविनाश साबले शनिवार को चीन के शियामेन मे सत्र की पहली डायमंड लीग मीट में आठ मिनट 22.59 सेकंड के औसत समय के साथ 13वें स्थान पर रहे। साबले स्पर्धा के ज्यादातर समय तक दौड़ में आगे चल रहे समूह के साथ थे लेकिन आखिरी क्षणों में अपनी गति को बनाये रखने में विफल रहे। वह दौड़ पूरी करने वाले 16 धावकों में 13वें स्थान पर रहे। 30 साल के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक साबले पिछले साल सितंबर में डायमंड लीग फाइनल के बाद पहली बार खेल रहे हैं ।

डायमंड लीग फाइनल में वह आठ मिनट 17.09 सेकंड का समय निकालकर नौवें स्थान पर रहे थे। उनका राष्ट्रीय रिकॉर्ड आठ मिनट 09.91 सेकंड है। इथियोपिया के सैमुअल फिरेवु ने आठ मिनट 05.61 सेकंड का समय लेकर मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैंपियन मोरक्को के सौफियाने अल बक्काली को हराकर बड़ा उलटफेर किया। बक्काली ने आठ मिनट 06.66 सेकंड का समय लिया। कीनिया के साइमन किप्रॉप कोएच (आठ मिनट 07.12 सेकंड) तीसरे स्थान पर रहे। साबले पेरिस ओलंपिक में आठ मिनट 14 . 18 सेकंड के समय के साथ 11वें स्थान पर रहे थे ।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय महिला हॉकी टीम पहले मैच में 3-5 से हारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के अपने पहले मैच में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन शनिवार को पर्थ के पर्थ हॉकी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 3-5 से हार गई।

भारत ने महिमा टेटे (27), नवनीत कौर (45) और लालरेम्सियामी (50) के माध्यम से गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया ए के लिए नेसा फ्लिन (3), ओलिविया डाउन्स (9), रूबी हैरिस (11), टैटम स्टीवर्ट (21) और केंड्रा फिट्जपैट्रिक (44) ने गोल किए। मैच की शुरुआत बहुत ही शानदार रही, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ए ने शुरुआत में ही नियंत्रण बना लिया और नेसा फ्लिन (3) द्वारा बनाए गए बेहतरीन फील्ड गोल के माध्यम से गतिरोध को तोड़ दिया। घरेलू टीम ने लगातार दबाव बनाना

जारी रखा और ओलिविया डाउन्स (9') और रूबी हैरिस (11') ने डिफेंसिव खामियों का फायदा उठाते हुए दो और फील्ड गोल किए, जिससे पहले क्वार्टर में 3-0 की बढ़त हासिल हुई।

ऑस्ट्रेलिया ए ने दूसरे क्वार्टर में भी अपनी लय बनाए रखी और भारतीय डिफेंस पर लगातार दबाव बनाए रखा। लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने के बाद, टैटम स्टीवर्ट (21') ने एक को गोल में बदला और अपनी बढ़त को 4-0 तक पहुंचा दिया। शुरुआती हमलों के बावजूद, भारत ने लचीलापन दिखाया और महिमा टेटे (27') ने एक तेज फील्ड गोल करके भारतीय टीम में कुछ ऊर्जा भर दी, जिससे हाफ-टाइम में वे 1-4 से पीछे चल रहे थे।

ऑस्ट्रेलिया ए ने अपनी ताकत बढ़ाई और उन्हें अपने प्रयासों का इनाम मिला, जब केंड्रा फिट्ज़पैट्रिक (44') ने अपनी टीम के लिए एक और गोल करके स्कोर 5-1 कर दिया। भारतीय टीम ने जवाबी हमला किया और उनके प्रयासों का नतीजा तब मिला जब उपकप्तान नवनीत कौर (45वें मिनट) ने गोल करके अंतर को 2-5 कर दिया। अंतिम क्वार्टर में दोनों टीमों ने गोल करने के मौके बनाए। भारत ने एक बार फिर अपनी जुझारू भावना का परिचय दिया जब लालरेमसियामी (50वें मिनट) ने एक बेहतरीन फील्ड गोल करके भारत की वापसी की उम्मीदों को जिंदा रखा। कुछ देर के दबाव के बावजूद भारत फिर से गोल नहीं कर सका और मैच का समापन ऑस्ट्रेलिया ए की 5-3 की जीत के साथ हुआ।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए दुखद हमले में मारे गए निर्दोष लोगों के प्रति शोक जताने के लिए मैच के दौरान काली पट्टी बांधी। टीम ने पीड़ितों और उनके परिवारों के सम्मान और याद के तौर पर ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाकी बचे मैचों में भी काली पट्टी बांधने का फैसला किया है।

संक्षिप्त समाचार

मुंबई में ईडी ऑफिस में लग गई भीषण आग, मचा हड़कंप

मुंबई, एजेंसी। दक्षिण मुंबई के 'बलार्ड एस्टेट' इलाके में शनिवार देर रात प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यालय की इमारत में भीषण आग लग गई। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार देर रात दो बजकर 31 मिनट पर दमकल विभाग को करीमभॉय रोड पर ग्रैंड होटल के पास बहुमंजिला इमारत 'कैसर-ए-हिंद' में आग लगने की सूचना मिली। इसी इमारत में प्रवर्तन निदेशालय का कार्यालय है। दमकल विभाग के कई दल मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का काम शुरू किया। दमकल विभाग के नियंत्रण कक्ष ने पुष्टि की कि करीब साढ़े तीन बजे आग 'स्तर-2' तक बढ़ गई जिसे आम तौर पर भीषण आग माना जाता है। एक स्थानीय अधिकारी ने बताया कि आग पांच मंजिला इमारत की चौथी मंजिल तक सीमित रही। अधिकारी ने बताया कि आठ दमकल गाड़ियां, छह टैंकर, एक बचाव वैन, एक त्वरित प्रतिक्रिया वाहन और एक एम्बुलेंस समेत अन्य राहत संसाधनों को मौके पर तैनात किया गया। अधिकारी ने बताया कि आग लगने के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है।

कश्मीर में नहीं थम रही आतंकी घटनाएँ, कुपवाड़ा में सामाजिक कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या

कश्मीर , एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियां घाटी में मजबूती के साथ ऑपरेशन चला रही हैं। ऐसे में आतंकवादी अपने बिलों से बाहर निकलकर आम नागरिकों को निशाना बना रहे हैं। ऐसी ही एक घटना कुपवाड़ा जिले में हुई जहां संदिग्ध आतंकवादियों ने सामाजिक कार्यकर्ता की गोली मार कर हत्या कर दी।स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक शनिवार देर रात आतंकवादियों ने सामाजिक कार्यकर्ता गुलाम रसूल माग्रे के घर में घुस कर गोली मार दी है। 45 वर्षीय रसूल को रात को ही अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अधिकारियों के मुताबिक अभी इस बात का पता नहीं चल पाया है कि आखिर आतंकवादियों ने रसूल को निशाना क्यों बनाया। फिलहाल मामले की जांच जारी है। आपको बता दें घाटी में पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा बलों ने आतंकियों के खिलाफ हमले तेज कर दिए हैं। पहलगाम हमले के बाद से कई आतंकियों के घरों को ध्वस्त कर दिया गया है। पिछले दिनों हुए एक ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों ने आतंकी ठिकानों पर हमला किया था, जिसमें बड़ी संख्या में हथियार बरामद हुए थे।

तपती धरती पर पड़ने वाली हैं राहत की बूंदें, तीन दिन बाद राजस्थान में मौसम लेगा पलटी

जयपुर , एजेंसी। राजस्थान इन दिनों जैसे अंगारों पर चल रहा है। सूरज ने पूरे प्रदेश को तंदूर बना दिया है। जयपुर से लेकर जैसलमेर तक हर कोई गर्मी से बेहाल है। दिन के समय सड़कें वीरान हैं और लोग घरों में कैद हो गए हैं। पारा 45 डिग्री के पार जाकर जैसे चुनौती दे रहा हो हिम्मत है तो बाहर आओ! मौसम विभाग ने साफ चेतावनी दी है कि अगले तीन दिन तक कोई रहम नहीं मिलने वाला। गर्म लू के थपेड़े और धधकती धूप लोगों की हालत और पतली करने वाली है। दोपहर के वक्त बाहर निकलना सीधे-सीधे सेहत से खिलवाड़ करने जैसा होगा। डॉक्टरों की सलाह है कि खूब पानी पिएं, हल्के कपड़े पहनें और धूप से बचें, वरना लू लगने का खतरा सिर पर मंडरा रहा है। लेकिन ठहरिए... इस तपती परीक्षा के बाद मौसम कुछ मीठी राहत भी देने वाला है। तीन दिन बाद राजस्थान में आंधियों और बारिश की धमाकेदार एंट्री हो सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के असर से बीकानेर,जयपुर,अलवर,सीकर और झुंझुनूं समेत कई जिलों में तेज आंधी,धूलभरी हवाएं और फिर बारिश के फुहारें गिरने के पूरे आसार हैं। आंधियों के साथ धूल के गुबार उठेंगे और फिर जब बादल गरजेंगे और बूंदें बरसेंगी,तो धरती की तपन को जैसे अचानक ब्रेक लग जाएगा। तापमान में गिरावट आएगी और उमस भरी गर्मी से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। हालांकि, आंधी के दौरान पेड़ गिरने, बिजली गिरने जैसी घटनाओं की भी चेतावनी दी गई है, इसलिए सतर्क रहना जरूरी होगा। तो तैयार रहिए – पहले तीन दिन की आग की बरसात के लिए, फिर ठंडी फुहारों की सौगात के लिए! फिलहाल के लिए तो छाते से लेकर सनग्लासेस और नींबू पानी तक सब चीजों का इंतजाम लोगों ने अपनी सुविधानुसार कर रखा है।

गुरुग्राम की सड़कें होंगी चकाचक, सेक्टर-41 में 20 से अधिक टूटे रास्तों की बदलेगी काया

गुरुग्राम एजेंसी।
गुरुग्राम सेक्टर-41 के लोगों को जल्द ही टूटी सड़कों से राहत मिलने वाली है। नगर निगम की ओर से अब सेक्टर की 20 से अधिक सड़कों को दुरुस्त किया जाएगा। इसको लेकर निगम ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। सेक्टर की बदहाल सड़कों के निर्माण के लिए सेक्टरवासी काफी समय से निगम अधिकारियों से मांग कर रहे थे। सेक्टर की टूटी सड़कों के कारण लोग पैदल भी नहीं चल पा रहे हैं। ऐसे में अब निगम ने सेक्टर की मुख्य सड़कों व अंदर की सड़कों रि-कारपेटिंग करवाएगा।

निगम की तरफ से इस कार्य के लिए करीब 50 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। निगम द्वारा अगले माह के अंत तक टेंडर प्रक्रिया पूरी कर सेक्टर में सड़कों का निर्माण कार्य शुरू करवा दिया जाएगा।

सेक्टर-41 में पिछले काफी समय से सड़कों का निर्माण तो दूर मरम्मत कार्य तक नहीं हुआ है। इस कारण सेक्टर की सड़कें काफी खस्ता हालत में है। यहां कोई भी ऐसी सड़क नहीं है जिन पर आसानी से पैदल भी चला जा सके।

नगर निगम की योजना के अनुसार सेक्टर-41 की सभी सड़कों की हालत काफी खस्ता हो चुकी है। निगम ने सेक्टर की 20 से अधिक सड़कों पर रि-कारपेंटिंग करने की योजना तैयार की है। इसमें आठ मीटर, 12 मीटर और 18 मीटर चौड़ी सड़कें शामिल की गई है। सेक्टर-41 के निवासी राजेश यादव ने बताया कि सेक्टर की हालत किसी पिछड़े हुए गांव से कम नहीं है। सेक्टर की मार्केट में सड़कों पर व मुख्य गेट पर बड़े-बड़े गड्ढे हो रखे हैं। टूटी सड़कों के गड्डों में कई बार दोपहिया वाहन चालक हादसों का शिकार हो चुके हैं। अजय पंघाल, कार्यकारी अभियंता, नगर निगम, गुरुग्राम ने कहा, सेक्टर-41 में सभी सड़कों को रि-कारपेटिंग करवाया जा रहा है। इसको लेकर टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। अगले माह के पहले सप्ताह तक सेक्टर में सड़कों का निर्माण कार्य शुरू करवा दिया जाएगा। वहीं, गुरुग्राम की मेयर राजरानी मल्होत्रा की अध्यक्षता में शनिवार को नगर निगम के जोन-एक क्षेत्र की बैठक हुई। इसमें निगमायुक्त ने पार्षदों को बताया कि शहर की 120 किलोमीटर की सड़कें मॉडल बनाई जाएंगी।

इसको लेकर पार्षदों को सड़कों को चिन्हित करने को कहा। निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग ने जानकारी दी कि नगर निगम द्वारा 120 किलोमीटर मॉडल रोड बनाए जाएंगे, जिसके लिए पार्षद अपने-अपने वार्डों में उपयुक्त सड़कों की पहचान करें और इसकी रिपोर्ट निगम को दे, ताकि चिन्हित सड़क को जल्द से जल्द मॉडल सड़क के रूप में विकसित किया जा सके। बैठक के दौरान ने मेयर ने बरसाती मौसम से पहले शहर की सभी सड़कों को गड्ढामुक्त करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। बैठक में पार्षदों के आईडी कार्ड बनाने, कार्यालय स्थापित करने, साइन बोर्ड लगाने और स्टाफ की उपलब्धता जैसे बिंदुओं पर गंभीरता से चर्चा की गई। पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों से जुड़ी समस्याएं भी रखीं, जिनमें सीवर और ड्रेनेज की सफाई, सड़कों की मरम्मत, संपत्तिकर शिविर में सहयोग, रेनवाटर हार्वेस्टिंग, अतिक्रमण हटाना, सफाई व्यवस्था, कचरा प्रबंधन, पेड़ों की छंटाई और स्ट्रीट लाइट की मरम्मत शामिल थे।

महिलाओं का स्तन छूने की कोशिश दुष्कर्म नहीं; अब कलकत्ता हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

कलकत्ता, एजेंसी। कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा कि नशे की हालत में नाबालिग का स्तन छूने की कोशिश करना पॉक्सो एक्ट के तहत दुष्कर्म की कोशिश नहीं है। यह सिर्फ यौन अपराध की श्रेणी में आता है। न्यायमूर्ति अरिजीत बनर्जी और न्यायमूर्ति बिस्वरूप चौधरी की खंडपीठ ने ट्रायल कोर्ट की ओर से पॉक्सो के तहत एक आरोपी को दोषी ठहराने और सजा सुनाए जाने के आदेश को निलंबित करते हुए यह टिप्पणी की। निचली अदालत ने आरोपी को 12 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई थी।

खंडपीठ ने यह भी कहा कि पीड़िता की मेडिकल जांच से यह स्पष्ट नहीं होता कि आरोपी ने दुष्कर्म किया या दुष्कर्म का प्रयास किया। बेंच ने कहा कि ऐसे सबूत पॉक्सो अधिनियम, 2012 की धारा 10 के तहत गंभीर यौन उत्पीड़न के आरोप को सही ठहरा सकता है लेकिन बलात्कार की कोशिश के अपराध का संकेत नहीं देते। खंडपीठ ने कहा कि अगर अंतिम सुनवाई के बाद आरोप को 'गंभीर यौन उत्पीड़न' तक सीमित कर दिया जाता है, तो आरोपी की सजा 12 साल से घटकर पांच से सात साल हो जाएगी। इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी इसी तरह का आदेश जारी किया था। कोर्ट ने कहा था कि नाबालिग पीड़िता के स्तनों को पकड़ना, उसके पायजामे का नाड़ा तोड़ना और उसे पुलिया के नीचे खींचने का प्रयास करना रेप या रेप की कोशिश नहीं माना जा सकता है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र ने कासगंज के पटियाली थाने में दर्ज मामले में आकाश व दो अन्य आरोपियों की आपराधिक पुनरीक्षण याचिका को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए की थी। हाईकोर्ट ने कहा कि आरोपियों पर लगाए गए आरोप और मामले के तथ्यों के आधार पर इस मामले में रेप की कोशिश का अपराध नहीं बनता। इसकी बजाय उन्हें आईपीसी की धारा 354 (बी) यानी पीड़िता को निर्वस्त्र करने या उसे नग्न होने के लिए मजबूर करने के इरादे से हमला या दुर्व्यवहार करने और पॉक्सो एक्ट की धारा 9 (एम) के तहत आरोप के तहत तलब किया जा सकता है।

उत्तराखंड चारधाम यात्रा पर यात्रियों को रोक भीड़ प्रबंधन का ऐक्शन प्लान, केदारनाथ-बदरीनाथ रूटों पर बने हॉल्टिंग प्वाइंट

देहरादून , एजेंसी।
उत्तराखंड में चारधाम यात्रा में भीड़ प्रबंधन को लेकर इस बार धामी सरकार ने विशेष कार्ययोजना तैयार की है। धामों में अत्यधिक भीड़ बढ़ने या किसी आपदा की स्थिति में चारधाम जाने वाले श्रद्धालुओं को चिह्नित हॉल्टिंग प्वाइंट पर रोका जाएगा।

इन स्थानों पर होटल, धर्मशाला, स्कूल, कॉलेज, कम्युनिटी सेंटर इत्यादि को चिह्नित कर लिया गया है। इसके साथ ही पार्किंग सहित अन्य सुविधाओं का ब्योरा भी जुटा लिया गया है। बीते वर्षों से सबक लेते हुए इस बार सरकार कोई रिस्क नहीं लेना चाहती है। इस बार ऐसा न हो, इसके लिए सरकार की ओर से पहले से तैयारी कर ली गई है। धामों में अत्यधिक भीड़ बढ़ने और आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को चिह्नित हॉल्टिंग प्वाइंट पर रोक दिया जाएगा। भीड़ प्रबंधन का यह कार्य राजधानी देहरादून में पटेल भवन में बनाए गए चारधाम यात्रा कंट्रोल रूम से किया जाएगा। इसको लेकर उत्तराखंड पुलिस विभाग ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है।पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने कहा कि चारधाम यात्रा में भी प्रबंधन को लेकर शासन स्तर पर निर्देश प्राप्त हुए थे। इसके क्रम में पटेल भवन में चारधाम यात्रा कंट्रोल रूम की स्थापना कर ली गई, जो शीघ्र ही काम करने लगेगा। इसके साथ ही भी? प्रबंधन को लेकर भी कार्ययोजना तैयार की गई है। कंट्रोम रूम चारधाम यात्रा से जुड़े जिलों से समन्वय बनाते हुए हुए कार्य करेगा। चारधाम यात्रा मार्ग यातायात और यात्री सुविधाओं की पड़ताल के लिए सरकार ने परिवहन अधिकारियों की टीम को उतार दिया। परिवहन सचिव बृजेश संत ने चारधाम यात्रा रूट पर यातायात व्यवस्थाओं की निगरानी और अध्ययन के लिए सरकार ने परिवहन विभाग की तीन सदस्यीय टीम का गठन किया है।

उपायुक्त-परिवहन राजीव मेहरा की अगुआई में बनी टीम में चारधाम यात्रा के नोडल अफसर देहरादून के आरटीओ-प्रशासन संदीप सैनी और पौड़ी के आरटीओ द्वारका प्रसाद भी इस टीम में है। शनिवार को टीम केदारनाथ रूट पर रवाना हो गई।

एसएसपी अजय सिंह ने आगामी चारधाम यात्रा में वाहनों का दबाव बढ़ने की स्थिति में रूट डायवर्जन प्वाइंट चिह्नित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यात्रा मार्गों पर साइन बोर्ड लगाने के लिए भी कहा। एसएसपी ने शनिवार को शिमला बाईपास नया गांव में यात्री रजिस्ट्रेशन सेंटर और होल्डिंग एरिया का निरीक्षण किया।

देहरादून। सरकार ने चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों और ड्राइवरों के लिए सुझाव पत्र बनाया है। यात्रियों से अपील है कि वह ऐसे वाहनों से यात्रा ना करें, जिनके टायर घिसे या रिट्रेटेड हों। ड्राइवरों को चप्पल पहनकर वाहन नहीं चलाने की सलाह दी है। यह जानकारी यात्रा के नोडल अधिकारी एवं आरटीओ देहरादून संदीप सैनी ने दी है। चारधाम यात्रा मार्ग पर हॉल्टिंग प्वाइंट के अलावा जिलों में पार्किंग भी चिह्नित कर ली गई हैं। इसके तहत दून में 28, हरिद्वार में 17, पौड़ी में 13, रुद्रप्रयाग में 18, चमोली में 31, टिहरी गढ़वाल में 23, उत्तरकाशी में 04 पार्किंग चिह्नित की गई हैं। 136 पार्किंग में साढ़े आठ हजार बड़े वाहनों और साढ़े 45 हजार छोटे वाहनों को पार्क किया जा सकेगा।

2200 किसानों को प्लॉट मिलने का रास्ता साफ

नोएडा एजेंसी।
नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के पास सेक्टर-145 में 2200 किसानों को पांच प्रतिशत प्लॉट मिलने का रास्ता साफ हो गया है। शनिवार को प्लॉटों के लिए चिह्नित करीब 31 हेक्टेयर जमीन पर नोएडा प्राधिकरण ने शनिवार को कब्जा ले लिया। कब्जा लेने के बाद इसकी तार-फेंसिंग कर पिलर लगा दिए गए हैं। विरोध की आशंका के चलते शनिवार को प्राधिकरण और पुलिस के बड़े अधिकारी मौजूद थे। अब किसान यहां अपने प्लॉट पर निर्माण शुरू कर सकेंगे।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि सेक्टर-145 बेगमपुर गांव में 31.3828 हेक्टेयर जमीन है। नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी महेंद्र प्रसाद ने बताया कि इस गांव की 108.223 हेक्टेयर भूमि के संबंध में अर्जन अधिनियम की धारा के तहत प्रक्रिया सात नवंबर 2007 और 17 मार्च 2008 को जारी की गई थी। इस संबंध में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 18 फरवरी 2008 को स्टे ऑर्डर पारित किया था। स्टे ऑर्डर समाप्त होने के बाद हाईकोर्ट ने निर्णय सुनाया। इसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट में चला। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का आदेश आने के बाद जिला प्रशासन की ओर से 19 जुलाई 2024 को इस जमीन का अवार्ड यानि मुआवजा दर घोषित कर दी गई। इसके बाद उसी साल प्राधिकरण ने जिला प्रशासन के खाते में इन किसानों से संबंधित 102 करोड़ रुपये मुआवजे के रूप में जमा करा दिए। अब तक करीब 70 प्रतिशत किसान मुआवजा उठा चुके हैं। ओएसडी महेंद्र प्रसाद ने बताया कि जिस जमीन पर शनिवार को प्रशासन ने कब्जा लिया है, उस पर किसी कोर्ट में कोई स्टे ऑर्डर नहीं है। यह प्राधिकरण की अर्जित और कब्जा प्राप्त जमीन है।

ग्रेटर फरीदाबाद में रहने वालों के लिए गुड न्यूज, नए सिरे से बनेंगे 12 मेन रोड

फरीदाबाद एजेंसी।
ग्रेटर फरीदाबाद में रहने वाले लाखों लोगों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर है। लंबे समय से जर्जर हालत में पड़ी यहां कि एक दर्जन प्रमुख सड़कों को नए सिरे से बनाया जाएगा।

फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एफएमडीए) ने सभी 75 मीटर चौड़ी सड़कों की मरम्मत एवं पुनर्निर्माण का जिम्मा एजेंसी को सौंप दिया है। ग्रेटर फरीदाबाद के विभिन्न सेक्टरों में सड़कों की हालत काफी खराब है। खासकर चंदीला चौक, सेक्टर-78, 81, 82 में सड़कों की हालत काफी खराब है। सड़कों पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं, रोड़ी उखड़ गई हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोग जर्जर सड़कों की हालत सुधारने के लिए कई बार एफएमडीए से मांग भी कर चुके हैं। प्राधिकरण ने सड़कों को नए सिरे से बनाने के लिए कंपनी को काम आवंटित कर दिया गया है और जल्द ही मौके पर काम शुरू कर दिया जाएगा।

मरम्मत कार्य के दौरान सड़कों की पूरी सतह को हटाकर नई बेस लेयर बिछाई जाएगी और फिर उच्च गुणवत्ता की बिटुमिनस लेयर डाली जाएगी। इससे सड़कों की मजबूती और टिकाऊपन दोनों सुनिश्चित होंगे। परियोजना के तहत सड़क किनारे जल निकासी व्यवस्था को भी दुरुस्त किया जाएगा, जिससे बारिश के दौरान जलभराव की समस्या न हो।

निर्माण कार्य की गुणवत्ता की कड़ी निगरानी की जाएगी। निर्माण कार्य की प्रगति पर भी नियमित रूप से रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिससे तय समयसीमा के अंदर काम पूरा कराया जा सके।

रमेश बागड़ी, चीफ इंजीनियर एफएमडीए ने कहा, ग्रेटर फरीदाबाद की 12 सड़कों को नए सिरे से बनाया जाएगा। इसके लिए एजेंसी को काम सौंप दिया गया है। नई सड़कों के बनने से न केवल क्षेत्रवासियों को राहत मिलेगी, बल्कि यातायात भी सुगम और सुरक्षित होगा।

जोधपुर में भगवा झंडे के अपमान को लेकर तनाव

जोधपुर , एजेंसी। जोधपुर के सर्राफा बाजार में खड़ी एक कार से भगवान हनुमान की तस्वीर वाले झंडे का अपमान करने के विरोध में भारी आक्रोश है। बताया जाता है कि बाजार में खड़ी एक कार से भगवान हनुमान की तस्वीर वाले झंडे को कथित तौर पर हटाकर जमीन पर फेंकने का वीडियो वायरल होने के बाद घटना से आक्रोशित व्यापारियों ने दुकानें बंद कर दीं। माहौल गरमाता देख पुलिस ऐक्शन में आ गई। इलाके में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

यह घटना शुक्रवार रात शहर के आभूषण और सर्राफा व्यापार केंद्र घोडों का चौक इलाके में हुई। पुलिस ने बताया कि इस घटना के सिलसिले में पश्चिम बंगाल के एक शख्स को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान नहीं हो सकी है। आरोपी बाजार में काम करता था। शनिवार को घटना से आक्रोशिश स्थानीय व्यापारी उस दुकान के बाहर जमा हुए जहां आरोपी काम करता था। हालांकि, दुकान मालिक शौकत अली नहीं आया।

वारदात को अंजाम देने वाले गुनहगार के खिलाफ ऐक्शन की मांग को लेकर हिंदू दक्षिणपंथी संगठनों के कई सदस्यों ने सोजती गेट पुलिस चौकी तक मार्च किया। डीसीपी (पूर्व) आलोक श्रीवास्तव ने कहा कि व्यापार संघ के सदस्य और विभिन्न संगठनों के नेता पहुंचे और बाजार बंद करा दिया। इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स को तैनात किया गया है। हालांकि, शाम को बाजार खुल गया।

बम फटने जैसा धमाका, लाशों के उड़े चिथड़े; नूंह में सड़क हादसे का मंजर देख कांपी लोगों की रूह

नूंह एजेंसी।
हरियाणा के नूंह जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर गांव इब्राहिमबास के पास शनिवार सुबह हुए दर्दनाक हादसे के बाद मातम छा गया। चंद सेकेंड में शवों के बिखराव को देखकर हर तरफ चीख-पुकार मची रही। इस दृश्य को देखकर हर किसी के आंसू निकल पड़। हादसा इतना खौफनाक था कि जब तक लोग मदद को दौड़ते, छह महिला समेत सात सफाई कर्मचारी दम तोड़ चुके थे। पिकअप गाड़ी के ड्राइवर मोनू को पुलिस ने बाद में गिरफ्तार कर लिया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि शनिवार सुबह हुए इस भीषण सड़क हादसे का मुख्य कारण रफ्तार ही है। पिकअप की रफ्तार निर्धारित गति से अधिक थी। ऐसे में सड़क किनारे साफ-सफाई कर रहे 11 सफाई कर्मचारियों को ड्राइवर ने कुचल दिया। इसके बाद पिकअप डिवाइडर से जा टकराया। हादसे के दौरान मौके पर मौजूद हर किसी के होश उड़ गए।

जब तक वह कुछ समझ पाते, 11 लोग करीब 50 मीटर के दायरे में इधर-उधर पड़े थे और उनमें चीख-पुकार मची थी। घटना के बाद अन्य वाहन चालकों ने तुरंत इसकी जानकारी डायल-112 पर कॉल करके पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से घायलों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया। घायल महिलाओं को एम्स ट्रॉमा सेंटर भेजा गया : पुलिस के अनुसार, हादसे में मरने

वालों की पहचान थाना पिनगवां के गांव खेड़ीकलां निवासी 60 वर्षीय रेशम, 60 वर्षीय प्रेम, 40 वर्षीय रत्ना, 30 वर्षीय पिस्ता, 40 वर्षीय जेदेई, 30 वर्षीय सत्नवति और फिरोजपुर झिरका के गांव झिमरावट निवासी 45 वर्षीय आस मोहम्मद के रूप में हुई। घायलों की पहचान गांव खेड़ीकलां निवासी 41 वर्षीय लज्जावती, 37 वर्षीय हेमलता, जगवती और गांव रिगड़ निवासी 32 वर्षीय अनिल के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल तीनों महिलाओं को दिल्ली के एम्स ट्रॉमा सेंटर भेजा गया है, जबकि अनिल का इलाज नल्हड़ मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। गांव में पसरा मातम : गांव खेड़ीकलां में इस हादसे के बाद गम का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने बताया कि दिन में किसी के घर में चूल्हा तक नहीं जला। एक व्यक्ति ने बताया कि सभी महिला मजदूरों संबंधित ठेकेदार कम से कम पांच सौ से छह सौ रुपये देहाड़ी देते थे। शाम तक काम करने के बाद सभी अपने घर लौट आते थे। गांव में दिनभर मातम पसरा रहा। एक्सप्रेसवे से नीचे काफी संख्या में ढाबा और दुकानें है। गांव इब्राहिमबास के ग्रामीणों ने बताया कि अधिकांश अपने दुकानों, घरों आदि में थे और अपने कामों में व्यस्त थे। करीब 10 बजे एक जोरदार धमाका हुआ। लोगों को लगा कि कहीं बम फटा हो। जैसे ही नजर मुड़ी, देखा कि एक्सप्रेसवे पर काफी संख्या में लोग ईधर-उधर बेसुध पड़े हैं और एक पिकअप डिवाइडर से टकराकर खड़ी है। लोगों को समझते देर नहीं लगी और वह पानी व अन्य सामान लेकर मौके पर दौड़े और बचाव कार्य में जुट गए। स्थानीय लोगों ने बताया पिकअप गाड़ी की स्पीड सौ किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक रही होगी। हादसा इतना जबर्दस्त था कि कई महिलाओं के शरीर के चिथड़े उड़ गए। साथ ही उनके शरीर के दो टुकड़े भी हो गए। एक्सप्रेसवे पर हादसे के दौरान एक व्यक्ति ने बताया कि उन्हें शवों की हालत देखी नहीं गई। जिस तरह से शव पड़े थे, यह देखकर उसे बेहोशी छाने लगी।

मेरे पास जीने की कोई तो वजह हो..., पहलगाम हमले की पीड़िता ने पति के लिए मांगा शहीद का दर्जा

कानपुर एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की जान चली गई। आतंकियों ने नवविवाहित जोड़ों को भी नहीं बख्शा। आतंकी हमले में उत्तर प्रदेश के कानपुर में रहने वाले शुभम द्विवेदी की भी जान चली गई। वहीं, अब उनकी पत्नी आशान्या ने पति को शहीद का दर्जा देने की मांग की है।

आशान्या ने बताया कि आतंकियों ने पहली गोली शुभम पर ही चलाई थी। आतंकियों से बहस के दौरान कई लोगों को वहां से भागने का मौका मिला, जिससे उनकी जान बच गई।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार आशान्या का कहना है कि शुभम ने गर्व के साथ खुद को हिन्दू बताया और कई लोगों की जान बचाई थी। पहली गोली मेरे पति को ही लगी। आतंकी उनसे उनका धर्म पूछ रहे थे। इस बहसबाजी में थोड़ा समय लगा, जिससे लोगों को वहां से बचकर भाग निकलने में मदद मिली। आशान्या ने कहा -मुझे सरकार से और कुछ नहीं चाहिए। बस मेरे पति को शहीद का दर्जा दे दीजिए। अगर सरकार मेरी विनती मान लेती है तो मुझे जीने के लिए एक वजह मिल जाएगी। बता दें कि 22 अप्रैल को बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में आतंकियों ने 31 वर्षीय शुभम द्विवेदी को गोली मार दी थी। कानपुर के रहने वाले शुभम और आशान्या की शादी 12 फरवरी को हुई थी। दोनों छुट्टियां मनाने के लिए जम्मू कश्मीर गए थे। मगर बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में आशान्या का सुहाग उजड़ गया। आशान्या अभी तक इस हादसे से पूरी तरह उबर नहीं सकी हैं। घटना को याद करते हुए आशान्या बताती हैं कि हम बैसरन घाटी में बैठकर मैगी खा रहे थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सैयद अहमर हसनैन द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन , 55- बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक - सैयद अहमर हसनैन R.N.I.No-UPHIN/2008/27122 - Ph : 0522-4048974, Email : news@group5.in समाचार पत्र के समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

संक्षिप्त समाचार

स्कॉर्पियो और बाइक की भीषण टक्कर, तीन की मौत एक गंभीर रूप से घायल

कैमूर, एजेंसी। बिहार के कैमूर में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है, जिसमें स्कॉर्पियो और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में बाइक पर सवार तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना कैमूर जिले के भभुआ-मोहानिया पथ पर परसिया गांव के पास का है। बताया जा रहा है कि बाइक पर सवार चार युवक भभुआ के बारे गांव से मोहनिया जा रहे थे, तभी मोहनिया की दिशा से तेज रफ्तार में आ रही स्कॉर्पियो से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक पर सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरे युवक ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं, घायल युवक को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। मृतकों की पहचान भभुआ थाना क्षेत्र के बारे गांव के मंटू पटेल का पुत्र आदर्श पटेल, स्वर्गीय पप्पू तिवारी का पुत्र आदित्य तिवारी, और जितेंद्र यादव का पुत्र भोलू यादव के रूप में हुई हैं। वहीं घायल युवक की पहचान प्रभु गोंड के पुत्र विकास गोंड के रूप में हुई है। घटना की जानकारी देते हुए ग्रामीणों ने बताया कि बाइक पर सवार चार लड़के तेज रफ्तार से परसिया गांव के पास जा रहे थे, तभी मोहनिया से तेज गति से आ रही स्कॉर्पियो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन से मांग की है कि मृतकों के परिवारों को आर्थिक सहायता दी जाए और घायल युवक के इलाज में भी मदद की जाए। साथ ही, ग्रामीणों ने यह भी आग्रह किया कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त यातायात नियमों का पालन कराया जाए। स्थानीय पुलिस और प्रशासन ने घटनास्थल पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है और हादसे की जांच की जा रही है।

मॉर्निंग वॉक पर निकले पति-पत्नी को ट्रक ने कुचला, मचा हड़कंप

खगड़िया, एजेंसी। बिहार में सड़क हादसे में एक दंपति की मौत हो गई है। इस घटना के बाद इलाके में मातम का माहौल कायम हो गया है। जानकारी के मुताबिक, खगड़िया जिले के चौथम थाना क्षेत्र के एनएच 107 पर डुमरी पुल और सोनवर्षा घाट के बीच अनियंत्रित ट्रक ने दंपत्ति को रौंद दिया /जिसके कारण दंपत्ति की मौत हो गई। यह घटना रविवार अहले सुबह तीन बजे की बताई जा रही है। मृतक की पहचान सोनवर्षा घाट निवासी रामोतार मुनि (51 वर्ष) एवं उनकी 41 वर्षीय पत्नी सरोजनी देवी के रूप में हुई है। इस घटना में आधा दर्जन बकरियों की भी मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि, दंपत्ति का बासा एनएच 107 के किनारे है। जहां वह अपने मवेशियों और बकरियों के साथ रहते थे। मृतक के परिजनों ने बताया कि,रविवार की अहले सुबह तीन बजे पति और पत्नी घर से निकलकर टहल रहे थे। इसी बीच बालू लदा ट्रक अनियंत्रित होकर दंपत्ति को कुचलते हुए सड़क के किनारे पलट गई। वहीं, घटना के बाद ट्रक छोड़कर चालक और उप चालक भागने में सफल रहा। इस घटना को लेकर लोगों का मानना है कि ट्रक ड्राईवर का आंख लग गया होगा। इसी कारण ट्रक अनियंत्रित हो गया। घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। घटना की जानकारी मिलने पर चौथम थाना की पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।इधर, सूचना मिलने के बाद चौथम थानाध्यक्ष अजीत कुमार के निर्देश पर पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है। साथ ही घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। बताया जाता है कि, मृतक दंपत्ति को चार बेटियां और दो बेटे हैं।

मधुबनी में बेरहमी से बहनोई की हत्या कर फेंका शव, साला गिरफ्तार ; घर में मची चीख-पुकार

मधुबनी, एजेंसी। मधुबनी के बेनीपट्टी थाने के बिशनपुर धोबिघटा पुल के निकट तेज हथियार से कटा हुआ शव बरामद हुआ है। युवक का शव सड़क के किनारे फेंका हुआ था। मृतक की पहचान साहरघाट थाना क्षेत्र के त्रिमुहान गांव के नूधो यादव के रूप में की गयी है। घटनास्थल पर बाइक पड़ी हुई है, जबकि युवक के मुंह, आंख कान पर जख्म हैं एवं शव खून से लथपथ है। घटनास्थल पर थाना अध्यक्ष शिव शरण शाह ने पहुंचकर मामले की जांच की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मधुबनी भेज दिया है। पुलिस ने मृतक के साले को गिरफ्तार कर लिया है।

पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ आरजेडी के मार्च में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे

पटना, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले से पूरा देश दुखी है। इस हमले के खिलाफ देश के अलग-अलग हिस्सो में लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। बिहार के लखीसराय में राष्ट्रीय जनता दल की तरफ से पहलगाम हमले के विरोध में कैंडल मार्च निकाला गया था। अब इस मार्च में कथित तौर से कुछ लोगों द्वारा पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए जाने की बात कही जा रही है। पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, लाइव हिन्दुस्तान इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। इस वीडियो को लेकर राजद के लखीसराय जिलाध्यक्ष ने एक न्यूज चैनल से बातचीत में कहा कि गलती से नारे लग गए।

मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि यह पूरा मामला और इस कथित वायरल वीडियो की भनक पुलिस को भी लग गई। अब पुलिस इस पूरे मामेल की जांच में जुटी है। कहा जा रहा है कि जो वीडियो वायरल हुआ है उसमें राजद के कुछ कार्यकर्ता मौजूद हैं। इस वीडियो को लेकर जी न्यूज (बिहार-झारखंड) से बातचीत में लखीसराय राजद के जिलाध्यक्ष कालीचरण दास ने सफाई भी दी है।

चैनल से बातचीत के दौरान हालांकि, पहले तो राजद के जिलाध्यक्ष कालीचरण दास ने यह मानने से इनकार कर दिया कि

कैंडल मार्च के दौरान पाकिस्तान जिंदाबादके नारे लगाए गए थे। उन्होंने कहा कि यह गलत बोला जा रहा है कि ऐसे नारे लगाए गए हैं। लेकिन जब उन्हें यह वीडियो दिखाया गया तब उन्होंने कहा कि नहीं, नहीं...गलती से किसी ने लगा दिया था नारा। कालीचरण दास भी इस कैडल मार्च में खुद मौजूद थे। उन्होंने कहा कि हां, हां...गलती से ऐसा हो गया है। उसको कहा गया था डिलीट करने के लिए, लेकिन वीडियो को रख दिया गया है।

आरजेडी नेता कालीचरण दास से जब यह पूछा गया कि इस मामले में क्या कार्रवाई हुई है? तब उन्होंने कहा कि गलती से यह हो गया है। पार्टी उसपर कार्रवाई कर रही है। उसने माफी मांगी है और कहा है कि गलती से मुंह से निकल गया, गलती से मुंह से निकला है। यह गलती से हुआ है और उनको कहा गया था कि इसे डिलीट कर दीजिए लेकिन मीडिया प्रभारी विनय कुमार उसको डिलीट नहीं कर सके। एक शख्स ने गलती से नारा लगा दिया था। आरजेडी नेता ने कहा कि सभी लोगों ने ऐसा नारा नहीं लगाया। लगाना था हिन्दुस्तान जिंदाबाद का नारा तो पाकिस्तान का नाम आ गया। इधर अब इस मामले पर राजनीति भी शुरू हो गई है। बिहार बीजेपी की तरफ से इसका एक वीडियो एक्स पर शेयर किया गया है। वीडियो को शेयर करते हुए बीजेपी की तरफ से लिखा गया है, राजद का असली चेहरा फिर बेनकाब ! लखीसराय जिला के सूर्यगढ़ा विधानसभा क्षेत्र में राजद जिलाध्यक्ष कालीचरण दास और उपाध्यक्ष प्रेमसागर यादव के नेतृत्व में पाकिस्तान जिंदाबाद के लगाए गए नारे...।

बिहार में भीषण सड़क हादसा, स्कॉर्पियो और बाइक की टक्कर में एक ही गांव के 4 युवकों की मौत

कैमूर, एजेंसी। भभुआ-मोहनियां पथ पर सेमरियां गांव के पास रविवार की सुबह स्कॉर्पियो और बाइक की टक्कर में चार नवयुवकों की मौत हो गई। चारों युवक बाइक पर ही बैठे थे। बाइक लेकर चारों भभुआ से अपने गांव बारे जा रहे थे।

इसी दौरान सेमरिया के पास सामने से आ रही स्कॉर्पियो में बाइक टकरा गई। इससे तीन की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक युवक को गंभीर हालत में सदर अस्पताल से बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।मृतकों में भभुआ थाना क्षेत्र के बारे गांव निवासी जितेंद्र कुमार यादव का पुत्र वीरेंद्र कुमार 22 वर्ष, स्व. पप्पू तिवारी का पुत्र सन्नी देवल तिवारी 22 वर्ष, मंटू चौधरी का पुत्र आदर्श चौधरी 21 वर्ष, प्रभु गोंड का पुत्र विकास कुमार गोंड 23 वर्ष बताए जाते हैं।इसमें घटनास्थल पर ही वीरेंद्र कुमार यादव, सन्नी देवल तिवारी और आदर्श चौधरी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि विकास कुमार गोंड की मौत वाराणसी जाने के दौरान रास्ते में हो गई।बाइक और स्कॉर्पियो की टक्कर के बाद स्कॉर्पियो सड़क किनारे खेत में जा कर पेड़ में टकरा गई। इससे स्कॉर्पियो भी क्षतिग्रस्त हो गई। स्कॉर्पियो को छोड़ कर चालक फरार हो गया। इस दुर्घटना के बाद मौके पर बारे सहित आसपास के गांवों के कई लोग जुट गए। बारे गांव के चारों युवकों की मौत की सूचना से गांव में कोहराम मच गया।

4 जिलों के लिए चेतावनी, 60 चस्प्रति घंटे के रफ्तार से आंधी के साथ बारिश की संभावना

पटना, एजेंसी। राजधानी में सुबह से सूरज की तपिश बर्दाश्त से बाहर हो गई थी। दोपहर होते-होते तापमान 43 डिग्री से?ल्सियस पहुंच गया। लोगों का घर से निकलना मु?श्किल हो गया।

वहीं, 44.6 डिग्री सेल्सियस के साथ डेहरी और गया प्रदेश में सबसे गर्म रहा। हालांकि, मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, आज से मौसम का मिजाज बदलेगा और आंधी-वर्षा होने से गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। अगले 24 घंटों के दौरान पटना सहित नालंदा, जहानाबाद, गया, नवादा, बेगूसराय, जमुई, बांका, भागलपुर, मुंगेर, खगड़िया के कुछ स्थानों पर मेघ गर्जन, वज्रपात के साथ 30-40 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवा चलने को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है।

जबकि, चार जिलों के पूर्वी चंपारण, सुपौल, सीतामढ़ी और मधुबनी जिले के एक या दो स्थानों पर 50-60 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवा चलने के साथ मेघ गर्जन, वज्रपात और ओला गिरने को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

उत्तरी क्षेत्रों के अधिकतर भागों में गरज-तड़क के साथ आंधी-पानी की चेतावनी जारी

की गई है। 72 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में तीन से पांच डिग्री की गिरावट के आसार है। मौसम विभाग के अनुसार पूर्वी बिहार और उससे सटे उप हिमालयी पश्चिम बंगाल पर चक्रवाती परिसंचरण का क्षेत्र बना हुआ है। असम और आसपास इलाकों के ऊपर हवा का चक्रवाती परिसंचरण का क्षेत्र बना हुआ है। इन सभी मौसमी प्रभाव के कारण अगले चार से पांच दिनों तक प्रदेश के अलग-अलग भागों में गरज-तड़क के साथ वर्षा होने के कारण मौसम सामान्य होने के साथ लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलने की संभावना है। शनिवार को पटना सहित 15 जिलों में भीषण गर्मी का प्रभाव बना रहने के साथ अधिकतम तापमान में वृद्धि दर्ज की गई। पटना का अधिकतम तापमान में 1.4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ 43.0 डिग्री सेल्सियस जबकि 44.6 डिग्री सेल्सियस के साथ डेहरी और गया सबसे गर्म जिला दर्ज किया गया। बीते 24 घंटे के अनुसार गया के अधिकतम तापमान में 1.2 डिग्री, औरंगाबाद में 1.6 डिग्री, डेहरी में 1.2 डिग्री, भोजपुर में 1.2 डिग्री, छपरा में 1.2 डिग्री, बक्सर में 0.5 डिग्री, नालंदा में 1.8 डिग्री और बक्सर में 1.5 डिग्री तथा बांका में 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई।

मॉडल टाउन के रूप में विकसित होगा नगर निकाय क्षेत्र, मिलेंगी शहर जैसी सुविधाएं

भागलपुर, एजेंसी। जिले के नगर निकाय क्षेत्र को नियोजित तरीके से मॉडल टाउन के रूप में विकसित किया जाएगा। पुराने मोहल्ले में 12 फीट और नए क्षेत्र में 20 फीट चौड़ी सड़क अनिवार्य होगी। तभी उस इलाके में भवन निर्माण के लिए नक्शा को स्वीकृति मिलेगी।

यही नहीं, हर घर में बार कोडयुक्त होल्डिंग नंबर प्लेट लगाए जाएंगे। इसमें लगे बारकोड को मोबाइल से स्कैन करते ही हर तरह की पलक झपकते ही हर तरह की जानकारी मिल जाएगी।

इसके लिए 15 मई से जीआईएस बेस्ड बेस मैप एंड प्रॉपर्टी सर्वे का कार्य शुरू होगा। आठ स्टेज में सर्वे किया जाएगा। आठवें चरण में 41 बिंदुओं पर फाइनल रिपोर्ट तैयार की जाएगी। नगर परिषद क्षेत्र में जेएमई प्राइवेट लिमिटेड और नगर पंचायत क्षेत्र में जीआईएस केसीटियम सर्वे का काम करेगा।

इसके बाद तैयार कार्ययोजना के आधार पर ही नया शहर आकार लेगा। इससे अकबरनगर, पीरपैंती, हबीबपुर, सबौर, नवगछिया, कहलगांव और सुल्तानगंज का नियोजित विकास होगा।

प्रॉपर्टी सर्वे के दौरान घरों में बार कोड वाला होल्डिंग प्लेट लगाया जाएगा। जिसके बाद लोगों को किसी के घर को तलाश करने में ज्यादा भाग-दौड़ नहीं करनी पड़ेगी। दरवाजे पर लगे होल्डिंग प्लेट के बार कोड को स्कैन करते ही भवन मालिक का पूरा डाटा मोबाइल पर आ जाएगा।

नगर परिषद कहलगांव, नवगछिया और सुलतानगंज

के सर्वे का कार्य जेएमई प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया है। अकबरनगर, पीरपैंती, हबीबपुर, सबौर का सर्वे कार्य जीआईएस केसीटियम प्राइवेट लिमिटेड को सौंपा गया है। सर्वे शुरू होने से पहले नगर पंचायत और नगर परिषद में बैठकों का दौर शुरू हो चुका है।

शनिवार को हबीबपुर नगर पंचायत के चेयरमैन की अध्यक्षता में सर्वे के प्रारूप की जानकारी देने के लिए बैठक हुई। इसमें डिप्टी चेयरमैन, पार्षद और टाउन प्लानर मन्नू यादव आदि मौजूद थे।

हबीबपुर के वार्ड नौ को मॉडल वार्ड के रूप में चयनित किया गया है। यहां सबसे पहले सर्वे होगा। इधर सोमवार को पीरपैंती में बैठक होगी। सबौर में तीन दिन पहले बैठक हो चुकी है। भागलपुर नगर निगम क्षेत्र के सर्वे का काम पूरा हो चुका है।

खराब प्रदर्शन करने वाले 6 एसडीपीओ की बढ़ी मुश्किलें, डीआईजी ने मांगा जवाब

मुजफ्फरपुर। तिरहुत रेंज के डीआईजी चंदन कुमार कुशवाहा ने शनिवार को पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इसमें अपराध नियत्रंण एवं विधि- व्यवस्था संधारण को बेहतर से बेहतर करने के लिए उपस्थित सभी पुलिस अधिकारियों से विमर्श कर कई बिंदुओं पर निर्देश दिए।

इस दौरान सभी जिले के लंबित केसों के निष्पादन की भी समीक्षा की गई। इसमें पाया गया कि मार्च में तिरहुत के सभी जिलों में 3528 मामले दर्ज किए गए है। इसकी तुलना 511 अधिक 4039 केसों का निष्पादन किया गया है। इसमें और तेजी लाने के लिए डीआईजी ने एसएसपी और सभी एसपी को निर्देश दिया।

इस बैठक में मुजफ्फरपुर के

एसएसपी सुशील कुमार, सिटी एसपी विश्वजीत दयाल, ग्रामीण एसपी विद्या सागर, वैशाली, सीतामढ़ी, शिवहर के एसपी तथा परिक्ष्यमान पुलिस अधीक्षक मौजूद थे। बैठक में रेंज के सभी जिलों में पदस्थापित एसडीपीओ और अंचल पुलिस निरीक्षकों के कार्यों की भी समीक्षा की गई।

एसडीपीओ से स्पष्टीकरण

इसमें मुजफ्फरपुर के एसडीपीओ नगर टू के द्वारा सात केस, एएसपी पूर्वी पूर्वी वन के द्वारा नौ केस, एसडीपीओ पूर्वी टू के द्वारा 13 केस, एसडीपीओ सदर वन सीतामढ़ी द्वारा चार केस, एसडीपीओ सदर टू लालगंज वैशाली के द्वारा 18 केसों में प्रगति प्रतिवेदन निर्गत किया गया है।एसडीपीओ नगर वन मुजफ्फरपुर के द्वारा मार्च में मात्र 13 केसों में पर्यवेक्षण टिप्पणी समर्पित किया गया है। इस पर डीआईजी ने उक्त पुलिस अधिकारियों का प्रदर्शन निम्न कोटि का पाते हुए सभी संबंधित एसडीपीओ से स्पष्टीकरण मांगा है।मार्च में किये गये कार्यों की भी समीक्षा की गई। इसमें सदर थाना मुजफ्फरपुर में लंबित अविशेष प्रतिवेदित केसों के निष्पादन एवं पर्यवेक्षण के लिए प्रतिनियुक्त इंस्पेक्टर राज कुमार के द्वारा मात्र 10 पर्यवेक्षण टिप्पणी, छह समीक्षात्मक टिप्पणी एवं 35 केसों में ही अंतिम आदेश निर्गत किया गया है।

कटिहार में थाने पर हमला मामले में भाजपा नेता के घर छापेमारी, पुलिस ने मां को हिरासत में लिया

कटिहार, एजेंसी। कटिहार जिले में डंडखोरा थाने पर रायपुर गांव के लोगों ने शराब कारोबारी को छुड़ाने के लिए हमला बोल दिया था. करीब 100 से भी ज्यादा संख्या में लाठी-डंडे लेकर पहुंचे लोगों ने थाने में जमकर उत्पात मचाया. पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की और थाने में मौजूद कई सामानों को क्षतिग्रस्त कर दिया. इस घटना में कई पुलिसकर्मी घायल भी हो गए. ऐसे में अब इस पूरे घटनाक्रम को लेकर पुलिस एक्शन मोड में आ गई है और ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू हो गई है.

दरअसल, इस घटना के बाद पुलिस एक्टिव हो गई और थाना पर हमला करने वाले सभी उपद्रवियों की खोजबीन में जुट गई है. जानकारी के मुताबिक, कई थानों की पुलिस नवादा गांव पहुंची और छापेमारी के दौरान रायपुर पंचायत के मुखिया सह भाजपा प्रखंड अध्यक्ष आलोक कुमार के घर पहुंची. दूसरी ओर परिजनों का आरोप है कि, पुलिस ने घर में तोड़फोड़ की. स्कॉर्पियो और ट्रैक्टर को जब्त कर थाने ले आई है. इस घटना को लेकर बड़ा अपडेट यह भी सामने आया है कि, पुलिस ने नवादा गांव के मुखिया आलोक कुमार की मां को हिरासत में ले लिया है. इतना ही नहीं, इसके अलावा पूर्व मुखिया संजीव चौहान के परिजनों ने भी पुलिस पर छापेमारी के दौरान मारपीट में घर के सामान क्षतिग्रस्त करने का आरोप लगाया. मामले में बताया जा रहा है कि, पुलिस को इस बात का अनुमान है कि, थाना पर हमला करने वालों को उकसाने में स्थानीय मुखिया की भूमिका रही है. खैर, इस पूरी घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है. देखना होगा कि, पुलिस क्या कुछ एक्शन लेती है.

लड़की भगाने के आरोपी पुलिस कस्टडी से फरार, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

रोहतास, एजेंसी। बिहार में पुलिस कस्टडी से आरोपियों के फरार होने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब रोहतास जिले के डेहरी नगर थाना क्षेत्र में एक और आरोपी पुलिस कस्टडी से फरार हो गया है। यह घटना शुक्रवार शाम की है, जब पुलिस ने लड़की भगाने के मामले आरोपी शाहनवाज फारूकी को गिरफ्तार कर थाने लाया था, लेकिन पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए आरोपी मौके से फरार हो गया। वहीं, पिछले एक सप्ताह में यह तीसरी घटना है, जब आरोपी पुलिस कस्टडी से फरार हुए हैं। इससे पहले काराकाट थाना क्षेत्र में दो आरोपी पेशी के दौरान पुलिस कस्टडी से भागने में सफल रहे थे। इस घटना के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। थाने में हुई इस घटना पर डेहरी नगर थानाध्यक्ष द्वारा किसी भी प्रकार की जानकारी देने से इंकार कर दिया गया है, जिससे यह मामला और अधिक संदिग्ध हो गया है। एसपी रौशन कुमार ने इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा, ÷डेहरी पुलिस ने लड़की भगाने के आरोपी को गिरफ्तार किया था, लेकिन वह मौका देखकर फरार हो गया। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है और उम्मीद है कि जल्द ही उसे पकड़ लिया जाएगा।÷ बता दें कि इससे पहले, पिछले सप्ताह काराकाट थाना क्षेत्र में दो और आरोपी पुलिस कस्टडी से फरार हुए थे। पहला मामला शराब बिक्री के आरोपी अशोक कुमार साह का था, जिसे उत्पाद पुलिस ने दबोचा था। अशोक को न्यायालय में पेशी के लिए लाया गया था, लेकिन न्यायालय परिसर में पुलिस को चकमा देकर उसने हथकड़ी निकालकर फरार हो गया। हालांकि, पुलिस ने तीन दिन बाद उसे दबोच लिया, और उसने बाद में अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। वहीं, एक अन्य आरोपी काराकाट पुलिस के पास से पेशी के दौरान कागजात तैयार करने के समय फरार हो गया था।इन घटनाओं के बाद पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

दाखिल-खारिज का आवेदन अटकाना सीओ और आरओ को पड़ गया महंगा, अब 3 दिन के अंदर जेब से भरने होंगे पैसे

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। जिले में दाखिल-खारिज के मामले लटकाने वाले अंचलाधिकारी और राजस्व कर्मचारियों को अब आर्थिक रूप से भी दंडित किया जा रहा है।

डीएम सुब्रत कुमार सेन के आदेश पर एसडीओ पूर्वी अमित कुमार ने मीनापुर के अंचलाधिकारी और राजस्व अधिकारी पर क्रमश- तीस हजार और बीस हजार रुपये का दंड अधिरोपित किया है।

तीन दिनों में दोनों अधिकारियों को दंड की राशि कोषागार में जमा करनी होगी। दंड जमा करने तक वेतन बंद किए जाने का भी आदेश दिया

गया है।

विदित हो कि आमलोगों को समय से योजनाओं का लाभ मिल सके, इसके लिए डीएम लगातार मानीटरिंग करते हैं। इस क्रम में वह 17 अप्रैल को मीनापुर अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया था।

डीएम ने पाया कि 1430 दाखिल-खारिज के मामले निष्पादन के लिए लंबित थे। इसपर नाराजगी जताई थी। इसके अलावा परिमार्जन प्लस के भी 1231 आवेदन लंबित थे। डीएम ने इसे भी चिंताजनक माना था।

इसके अलावा भी कई मामलों में गड़बड़ी पर सीओ और राजस्व अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा था। साथ ही 60 दिनों से अधिक समय तक लंबित दाखिल-खारिज के मामले पर आर्थिक दंड लगाने की बात कही गई।

डीएम के आदेश पर एसडीओ पूर्वी ने इसकी समीक्षा की। इसमें पाया गया कि मीनापुर अंचल में दाखिल खारिज के ढाई सौ ऐसे वाद पाए गए जिसका निष्पादन 60 दिनों के बाद तक नहीं किया गया था।

इसे देखते हुए अंचलाधिकारी को दो सौ मामलों को लेकर दंडित किया गया। प्रति मामले में डेढ़ सौ का जुर्माना लगाते हुए कुल 30 हजार रुपये का दंड लगाया गया।

वहीं सौ रुपये प्रति मामले का दंड अधिरोपित करते हुए राजस्व कर्मचारी को 20 हजार रुपये जमा करने का आदेश दिया गया। दोनों अधिकारियों को तीन दिनों में उक्त राशि जमा करने को कहा गया है। दंड की राशि जमा करने तक दोनों का वेतन बंद रहेगा।

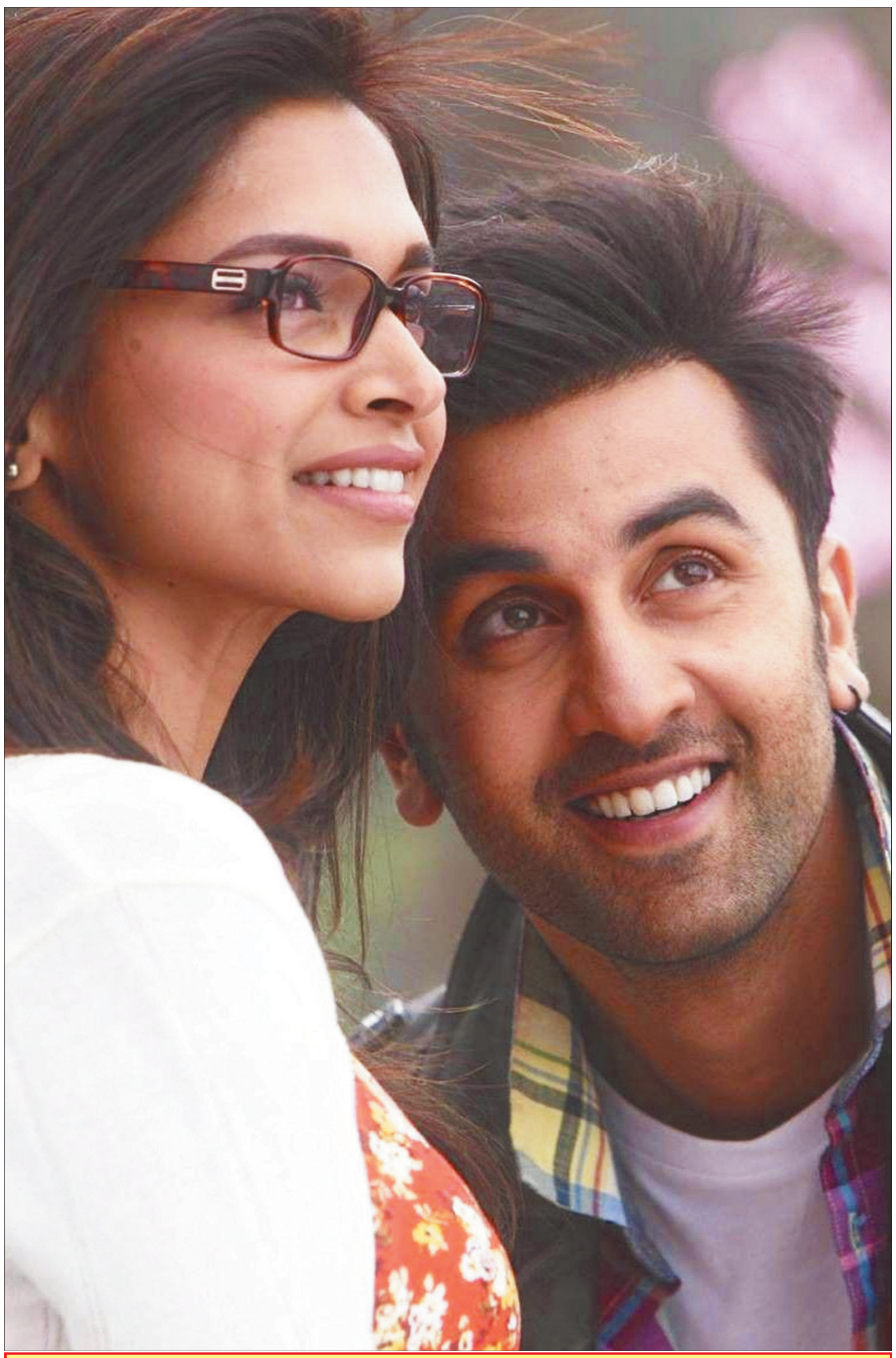

रणबीर के साथ रिश्ते पर बोलीं दीपिका

ब्रेकअप के बाद इस तरह खुद को संभाला

दीपिका पादुकोण ने रणबीर कपूर के साथ अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने बताया है कि वह ब्रेकअप के बाद कैसे अपने आपको बेहतर कर पाईं।

फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के बाद दीपिका पादुकोण और रणबीर कपूर ने एक दूसरे को कुछ दिनों तक डेट किया। कुछ दिनों के बाद दोनों के रिश्ते में कड़वाहट आ गई। बताया जाता है दीपिका ने रणबीर को धोखा देते हुए पकड़ लिया था। कॉस्मोपॉलिटन के साथ बातचीत में एक बार दीपिका पादुकोण ने अपने रिश्ते के में बारे में बात की थी।

दीपिका को मिला धोखा

बातचीत में दीपिका ने बताया जब मजाक ही करना है, तो मैं किसी के साथ रिश्ते में क्यों रहूं? इससे अच्छा है कि आप अकेले रहें और मजे करें। लेकिन हर कोई ऐसे नहीं सोचता। शायद इसीलिए मुझे अतीत में दुख हुआ। मैं बेवकूफ थी जो उन्हें (रणबीर) दूसरा मौका दिया, हालांकि उन्होंने माफी मांगी। मेरे आस-पास के लोग बोल रहे थे कि वह अभी भी स्थिर नहीं है। इसके बाद मैंने उन्हें रंगे हाथों पकड़ा। इससे बाहर निकलने में मुझे वक्त लगा लेकिन मैंने अपने आपको संभाला। कोई ऐसी चीज नहीं थी जो मुझे वापस भेज देती। वह जहाज डूब चुका था।

दीपिका ने ब्रेकअप के बाद अपने आपको बेहतर किया

दीपिका ने आगे कहा पहली बार जब उसने मुझे धोखा दिया तो मुझे लगा कि रिश्ते में या मुझमें कुछ गड़बड़ है। लेकिन जब कोई इसकी आदत बना लेता है तो आपको समझ आता है कि दिक्कत उसी में है। मैंने अपने रिश्ते के लिए बहुत कुछ किया, बदले में कुछ नहीं मांगा। लेकिन बेवफाई की वजह से चीजें खराब हुईं। इसके बाद मुझे एहसास हुआ कि किसी भी चीज या इंसान के साथ ज्यादा लगाव मत रखो। ब्रेकअप के बाद मैंने अपने आपको बेहतर किया।

चारों लोग खुश हैं

ब्रेकअप के कई साल बाद दीपिका पादुकोण ने रणवीर सिंह से शादी कर ली। रणबीर कपूर ने आलिया भट्ट से शादी कर ली। चारों अपनी शादी से खुश हैं और मां-बाप भी बन चुके हैं।

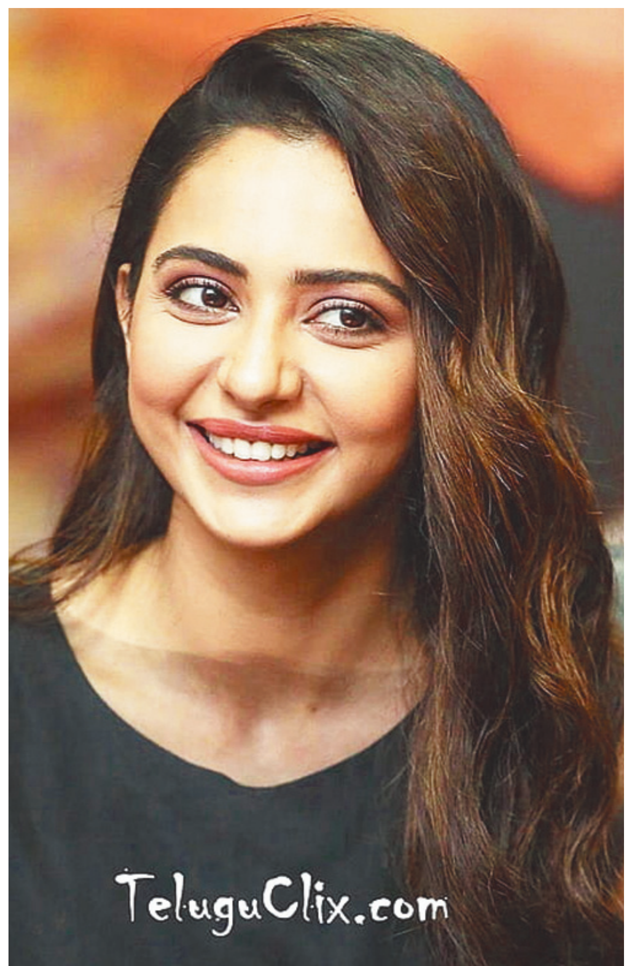

रकुल प्रीत ने कॉस्मेटिक सर्जरी को लेकर क्या कहा? बोलीं- 'अगर कोई ऐसा करना चाहता है तो'

इन दिनों कई एक्ट्रेस कॉस्मेटिक सर्जरी या प्रोसिजर करवाती हैं, इसका असर उनके चेहरे पर, ब्यूटी पर साफ नजर आता है। हाल ही में कॉस्मेटिक प्रोसिजर को लेकर रकुल प्रीत ने भी अपना नजरिया बताया। रकुल प्रीत सिंह के एक्टिंग करियर को लगभग 15 साल हो चुके हैं। वह कई रोमांटिक फिल्मों का हिस्सा बन चुकी हैं। रकुल को फैंस उनके नेचुरल लुक के लिए भी काफी पसंद करते हैं। हाल ही में कॉस्मेटिक सर्जरी, प्रोसिजर को लेकर रकुल ने अपना नजरिया साझा किया।

भगवान ने मुझे ठीक-ठाक शक्ल दी

हाल ही में एक इवेंट में रकुल प्रीत सिंह को देखा गया। इंस्टेंट बॉलीवुड से की गई बातचीत में वह बताती हैं कि उन्हें कभी कॉस्मेटिक सर्जरी कराने का ख्याल नहीं आया। रकुल कहती हैं, 'भगवान ने मुझे ठीक-ठाक शक्ल दी है, इसलिए ऐसी बातों के बारे में सोचा नहीं है।' बताते चलें कि पिछले दिनों रकुल को पैपराजी ने मुंबई में एक गाड़ी से उतरते देखा तो उन्होंने अपने होंठों को छुपा लिया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। इस वीडियो को देखकर यूजर्स ने कहा था कि रकुल ने होंठों पर कोई कॉस्मेटिक प्रोसिजर करवाया है या फिर फिलर (एक तरह का प्रोसिजर है, जिससे होंठ उभरे हुए नजर आते हैं) का यूज किया है।

कॉस्मेटिक प्रोसिजर को गलत नहीं मानती

आगे रकुल कहती हैं, 'हां, अगर कोई ऐसा करना चाहता है तो इसमें कुछ गलत नहीं है। देखिए पहले कई बीमारियों का इलाज नहीं था, अब है। ऐसे ही अगर कोई सुंदर दिखने के लिए कॉस्मेटिक प्रोसिजर करवाना चाहता है तो इसमें गलत कुछ नहीं है।'

कोर्ट ने भेजा नोटिस

एआर रहमान पर लगा 2 करोड़ का जुर्माना

मशहूर म्यूजिक डायरेक्टर एआर रहमान एक बार फिर गलत वजह से सुर्खियों में आ गए हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने धुन कॉपी के आरोप में उनके और फिल्म प्रोडक्शन कंपनी मद्रास टॉकीज पर दो करोड़ रुपये का जुर्माना ठोका है। मामला ऐश्वर्या राय बच्चन की फिल्म पोन्नियन सेलवन 2 के गाने वीरा राजा वीरा से जुड़ा है।

कोर्ट ने रहमान को इस मामले में नोटिस भेज दिया है। पद्मश्री से सम्मानित उस्ताद फैयाजुद्दीन वसीफुद्दीन डागर ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि वीरा राजा वीरा गाने की धुन उनके पिता नासिर फैयाजुद्दीन डागर और चाचा नासिर जाहिरुद्दीन डागर की कंपोज शिव स्तुति से कॉपी की गई है।

उन्होंने दावा किया कि बेशक गाने के बोल अलग हैं, लेकिन इस गाने की लय और बीट्स शिव स्तुति से बिलकुल मिलती है और इसका श्रेय उनके परिवार को नहीं दिया गया है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान माना कि गाना शिव स्तुति की पूरी तरह नकल है। बस कुछ मामूली बदलाव किए गए हैं। रहमान और निर्माता कंपनी ने उनके काम को कोई श्रेय नहीं दिया।

कोर्ट ने साफ कर दिया कि डागर के काम को बिना उचित श्रेय के इस्तेमाल करना कॉपीराइट उल्लंघन है।

कोर्ट ने 2 करोड़ का जुर्माना लगाते हुए निर्देश दिया है कि गाने में साफतौर से लिखा जाए कि यह दिवंगत उस्ताद नासिर फैयाजुद्दीन डागर और उस्ताद नासिर जाहिरुद्दीन डागर की शिवा स्तुति पर आधारित रचना है।

इसे सभी ओटीटी प्लेटफॉर्म्स और ऑनलाइन माध्यमों पर अपडेट किया जाए। यही नहीं, डागर परिवार को भी दो लाख रुपये का हर्जाना देना होगा। कोर्ट ने साफ किया कि हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की मूल रचनाएं कॉपीराइट कानून के तहत संरक्षित हैं। अगर कोई रचना संगीतकार की अपनी है तो उसे पूर्ण कानूनी अधिकार मिलेगा।

वहीं एआर रहमान ने इन आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने तर्क दिया कि वीरा राजा वीरा गाना एक मौलिक रचना है। इसे पश्चिमी संगीत के मूल सिद्धांतों के इस्तेमाल से 227 अलग-अलग लेयर्स के साथ तैयार किया गया है, जो हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की परंपराओं से काफी अलग है। कोर्ट ने रहमान के इन तर्कों को खारिज करते हुए यह फैसला सुनाया है।

सूरज पंचोली का दमदार नया पोस्टर वीर हमीरजी गोहिल के रूप में आया सामने

सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय और सूरज पंचोली अपनी आगामी पीरियड एक्शन फिल्म केसरी वीर- लेजेंड्स ऑफ सोमनाथ में स्क्रीन पर धूम मचाने के लिए तैयार हैं। जहां फिल्म दो अनुभवी अभिनेताओं को एक साथ लाती है, वहीं

सूरज पंचोली इस बार बिल्कुल नए और चुनौतीपूर्ण किरदार में नजर आएंगे। एक अनसुने योद्धा और साहसी राजपूत राजकुमार वीर हमीरजी गोहिल के रूप में। फिल्म के प्रति बढ़ते उत्साह को और हवा देते हुए निर्माताओं ने सूरज पंचोली का एक दमदार नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें वे योद्धा के पूरे लुक में, तलवार लिए हुए दिखाई दे रहे हैं। उनकी तीव्र और गंभीर अभिव्यक्ति कहानी की गहराई और उनके किरदार की वीरता को बखूबी दर्शाती है। इस ऐतिहासिक महागाथा में सूरज पंचोली वीर हमीरजी गोहिल के रूप में नज़र आएंगे। एक ऐसा साहसी योद्धा, जो आक्रमणकारियों से पवित्र सोमनाथ मंदिर की रक्षा करने के लिए संकल्पबद्ध है।

करिश्मा तन्ना ने इंस्टाग्राम पर शेयर की लेटेस्ट फोटोज, फैंस ने नेचुरल ब्यूटी का दिया टैग

मशहूर एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना अपनी खूबसूरती को लेकर हमेशा लाइमलाइट में रहती हैं। वह सोशल मीडिया पर अपनी फोटोज शेयर करती रहती हैं। एक बार फिर उन्होंने इंस्टाग्राम पर फोटोज शेयर कर फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई फोटोज में करिश्मा डेनिम जींस और वाइट टॉप में नजर आ रही हैं। वह सभी फोटोज में बैठे हुए शानदार पोज दे रही हैं और अपने फेस एक्सप्रेशन से कहर ढा रही हैं। एक्ट्रेस की यह फोटोज अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। लोग उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं और जमकर कमेंट्स कर रहे हैं।

एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो करिश्मा तन्ना छोटे पर्दे से लेकर बड़े पर्दे तक अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुकी हैं। उन्होंने 2001 में टीवी शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी से अपने करियर की शुरुआत की। वह बाल वीर, नागिन 3, कयामत की रात जैसी टीवी सीरियल्स में नजर आ चुकी हैं। उन्होंने कई फिल्में भी की हैं, जिसमें दोस्ती- फ्रेंड्स फॉरएवर, ग्रैंड मस्ती, संजू जैसी फिल्में शामिल हैं। इसके अलावा, वह ओटीटी में भी किस्मत आजमा चुकी हैं। उन्होंने वेब सीरीज करले तू भी मोहब्बत और स्कूप में भी काम किया है।

वह रियलिटी शो बिग बॉस 7 की रनर-अप रहीं। उन्होंने झलक दिखला जा और खतरों के खिलाड़ी जैसे रियलिटी शोज भी किए। वह खतरों के खिलाड़ी 10 की विजेता रही हैं। तन्ना अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। साल 2022 में उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड वरुण बंगेरा से शादी की। वरुण बंगेरा एक बिजनसमैन हैं और वीबी क्रॉप नाम की कंपनी के डायरेक्टर हैं। दोनों पहली बार कॉमन फ्रेंड सुवेद लोहिया की पार्टी में मिले थे। तकरीबन दो साल तक डेट करने के बाद दोनों 5 फरवरी 2022 को शादी के बंधन में बंध गए।

कंधे पर धनुष लटकाए निडर योद्धा बनकर निकली आकांक्षा शर्मा, केसरी वीर से फर्स्ट लुक जारी

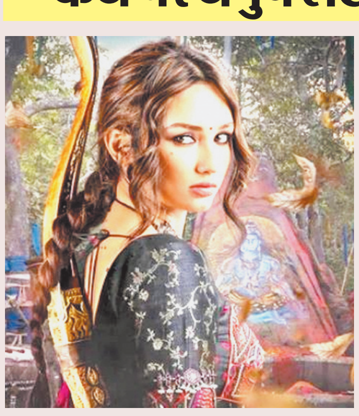

बादशाह के गाने जुगनू में नजर आई आकांक्षा शर्मा बॉलीवुड में कदम रख चुकी हैं। जल्द ही वह सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय और सूरज पंचोली स्टारर केसरी वीर- लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ में नजर आएंगी। उन्हें इस फिल्म में निडर योद्धा राजल का रोल मिला है। मेकर्स ने फिल्म से उनका पहला लुक जारी कर दिया है। यह फिल्म 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। पोस्टर में आकांक्षा का लुक बेहद शानदार है। उनके चेहरे पर जुनून और आत्म-विश्वास साफ झलक रहा है। आँखों में ऐसा तेज और साहस है, जो सबका ध्यान खींच रहा है। लुक की बात करें तो उन्होंने ट्रेडिशनल आउटफिट पहना हुआ है और बालों की चोटी बनाई हुई है। उनके कंधों पर धनुष भी दिखाई दे रहा है। फिल्म से एक्ट्रेस का पहला लुक जारी करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, राजल, जंगल की शेरनी और बेहतरीन योद्धा। इसके आगे उन्होंने हैशटैग का इस्तेमाल करते हुए हर-हर महादेव लिखा। साथ ही बताया कि फिल्म 16 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आकांक्षा से पहले मेकर्स ने सुनील शेट्टी का भी फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया था। फिल्म में एक्टर योद्धा वेगड़ा जी का किरदार निभाते दिखाई देंगे। पोस्टर में सुनील शेट्टी हाथ में कुल्हाड़ी लेकर दहाड़ते नजर आए। उनका निडर योद्धा अवतार प्रशंसकों को काफी पसंद आया। पोस्टर के बैकग्राउंड में गुजरात का प्रतिष्ठित सोमनाथ मंदिर भी नजर आ रहा है। फिल्म में सूरज पंचोली भी मजबूत किरदार में नजर आएंगे। वह एक गुमनाम योद्धा वीर हमीरजी गोहिल की भूमिका में दिखेंगे। वहीं विवेक ओबेरॉय खलनायक की भूमिका निभाते नजर आएंगे। केसरी वीर- लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। यह उन गुमनाम योद्धाओं की कहानी दर्शकों के सामने लाएगी, जिन्होंने 14वीं शताब्दी में ऐतिहासिक सोमनाथ मंदिर को घुसपैठियों से बचाने के लिए लड़ाई लड़ी और सर्वोच्च बलिदान दिया।

इस वजह से अपनी लव लाइफ को सीक्रेट रखना चाहती हैं पलक

अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी का नाम अक्सर सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान के साथ जोड़ा जाता है। दोनों की डेटिंग की खबरें बी-टाउन का हॉट टॉपिक बनी रहती हैं। हालांकि, दोनों ने कभी अपने रिश्ते पर खुलकर कोई बात नहीं की। इस बीच अब अभिनेत्री पलक तिवारी ने कहा कि वो नहीं चाहतीं कि उनकी लव लाइफ चर्चा का केंद्र बने या उसको लेकर चर्चाएं हों। अपनी आगामी फिल्म 'भूतनी' के प्रमोशन में जुटीं अभिनेत्री पलक तिवारी ने हाल ही में अपनी लव लाइफ को लेकर बात की। फिल्मफेयर के साथ हालिया बातचीत में पलक ने खुलासा किया कि उन्हें अपनी लव लाइफ के बारे में बात करना क्यों पसंद नहीं है।

इस फिल्म के कायल हैं 'हिट 3' के चर्चित अभिनेता नानी, नाम सुन चौंक जाएंगे आप

अभिनेता नानी इस समय अपनी फिल्म हिट 3 से काफी चर्चा में हैं, जो जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अभिनेता फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी पसंदीदा फिल्म का जिक्र किया है, जिसे सुन चौंक जाएंगे आप। नानी अभिनीत फिल्म हिट 3 का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है, जिसके लिए फिल्म की एंडवास्ड बुकिंग सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि अमेरिका में भी शुरू हो गई है। फिल्म के सभी कलाकार और निर्माता इसके प्रमोशन में जोरों-शोरों से लगे हुए हैं। अब एक्टर नानी ने अपने जीवन की सबसे धाकड़ फिल्म का जिक्र किया है। आइए जानते हैं अभिनेता की पसंदीदा फिल्म।

पसंदीदा फिल्म को लेकर हुआ सवाल

सैलेश कोलानू के निर्देशन में बनी फिल्म हिट 3 के प्रमोशन के लिए नानी और श्रीनिधि शेट्टी एक समारोह में पहुंचे थे। एक इंटरव्यू में इन दोनों से उनकी पसंदीदा तमिल फिल्मों के बारे में सवाल किया गया।

साभार एजेंसी

ईरानी बंदरगाह पर मिसाइल ईंधन की खेप से जुड़े भीषण विस्फोट में अब तक 25 लोगों की मौत, 800 घायल

ईंधन चीन से दो जहाजों द्वारा ईरान भेजी गई खेप का हिस्सा है

» मस्कट (ओमान), भाषा।

दक्षिणी ईरान के एक बंदरगाह पर मिसाइल प्रणोदक बनाने में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक घटक की खेप से कथित तौर पर जुड़े भीषण विस्फोट में 25 लोगों की मौत हो गई और करीब 800 लोग घायल हो गए।प्रारंभिक विस्फोट के कुछ घंटों बाद हेलीकॉप्टर आग पर काबू पाने के लिए पानी की बौछार करते नजर आए। शाहिद राजाई बंदरगाह पर यह विस्फोट ऐसे समय हुआ जब ईरान और अमेरिका ने तेहरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम पर तीसरे दौर की वार्ता के लिए ओमान में शनिवार को मुलाकात की थी। ईरान में किसी ने भी यह नहीं कहा कि यह विस्फोट किसी हमले के परिणामस्वरूप हुआ है। बहरहाल, वार्ता का नेतृत्व कर रहे ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने बुधवार को स्वीकार किया कि वैध प्रतिक्रिया के वास्ते उकसाने के लिए विध्वंसक कृत्य और हत्या के प्रयासों की पिछली घटनाओं को देखते हुए हमारी सुरक्षा सेवाएं हाई अलर्ट पर हैं। देश की सरकारी मीडिया ने हताहतों की संख्या बताते हुए कहा कि अधिकारियों को केवल 10 ही मृतकों की पहचान हो पाई है, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं।

इस बीच, सरकारी टीवी चैनल ने बताया कि विस्फोट होने के बाद लगी आग पर काबू पा लिया गया है तथा रविवार को इसे पूरी तरह बुझा दिया जाएगा। इसने कहा कि बंदरगाह पर गतिविधियां पुनः शुरू हो गई हैं तथा एक वीडियो में एक वाणिज्यिक जहाज के कंटेनर भी उतरते हुए नजर आ रहे हैं। इस बारे में बहुत कम जानकारी मिली है कि बंदर अब्बास के ठीक बाहर आग कैसे लगी, जिसके कारण अन्य कंटेनर में भी विस्फोट हो गया। इस संबंध में एक सुरक्षा कंपनी ने बताया कि बंदरगाह पर कथित तौर पर मिसाइल ईंधन के लिए रसायन लाया गया था। निजी सुरक्षा कंपनी एम्ब्रे ने कहा कि बंदरगाह पर मार्च में सोडियम परक्लोरेट रॉकेट ईंधन की खेप आई थी। यह ईंधन चीन से दो जहाजों द्वारा ईरान भेजी गई खेप का हिस्सा है, जिसके बारे में जनवरी में फाइनेंशियल टाइम्स ने पहली बार खबर प्रकाशित की थी। इस ईंधन का उपयोग ईरान में मिसाइल भंडार को पुनः स्थापित करने के लिए किया जाना था, जो गाजा पट्टी में हमास के साथ युद्ध के दौरान इजराइल पर सीधे हमलों के कारण समाप्त हो गया था। एम्ब्रे ने कहा, यह आग कथित तौर पर ईरानी बैलिस्टिक मिसाइलों में उपयोग के लिए भेजे गए ठोस ईंधन की खेप को ठीक तरीके से नहीं रखने की वजह से हुआ। ईरान के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता जनरल रजा तलाइनिक ने इस घटना पर रविवार को पहली प्रतिक्रिया देते हुए उन खबरों का खंडन किया कि बंदरगाह के जरिए मिसाइल ईंधन का आयात किया गया है। उन्होंने सरकारी टीवी से फोन पर कहा, ईंधन या सैन्य उपयोग के लिए किसी भी प्रकार की आयात और निर्यात की गई खेप बंदरगाह स्थल पर नहीं थी (या नहीं है)। तलाइनिक ने मिसाइल ईंधन के संबंध में विदेशों में जारी की गई खबरों को निराधार करार दिया। एसोसिएटेड प्रेस ने पोत-ट्रैकिंग डेटा का विश्लेषण किया जिसके अनुसार, माना जाता है कि रसायन ले जाने वाले पोतों में से एक पोत मार्च में इस क्षेत्र में था। एम्ब्रे ने भी यह कहा है। ईरान ने खेप पहुंचने की बात स्वीकार नहीं की है। संयुक्त राष्ट्र में ईरानी मिशन ने शनिवार को टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया। यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान ने विशेष रूप से 2020 में बेरूत बंदरगाह विस्फोट के बाद बंदरगाह से रसायनों को क्यों नहीं हटाया। सैकड़ों टन अत्यधिक विस्फोटक अमोनियम नाइट्रेट के प्रज्वलन के कारण हुए उस विस्फोट में 200 से अधिक लोग मारे गए थे और 6,000 से अधिक लोग घायल हुए थे। शनिवार को शाहिद रजई में हुए विस्फोट की सोशल मीडिया पर उपलब्ध फुटेज में विस्फोट से ठीक पहले आग से लाल रंग का धुआं उठता हुआ देखा जा सकता है। इससे पता चलता है कि विस्फोट में कोई रासायनिक यौगिक शामिल था। सोशल मीडिया पर उपलब्ध वीडियो में धमाके के बाद काला धुआं निकलता हुआ दिखाई दिया। अन्य वीडियो में विस्फोट के केंद्र से कई किलोमीटर या मीलों दूर इमारतों के शीशे उड़ते हुए दिखाई दिए। एक वीडियो में एक आदमी कह रहा है, पीछे हटो, पीछे हटो। गैस (ट्रक) को जाने को कहो। उसे जाने को कहो, यह फटने वाला है। या अल्लाह यह फटने वाला है। सब लोग बाहर निकलो। पीछे हटो। पीछे हटो। देश की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए द्वारा जारी खबर में बताया गया कि ईरान के सीमा शुल्क प्रशासन ने बताया कि बंदरगाह में रखे खतरनाक सामान और रासायनिक पदार्थ के भंडार में विस्फोट हुआ है, हालांकि इस बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी गई प्रांतीय आपदा प्रबंधन अधिकारी मेहरदाद हसनजादेह ने कहा कि विस्फोट राजाई बंदरगाह से आए कंटेनरों से हुआ, लेकिन उन्होंने विस्तार से कुछ नहीं बताया। सरकारी टीवी ने यह भी बताया कि विस्फोट के कारण एक इमारत ढह गई, हालांकि तत्काल कोई अन्य विवरण नहीं दिया गया। गृह मंत्रालय ने कहा कि उसने घटना की जांच शुरू कर दी है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने भी इस घटना में मारे गए लोगों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। रजई बंदरगाह ईरान की राजधानी तेहरान से लगभग 1,050 किलोमीटर दूर होर्मुज जलडमरूमध्य में स्थित है। होर्मुज फारस की खाड़ी में एक संकरा मार्ग है, जिसके जरिए 20 प्रतिशत तेल का व्यापार होता है।

यूएई के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बात कर पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की

अबू धाबी/नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बात की और पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए भारत के प्रति एकजुटता एवं समर्थन व्यक्त किया। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट साझा कर कहा कि दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि हर तरह के आतंकवाद को खारिज किया जाना चाहिए। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। इस हमले की दुनियाभर के देशों और नेताओं ने निंदा की है। जायसवाल ने एक्स पर लिखा, यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद नाहयान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बात की और जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमले में लोगों की मौत पर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने हमले की कड़ी निंदा की और भारत के साथ एकजुटता एवं समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस हमले को लेकर चिंता जताने के लिए यूएई के राष्ट्रपति का शुक्रिया अदा किया। जायसवाल ने कहा, दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि हर तरह का आतंकवाद खारिज किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने हमले के दोषियों और उनके समर्थकों को न्याय के कठघरे में लाने के भारत के दृढ़ संकल्प को व्यक्त किया।

दक्षिण अफ्रीका के विहिप की याशिका सिंह ने भी हमले की निंदा की

पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद दक्षिण अफ्रीका के लोगों ने भारत के प्रति एकजुटता व्यक्त की

» जोहानिसबर्ग, भाषा।

जोहानिसबर्ग में भारतीय महावाणिज्य द्वारा आयोजित एक सभा में भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों के साथ-साथ बड़ी संख्या में दक्षिण अफ्रीकी नागरिक शामिल हुए और पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी तथा भारत के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त की। यहूदी और हिंदू समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले वक्ताओं ने शुक्रवार को हमले को लेकर रोष प्रकट किया और जान गंवाने वाले तथा घायलों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। यहूदी धर्म गुरु रब्बी अहरोन जुलबर्ग ने हर तरह के आतंकवाद की निंदा की। जुलबर्ग ने अपनी शुरुआती प्रार्थना में कहा, हम आतंकवाद के दंश को अच्छी तरह से समझते हैं...आज, हम आपके साथ खड़े हैं। आइए हम इस नफरती दुनिया को बदलने के लिए एकजुट होकर काम करें, नफरत की जगह समझ, प्यार और उम्मीद जगाएं। महावाणिज्य दूत महेश कुमार ने कहा कि यह हमला आतंकवाद का एक कायराना कृत्य था जिसकी स्पष्ट रूप से निंदा की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा, भारत में 26/11 मुंबई हमले (2008 में) के बाद से यह सबसे बड़ा हमला है जिसमें इतनी संख्या में नागरिकों की जान गई। इस हमले में भारतीय नागरिकों, कुछ विदेशियों और अन्य लोगों को भी निशाना बनाया गया। कुमार ने कहा, यह हमला जम्मू-कश्मीर में, खासकर पिछले साल केंद्र शासित प्रदेश में हुए सफल और शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक चुनावों के बाद नागरिकों, अल्पसंख्यक समुदायों और आगंतुकों को निशाना बनाने के लिए कहा गया। उन्होंने कहा, हमले के पीछे का मकसद बहुत स्पष्ट है-जम्मू-कश्मीर में शांति और सामान्य स्थिति को बहाल नहीं होने देना। इस क्षेत्र में हाल में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटकों का आगमन हुआ और एक लोकतांत्रिक सरकार ने सत्ता संभाली है। कुमार ने कहा, इस घटना के सामने भारत एकजुटता के साथ खड़ा है। हम डरने वाले नहीं हैं। पीड़ितों की स्मृति आतंकवाद को मिटाने और इसके दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने के हमारे संकल्प को मजबूत करेगी। दक्षिण अफ्रीका के विश्व हिंदू परिषद (विहिप) का प्रतिनिधित्व करने वाली याशिका सिंह ने भी हमले की निंदा की। महिंद्रा साउथ अफ्रीका के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) राजेश गुप्ता ने कहा कि इस हमले ने मानवता को शर्मसार कर दिया है। गुप्ता ने कहा, यह जघन्य कृत्य बेहद शर्मनाक है। मुझे लगता है कि अब समय आ गया है जब हम सभी को इस तरह की भावना के खिलाफ खड़ा होना चाहिए। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को आतंकवादियों के हमले में 26 लोगों की मौत हो गई, जिनमें अधिकांश पर्यटक थे। यह 2019 में पुलवामा हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमला था। पाकिस्तान से संबद्ध प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा का एक अंग कहे जाने वाले द रेजिस्टेंस फ्रंट नामक समूह ने हमले की जम्मेदारी ली है।

लिटिल इंडिया पर किताब सिंगापुर में भारतीय समुदाय की गतिविधियों का दस्तावेजीकरण

» सिंगापुर, भाषा।

सिंगापुर के लिटिल इंडिया के इतिहास को एक किताब में समेटा गया है। इस जगह का इतिहास 1822 से शुरू होता है, जब यहां बसने वाले प्रारंभिक भारतीय समुदाय के सदस्यों ने सांस्कृतिक और वाणिज्यिक गतिविधियों की शुरुआत की थी। लेखिका सौंदरा नायकी वैरावन ने रविवार को कहा, यह किताब 1822 में लिटिल इंडिया परिसर के मुख्य मार्ग सेरांगून रोड की स्थापना से लेकर आज तक का विवरण प्रस्तुत करती है कि किस प्रकार यह भारतीय मूल के लोगों के लिए वाणिज्यिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में कार्य करता है। भारत के उच्चायुक्त शिल्पक अम्बुले और सिंगापुर के पूर्व विदेश मंत्री जॉर्ज यो ने 187 पन्नों की कॉफी टेबल पुस्तक लिटिल इंडिया एंड द सिंगापुर इंडियन कम्युनिटी थ्रू द एजेस का शुक्रवार को संयुक्त रूप से विमोचन किया।

सौंदरा ने बताया कि इसमें सेरांगून रोड के सामाजिक परिवर्तन, दुकानें, प्रारंभिक सामाजिक जीवन, परिसर में आयोजित होने वाले त्योहार, पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र, महत्वपूर्ण जगहें और व्यापार करने में आने वाली चुनौतियों का विवरण दिया गया है। उन्होंने पर्यटकों और यहां आने वाले नियमित आगंतुकों के बारे में कहा, लिटिल इंडिया सिंगापुर में रहने वाली सभी मूल के लोगों के लिए खास स्थान है, जिसकी तुलना कुछ प्रमुख वैश्विक शहरों के चाइनाटाउन से की जा सकती है। सिंगापुर में भारतीयों से संबंधित आठ किताबें लिख चुकीं सौंदरा वैरावन ने कहा कि यह पुस्तक इस वर्ष सिंगापुर की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ के उत्सव में उनका योगदान है।

न्यूज ब्रीफ

दक्षिण कोरिया की मुख्य विपक्षी पार्टी ने ली जे-म्यूंग को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया

» सियोल, भाषा।

दक्षिण कोरिया की मुख्य विपक्षी पार्टी ने रविवार को अपने नेता ली जे-म्यूंग को आगामी तीन जून को होने वाले चुनाव के लिए राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया। ली एक उदारवादी नेता हैं और दक्षिण कोरिया में अधिक आर्थिक समानता तथा उत्तर कोरिया के साथ मधुर संबंध चाहते हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी ने कहा कि ली ने रविवार को संपन्न हुए पार्टी के प्राइमरी चुनाव में दो प्रतिद्वंद्वियों को पराजित करते हुए लगभग 90 प्रतिशत मत हासिल किए। रूढ़िवादी राष्ट्रपति यून सूक एओल को हाल में पद से हटा दिया गया था। पूर्व राष्ट्रपति यून सुक एओल को पद से हटाए जाने संबंधी न्यायालय के निर्णय के बाद से ही ली को अगले राष्ट्रपति चुनाव में सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा था। ली 2022 के चुनाव में यून से मामूली अंतर से पीछे रह गए थे।

ली ने ही यून को हटाने के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के अभियान का नेतृत्व किया था। दरअसल पूर्व राष्ट्रपति यून ने देश में अचानक मार्शल लॉ लागू करने की घोषणा करके देश को हैरत में डाल दिया था। हालांकि मार्शल लॉ ज्यादा वक्त नहीं रहा और देशभर में यून के प्रति असंतोष फैल गया और उन्हें महाभियोग का सामना करना पड़ा। अंततः देश के न्यायालय ने उन्हें पद से हटाए जाने का हाल में फैसला सुनाया। ली ने लंबे समय से एक सत्ता-विरोधी व्यक्ति के रूप में अपनी छवि बनाई है जो दक्षिण कोरिया में गहरी जड़ें जमाए बैठी असमानता और भ्रष्टाचार को खत्म कर सकते हैं।ली वर्तमान में भ्रष्टाचार और अन्य आपराधिक आरोपों के लिए पांच मुकदमों का सामना कर रहे हैं। ली ने हाल में कुछ ऐसी टिप्पणियां की हैं जिन्हें कट्टरपंथी के रूप में चित्रित किया जा सकता है और उन्होंने आर्थिक विकास, छोटे व्यवसायों का समर्थन करने और आर्थिक ध्रुवीकरण को कम करने पर ध्यान केंद्रित किया है। ली ने पिछले सप्ताह कहा था कि दक्षिण कोरिया को उत्तर कोरिया के साथ संबंध सुधारने के लिए नए सिरे से शुरुआत करनी चाहिए।

इजराइली हमले में 51 लोगों की मौत: गाजा का स्वास्थ्य मंत्रालय

» दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी), भाषा।

इजराइल का हमला जारी रहने के बीच गाजा पट्टी के अस्पतालों में पिछले 24 घंटों में 51 फलस्तीनियों के शव लाए गए। स्थानीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि इसी के साथ ही पिछले डेढ़ साल से चल रहे इजराइल-हमास युद्ध में मरने वाले फलस्तीनियों की संख्या 52,243 हो गई है। इजराइल ने 18 मार्च को अचानक बमबारी करके हमास के साथ अपने युद्ध विराम को समाप्त कर दिया और तब से वह प्रतिदिन हमला कर रहा है। उधर, सशस्त्र सैन्यबलों ने एक बफर ज़ोन का विस्तार किया है और दक्षिणी शहर रफाह को घेर लिया है, और अब लगभग 50प्रतिशत क्षेत्र पर उनका नियंत्रण है। इजराइली अधिकारियों का कहना है कि नए सिरे से आक्रामक कार्रवाई और कड़ी नाकाबंदी का उद्देश्य हमास पर सात अक्टूबर, 2023 को हमले के दौरान अगवा कर बंधक बना लिए गए लोगों को रिहा करने के लिए दबाव डालना है।

जिसके कारण युद्ध शुरू हुआ था। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास के नष्ट होने या निरस्त्र होने और सभी बंधकों को वापस किए जाने तक युद्ध जारी रखने को ठाना है। हमास ने कहा है कि फलस्तीनी बंदियों के बदले वह केवल शेष 59 बंधकों को रिहा करेगा - जिनमें से 24 के जीवित होने की संभावना है, एक स्थाई युद्ध विराम और गाजा से इजराइल की पूर्ण वापसी की मांग करेगा, जैसा कि जनवरी में हुए अब समाप्त हो चुके युद्ध विराम में कहा गया था। हमास के नेतृत्व वाले उग्रवादियों ने सात अक्टूबर के हमले में लगभग।,200 लोगों को मार डाला था और 251 लोगों को बंधक बना लिया था। उनमें से ज़्यादातर को युद्धविराम समझौतों या अन्य समझौतों के तहत रिहा कर दिया गया है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि मरने वाले फलस्तीनियों में ज़्यादातर महिलाए और बच्चे हैं, लेकिन यह नहीं बताया कि कितने आतंकवादी या नागरिक थे। मंत्रालय ने कहा कि युद्ध में 117,600 लोग घायल हुए हैं।

कनाडा — वैंकूवर निवासी 30 वर्षीय एक व्यक्ति को घटनास्थल से गिरफ्तार किया गया : पुलिस

उत्सव के दौरान भीड़ में गाड़ी घुसा दिए जाने से नौ लोगों की मौत, कई अन्य घायल

» वैंकूवर, भाषा।

कनाडा के वैंकूवर शहर में फिलिपिनो समुदाय के विरासत उत्सव के दौरान एक व्यक्ति द्वारा भीड़ में गाड़ी घुसा दिए जाने के कारण कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। वैंकूवर पुलिस विभाग ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि घटना शनिवार रात 8:14 बजे हुई, जब लोग लापु लापु दिवस उत्सव में शामिल होने के लिए एकत्र हुए थे। घटना में कई लोग घायल भी हुए हैं लेकिन अभी तक घायलों की संख्या का ब्योरा नहीं मिला है।

पुलिस ने बताया कि वैंकूवर निवासी 30 वर्षीय एक व्यक्ति को घटनास्थल से गिरफ्तार किया गया है तथा विभाग का प्रमुख अपराध अनुभाग जांच की निगरानी कर रहा है। रविवार सुबह पुलिस विभाग ने पोस्ट किया, इस समय, हमें विश्वास है कि यह घटना आतंकी कृत्य नहीं है। यह उत्सव दक्षिण वैंकूवर क्षेत्र में मनाया जा रहा था। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में हादसे की चपेट में आए लोग सडक़ पर पड़े देखे जा सकते हैं जिनमें कम से कम सात लोग अचेत नजर आ रहे हैं। घटनास्थल की तस्वीरों में काले रंग की एक एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल) दिखती है जिसका अगला हिस्सा टूटा हुआ है। वैंकूवर के मेयर केनेथ सिम ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, मैं आज लापु लापु दिवस समारोह में हुई भयावह घटना से स्तब्ध और अत्यंत दुखी हूं। इस अत्यंत कठिन समय में हमारी संवेदनाएं प्रभावित सभी लोगों तथा वैंकूवर के फिलिपिनो समुदाय के साथ हैं। राष्ट्रीय जनगणना करने वाली एजेंसी स्टैटिस्टिक्स कनाडा के अनुसार, 2021 में वैंकूवर में फिलिपिनो मूल के 38,600 से अधिक लोग रह रहे थे, जो शहर की कुल आबादी का 5.9 प्रतिशत हैं।कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और अन्य राजनीतिक नेताओं ने घटना पर दुख व्यक्त किया तथा पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।